हिंदी दैनिक अखबार

बिहार पत्रिका

सच के साथ

पटना, रविवार, 15 दिसम्बर 2024 वर्ष : 5, अंक : 168 पृष्ठ : 8, मूल्य : 2.00 रु web_dainikbiharpatrika.com Email_ dainikbiharpatrika@gmail.com सम्पादक : कृष्णा टेकड़ीवाल

आतंकवाद मुक्त माहौल में ही पाकिस्तान से अच्छे संबंध हो सकते हैः विदेश मंत्री

नई दिल्ली(एजेंसी)। विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने संसद में प्रश्नकाल में तमाम दलों के सांसदों के प्रश्नों के जवाब में भारत के निकट और दूरस्थ पड़ोसी देशों (पाकिस्तान, चीन, बांग्लादेश, श्रीलंका) के साथ अपने संबंधों को लेकर सरकार का मौजूदा रुख और नीति स्पष्ट की। उन्होंने पाकिस्तान को लेकर कहा कि भारत पाक के साथ अच्छे संबंध बनाने का इच्छुक है। लेकिन इसके लिए आतंकवाद रहित माहौल का होना बेहद जरूरी है। यही भारत सरकार का पाकिस्तान को लेकर वर्तमान में बना हुआ रुख है। लेकिन अगर ऐसा नहीं होता है और उनके पहले के व्यवहार में कोई बदलाव नहीं आता है तो उसका द्विपक्षीय संबंधों पर प्रभाव पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के साथ किया जा रहा व्यवहार भारत के लिए चिंता का कारण है। हम उम्मीद करते हैं कि ढाका उनकी सुरक्षा के लिए कदम उठाएगा। विदेश मंत्री ने बांग्लादेश की मौजूदा अंतरिम सरकार का जिक्र करते हुए कहा कि वह भारत के साथ परस्पर लाभकारी स्थिर संबंध स्थापित करेगी। हमने उन्हें उक्त मामले पर अपनी चिंताओं से अवगत कराया है। विदेश सचिव ने भी हाल ही में ढाका की यात्रा के दौरान अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों के मुद्दे को उठाया। बांग्लादेश में विकास परियोजनाओं को लेकर भारत का अच्छा इतिहास रहा है। जयशंकर ने चीन के साथ एलएसी विवाद और सैन्य गश्त के सवाल के जवाब में कहा कि हमारे सुरक्षा बल लद्दाख के देपसांग में सभी बिंदुओं तक सैन्य गश्त के लिए जा रहे हैं। यही भारत की ऐतिहासिक सैन्य गश्त सीमा है। पिछला समझौता देपसांग और डेमचौक से जुड़ा हुआ था। जिस पर मैंने एक विस्तृत बयान सदन में दिया था। उसी से मामले को लेकर हमारी स्थिति स्पष्ट हो जाती है। नेपाल द्वारा भारत के इलाकों को अपना बताकर जारी की गई करेंसी के मुद्दे पर विदेश मंत्री ने कि सीमा को लेकर हमारा रुख बिलकुल साफ है। अगर हमारा किसी पड़ोसी को ये लगता है कि उसके कुछ करने से भारत के रुख में तब्दीली आ जाएगी तो मैं उन्हें स्पष्ट कर दूं कि ऐसा कुछ भी नहीं होगा। म्यांमार के तनावपूर्ण हालात के बीच भारत को फ्री मूवमेंट रिजीम की समीक्षा करनी पड़ी।

अडानी मुद्दे पर शरद पवार ने भी छोड़ा कांग्रेस का साथ, अकेले पड़े राहुल गांधी

मुंबई,(एजेंसी)। अडानी मुद्दे पर कांग्रेस अब अकेली पड़ती नजर आ रही है। अब इंडिया गठबंधन के साथ शरद पवार की पार्टी ने भी इस मामले में बढ़ते अलगाव का संकेत दिया है। एनसीपी शरद पवार ने कहा कि संसद के समय का बेहतर उपयोग होगा अगर वह किसानों और युवाओं के मुद्दों पर चर्चा करे, न कि व्यापारी के साथ संबंधों की। कांग्रेस के सहयोगी टीएमसी, शिवसेना (यूबीटी) और समाजवादी पार्टी ने अभी तक इस मुद्दे से दूरी बना रखी है, केवल कांग्रेस ने संसद में विरोध प्रदर्शन किया है। टीएमसी ने कहा है कि उद्योगपति गौतम अडानी पर चर्चा करने से ज्यादा महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। अब शरद पवार के भी कांग्रेस के से पल्ला झाड़ने के बाद कांग्रेस पर दबाव बढ़ सकता है और वह अडानी मुद्दे से पीछे हट सकती है।

शुक्रवार को लोकसभा में संविधान को अपनाने के 75 साल पूरे होने पर बहस हुई थी। एनसीपी (एसपी) सांसद अमोल कोल्हे ने कहा कि संविधान ने संसद को संवैधानिक प्रणाली में प्रमुख स्थान दिया है। दुर्भाग्य से, कई बार हम अनुभव करते हैं कि इसे राजनीतिक युद्ध के मैदान में बदल दिया गया है। व्यक्तिगत टिप्पणियों के कारण संसद को कई बार स्थगित किया जाता है। सांसद कोल्हे ने कहा कि हमें इस बात की ज्यादा चिंता होनी चाहिए कि हमारे किसानों और युवाओं की आवाज यहां उठती है या नहीं, बल्कि एक राजनीतिक नेता का एक कॉरपोरेट के साथ क्या संबंध है, कौन सा नेता किसी के पलायन में कहां गया है, या किस विदेशी नेता ने एक स्थानीय नेता को चंदा दिया है। हम राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर चर्चा चाहते हैं, न कि राजनीतिक नारों पर। यह कुछ ऐसा है जिससे सरकार और विपक्ष दोनों को अवगत होना चाहिए। सांसद सुप्रिया सुले जो कोल्हे के बगल में बैठी थीं, पूरे भाषण के दौरान अपनी सहमति जताती रहीं। एनसीपी प्रमुख और महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार, शरद पवार के भतीजे ने हाल ही में कहा था कि पांच साल पहले अडानी ने बीजेपी और एनसीपी के बीच महाराष्ट्र सरकार गठन की बात करवाई थी। यह तब था जब 2019 में महाराष्ट्र चुनावों में गठबंधन की जीत के बाद शिवसेना के एनडीए से बाहर निकलने के बाद अजीत पवार ने देवेंद्र फडणवीस के साथ महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने बुधवार को संसद को बाधित करने के लिए बीजेपी और कांग्रेस दोनों को जिम्मेदार ठहराया है। बनर्जी ने अडानी मुद्दे पर कांग्रेस के अटकने की आलोचना की थी। उन्होंने कहा कि हम यहां कुछ काम करने आए हैं। अडानी मुद्दा ही एकमात्र मुद्दा नहीं है। इतने सारे मुद्दे हैं। कांग्रेस अडानी से जुड़ी हुई है और बीजेपी जॉर्ज सोरोस से जुड़ी हुई है। क्या इसका मतलब यह है कि अन्य सभी मुद्दे दूर हो जाएंगे।

एक नजर

भारत में कम विदेश में ज्यादा घूमना पसंद कर रहे भारतीय पर्यटक

नई दिल्ली(एजेंसी)। इस साल सर्दियों में भारतीय सैलानी भारत में कम और विदेश जाने की ज्यादा बुकिंग करा रहे हैं। यात्रा ऐप ह्यइक्सिगोह्ल और ऑनलाइन बस टिकट बुकिंग ऐप ह्यअभीबसह्ल ने एक संयुक्त रिपोर्ट तैयार की है, जिसमें कहा गया है कि कुछ देश हैं जो बार हॉट डेस्टिनेशन बनकर उभरे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल सर्दियों के दौरान थाइलैंड, वियतनाम, लंदन और बाली शीर्ष विदेशी यात्रा स्थलों में उभरे हैं। इन स्थानों के लिए उड़ान बुकिंग में 80-100 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। इक्सिगो ने कहा कि इसके साथ ही शिरडी, तिरुपति, अमृतसर और वाराणसी जैसे आध्यात्मिक स्थलों के लिए उड़ान बुकिंग में सालाना 22 प्रतिशत से लेकर 669 प्रतिशत तक की वृद्धि देखी गई है। आंकड़ों में बताया गया कि 20 दिसंबर, 2024 से दो जनवरी, 2025 तक बैंकॉक, फुकेट, अबू धाबी, कोलंबो, सिंगापुर, लंदन, वियतनाम, बाली और दुबई जैसे अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों की यात्रा के लिए उड़ान बुकिंग में सालाना 48-174 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि घरेलू स्तर पर सुंदर ठंडे परिदृश्य और बर्फबारी के आकर्षण के कारण इस मौसम में अधिक यात्री पहाड़ों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। जम्मू, श्रीनगर और देहरादून जैसे उत्तर भारत के प्रमुख पहाड़ी स्टेशनों पर उड़ान बुकिंग में वृद्धि देखी जा रही है। आंकड़ों के अनुसार, हवाई किराये (एकतरफा) के संदर्भ में, मुंबई-हो ची मिन्ह सिटी (वियतनाम) जैसे कुछ मार्गों पर 30 दिन की अग्रिम खरीद तिथि (एपीडी) के आधार पर छह प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि देखी गई है, जबकि मुंबई-फुकेट जैसे अन्य मार्गों पर 47 प्रतिशत तक की वार्षिक वृद्धि देखी गई है। दूसरी ओर, मुंबई-लंदन मार्ग पर प्रस्थान के लिए हवाई किराये में सालाना 46 प्रतिशत की गिरावट आई है। नई दिल्ली-हो ची मिन्ह सिटी मार्ग पर हवाई किराये में 18 प्रतिशत की गिरावट आई है। एकतरफा हवाई किराये की गणना 24 दिसंबर, 2023-एक जनवरी, 2024 के प्रस्थान के लिए और 24 दिसंबर, 2024-एक जनवरी, 2025 के प्रस्थान के लिए की गई है। आंकड़ों के अनुसार, घरेलू स्तर पर हवाई किराये (एकतरफा) के मामले में, दिल्ली-हैदराबाद (प्रस्थान) जैसे मार्गों पर 30 दिन की एपीडी आधार पर पिछले साल की तुलना में 17 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि बेंगलुरू-लखनऊ और पुणे-नई दिल्ली मार्गों पर यह वृद्धि मात्र तीन प्रतिशत रही है।

हमारी फिल्म इंडस्ट्री अनाथ है, इसे गाइडेंस की जरूरत

मुंबई,(एजेंसी)। बॉलीवुड इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री कंगना रनौत, एजेंडा आजतक 2024 में आईं। कंगना ने जून 2024 में भाजपा से हिमाचल प्रदेश के मंडी से लोकसभा सीट जीती थी। कंगना अब फिल्मों से ज्यादा जनता के लिए काम कर रही हैं। कंगना ने पीएम मोदी के बॉलीवुड सेलेब्स से मिलने और उनसे बातचीत पर अपनी राय रखी। कंगना ने कहा कि मुझे लगता है कि हमारी जो फिल्म इंडस्ट्री है, इसे गाइडेंस की जरूरत है। ये सॉफ्ट पावर है और ये अंडरयूटिलाइज्ड है। आज पीएम मोदी या हमारे और भी मार्गदर्शक हो या फिर इन्फॉर्मेशन ब्रॉडकास्ट मिनिस्ट्री हो या और भी कार्यक्रम हों, मैं भी 20 सालों से इंडस्ट्री का हिस्सा हूं। मुझे लगता है कि ये इंडस्ट्री एकदम अनाथ टाइप है, क्योंकि उनके पास गाइडेंस नहीं है। चाहे वह जिहादी एजेंडाज हों, चाहे फिलिस्तीनी एजेंडा हों, उन्हें कोई भी कैप्चर कर लेता है। उनका कोई मार्गदर्शन है ही नहीं, उन्हें पता ही नहीं कि कहां जाना है। थोड़े पैसे दिए, उनसे कहीं भी कुछ भी बुलवा लिया। उनको दाऊद ले जाता है अपनी पार्टियों में। उनको कई बार हवाला-ड्रग्स के निशाने में आ जाते हैं। काफी वल्नरेबल हैं। उनको दयित्व देना। उनका मिलना उनको भी लगे कि हां, हमें पीएम मिलते हैं। हमारा काम देखते हैं। हमारे बारे में सोचते हैं। वहां पर इस तरह की बातें नहीं होतीं। उनका लगता है कि हम कुछ भी करेंगे। हम लोग जाकर, गैंगस्टर्स की पार्टियों में डांस करेंगे। उनको लगता है कि हम लोगों को कोई नहीं देख रहा है। ये बहुत अच्छा स्टेप है कि वह मेन स्ट्रीम को देख रहे हैं। हम लोगों को बाकियों की इंडस्ट्री की तरह ट्रीटमेंट नहीं मिलता है। हम लोग कितनी फिल्में बनाते हैं, कितना रेवन्यू जेनरेट करते हैं। फैक्ट की बात पर आऊं तो मैं पीएम मोदी से मिलने की गुजारिश की है। उम्मीद करती हूं कि एक दिन वो बुलाएंगे और मैं उनसे मिलूंगी।

पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी जारी, पंजाब, दिल्ली और यूपी में शीतलहर का कहर

नई दिल्ली,(एजेंसी)। पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी जारी है। इसका असर मैदानी इलाकों में दिखाई देने लगा है। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और यूपी में शीतलहर चल रही है। दिल्ली में शुक्रवार को पारा न्यूनतम 4.2 डिग्री पहुंच गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि उत्तर भारत में शीतलहर जारी रहेगी। ठंड और बढ़ सकती है। वहीं तमिलनाडु, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में बारिश का अलर्ट जारी किया है। दिल्ली में पारा लगातार गिर रहा है। अनुमान के मुताबिक शनिवार को मौसम और ज्यादा ठंडा रहेगा और पारा 4 डिग्री तक लुढ़क सकता है। गुरुवार को बीते तीन साल में दिसंबर का सबसे ठंडा दिन रहा था। इसके अलावा सुबह-सुबह कोहरे की चादर भी बिछी रही। दिल्ली और एनसीआर में

गुनगुनी धूप से लोगों को दिन में राहत मिल सकती है। मौसम विभाग का कहना है कि उत्तर भारत में शीतलहर चलती रहेगी। इसके अलावा बिहार, यूपी, झारखंड और मध्य प्रदेश में भी शीतलहर का प्रकोप रहेगा। लोगों को ठंड से सतर्क रहने की सलाह दी गई है। उधर पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी जारी है। कश्मीर के पुलवामा, बारामूला, अनंतनाग, बांदीपोरा में बर्फबारी दर्ज की गई। इसके अलावा जोजिला दर्रा, शिमला, मसूरी में भी हल्की बर्फबारी हुई। बर्फबारी से लेह-श्रीनगर मार्ग बंद कर दिया गया है। राजस्थान में भी कड़ाके की ठंड पड़ रही है। सीकर जिले में रात का तापमान 0.1 डिग्री पहुंच गया। वहीं कई जगहों पर रात का तापमान जमाव बिंदु तक पहुंच गया। हरियाणा में शनिवार को तापमान 2 डिग्री तक नीचे जा सकता है। चंडीगढ़ में न्यूनतम तापमान 4 डिग्री तक जा सकता है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और पश्चिमी यूपी में पाला पड़ने की भी संभावना है। स्काईमेट के मुताबिक दक्षिण के राज्यों में अगले 24 घंटे के दौरान बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक के कुछ जिलों में हल्की बारिश हो सकती है। इसके अलावा आंध्र प्रदेश, लक्षद्वीप और अंडमान-नीकोबार में भी हल्की बारिश हो सकती है।

ओपन एआई की पोल खोलने वाले बालाजी को करना पड़ी आत्महत्या?

सैन फ्रांसिस्को(एजेंसी)। चार साल तक ओपनएआई के लिए शानदार काम कर चुके और चैट जीपीटी के डेवलपमेंट में बड़ी भूमिका निभा चुके सुचिर बालाजी दुनिया भर की नजरों में उस समय आए थे जब उन्होंने ओपन एआई पर कई आरोप लगाए थे। सुचिर का कहना था कि चैट जीपीटी बनाने के लिए बिना अनुमति के पत्रकारों, लेखकों, प्रोग्रामरों आदि के भी कॉपीराइटेड मटीरियल का इस्तेमाल किया गया है जिसका सीधा असर कई बिजनेसों और कारोबारों पर पड़ेगा। इसके बाद उन्होंने आत्महत्या कर इस दुनिया को अलविदा कह दिया। उनकी नॉलेज और गवाही से ओपनएआई के खिलाफ चल रहे कानूनी मामलों में बड़ा असर पड़ सकता था।महज 26 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा

कहने पर मजबूर हुए सुचिर की यह तस्वीर लिंक्डन प्रोफाइल से है। बालाजी वह शख्स थे जिन्होंने एआई में योगदान तो दिया ही था बल्कि इस कंपनी में गलत परंपराओं ओर हरकतों को लेकर मजबूत आवाज उठाई थी। माना जा रहा था कि ओपनएआई के खिलाफ चल रहे कानूनी मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कभी एआई के लिए काम करने वाले बालाजी ने दावा किया था कि ओपनएआई के काम करने के तरीके खतरनाक थे क्योंकि उन्होंने कथित तौर पर एआई मॉडल को ट्रेनिंग देने के लिए बिना अनुमति के कॉपीराइट सामग्री इस्तेमाल की। बालाजी ने बार बार एआई के नैतिक असर के बारे में चिंता व्यक्त कर रहे थे जो उनके अनुसार इंटरनेट के समूचे इकोसिस्टम को नुकसान पहुंचा सकता है।

पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी की तबीयत बिगड़ी

नई दिल्ली(एजेंसी)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी की तबीयत एक बार फिर बिगड़ी गई है। उन्हे दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों के अनुसार, फिलहाल उनकी स्थिति स्थिर है, और अस्पताल प्रशासन जल्द ही उनका मेडिकल बुलेटिन जारी कर सकता है। लालकृष्ण आडवाणी की उम्र 97 वर्ष है और हाल के महीनों में उनकी सेहत में गिरावट आई है। पिछले 4-5 महीनों में उन्हें कई बार अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। इससे पहले अगस्त 2024 में भी उनकी तबीयत बिगड़ी थी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया था। आडवाणी का स्वास्थ्य अचानक बिगड़ने के कारण उनके समर्थक और पार्टी कार्यकर्ता उनके जल्द ठीक होने की कामना कर रहे हैं।

अगर जांच नहीं हुई तो संस्थाओं और व्यक्तियों का पतन निश्चित है : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली (एजेंसी) : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने लोकतंत्र के विकास के लिए अभिव्यक्ति और संवाद के महत्व को रेखांकित करते हुए शनिवार को कहा कि अगर जांच नहीं होगी तो संस्थाएं और व्यक्ति पतित हो जाएंगे। उन्होंने कहा, ..ऑडिट, स्व-ऑडिट बहुत महत्वपूर्ण है। किसी व्यक्ति या संस्था का पतन करने का सबसे पक्का तरीका है, उसे या सज्जन या सज्जन महिला को जांच से दूर रखना। आप जांच से परे हैं, आपका पतन सुनिश्चित है। और इसलिए, स्व-ऑडिट, स्वयं से परे ऑडिट, आवश्यक है। संसद के ऊपरी सदन राज्यसभा के सभापति के रूप में अपनी भूमिका में कथित रूप से पक्षपातपूर्ण होने के कारण विपक्षी दलों की ओर से अविश्वास प्रस्ताव के नोटिस का सामना कर रहे धनखड़ यहां भारतीय डाक एवं दूरसंचार लेखा और वित्त सेवा (आईपीएंडटीएएफएस) के 50वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में बोल रहे थे।

डाक विभाग जल्द ही डिजिटल हो जाएगा : ज्योतिरादित्य सिंधिया

नई दिल्ली (एजेंसी) : केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार को कहा कि डाक विभाग डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जाने के लिए व्यावसायिक प्रक्रिया पुनर्गठन की प्रक्रिया से गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि डाक सेवा ही जन सेवा है भारतीय डाक एवं दूरसंचार लेखा एवं वित्त सेवा के 50वें स्थापना दिवस के अवसर पर बोलते हुए मंत्री ने कहा कि यह बदलाव ई-कॉमर्स विकास के संदर्भ में विशेष रूप से प्रासंगिक है, जिससे विभाग इस उभरते हुए व्यवसाय क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा सकेगा। उन्होंने कहा, हमारा विभाग डिजिटल होने जा रहा है। हमारा विभाग व्यवसाय प्रक्रिया पुनर्गठन की प्रक्रिया से गुजर रहा है, जहां हम आने वाले दिनों में खुद को एक लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन में बदल लेंगे, जहां हमें ई-कॉमर्स के मामले में बढ़ते नए व्यवसाय के साथ दुनिया में अग्रणी बनना होगा।

केंद्र नहीं दे रहा वायनाड को विशेष पैकेज, प्रियंका गांधी व विपक्षी सांसदों ने किया विरोध प्रदर्शन

वायनाड,(एजेंसी)। वायनाड सांसद प्रियंका गांधी समेत केरल के विपक्षी सांसदों ने शनिवार को वित्तीय मांग को लेकर संसद के मकर द्वार पर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रियंका ने कहा कि केंद्र सरकार वायनाड को विशेष पैकेज देने से इनकार कर रही है। हमने गृहमंत्री से अनुरोध किया है, हमने पीएम को लिखा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में भी इस तरह बड़े पैमाने पर तबाही देखी गई है और वहां कांग्रेस की सरकार है। वे केंद्र से मदद मांग रहे हैं और फिर भी दोनों मामलों में केंद्र सरकार राजनीति के कारण पीड़ितों को उनका हक नहीं दे रही है। प्रियंका

गांधी ने कहा कि वे भारत के नागरिक हैं। प्राकृतिक आपदाओं के दौरान कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। केरल आपदा के बाद के हालात से निपटने के लिए केंद्र से मदद मांग रहा है। राज्य को एक चुनौती का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि रक्षा मंत्रालय ने राज्य से हेलीकॉप्टर बचाव कार्यों और अन्य सेवाओं के लिए भुगतान करने को कहा है। इससे पहले बाढ़ से अस्त-व्यस्त हो चुके केरल के वायनाड को लेकर गृह मंत्री से प्रियंका गांधी ने मुलाकात की थी। प्रियंका ने कहा कि उन्होंने पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को ज्ञापन दिया है। वायनाड में में तबाही खत्म हो गई है। जो लोग प्रभावित हुए हैं उन्होंने अपना सब कुछ खो दिया है। ऐसे में अगर केंद्र कोई कदम नहीं उठा सकता तो इससे पूरे देश और खासकर पीड़ितों में बहुत बुरा संदेश जाएगा। पीएम ने दौरा कर पीड़ितों से मुलाकात की थी। इसके बाद जब मैं पीड़ितों से मिली तो उन्होंने उम्मीद जताई कि शायद उन्हें कुछ राहत मिलेगी। प्रियंका ने गृहमंत्री अमित शाह से वायनाड के लिए 2221 करोड़ का रिलीफ फंड जारी करने की मांग की है। उन्होंने आगे कहा कि अब चार महीने बीत चुके हैं और वह राहत नहीं मिल रही है।

रिजिजू ने लोकसभा में कहा: कांग्रेस ने अंबेडकर को उनका हक नहीं दिया

नई दिल्ली (एजेंसी) : केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को कांग्रेस पर बीआर अंबेडकर को उनका हक न देने का आरोप लगाया। उन्होंने विपक्ष के इस दावे पर सवाल उठाया कि अल्पसंख्यकों को उनके अधिकारों से वंचित किया जा रहा है। संविधान को अपनाए जाने के 75 वर्ष पूरे होने पर लोकसभा में चल रही बहस में हस्तक्षेप करते हुए संसदीय कार्य मंत्री ने आगाह किया कि हमारे शब्दों और कार्यों से विश्व मंच पर देश की छवि खराब नहीं होनी चाहिए। रिजिजू निचले सदन में बहस के दूसरे दिन पहले वक्ता थे।

खास खबरे

पुल निर्माण को लेकर लिया गया मिट्टी का सैंपल

दैनिक बिहार पत्रिका/ समस्तीपुर

मोहिउद्दीन नगर प्रखंड अंतर्गत करीमनगर पंचायत के मोगलचक एवं बहादुर चक के बीच वाया नदी पर पुल निर्माण को लेकर आरडब्लूडी विभाग के एस-डीओ मोहमद सैनी एवं मिट्टी जांच की मिगो कम्पनी के विक्रम कुमार ने आकर डीपीआर की प्रक्रिया के लिए कार्य को प्रारम्भ किया है,पुल निर्माण की प्रक्रिया प्रारम्भ होने से क्षेत्र के लोगों मे खुशी की लहर है इस मौके पर अरविन्द रजक,सोनू दास,अजय राय,राजेंद्र राय,दिलीप कुमार ,गुलाब रजक आदि उपस्थित थे।

ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत, परिजनों का रो-रो बुरा हाल

दैनिक बिहार पत्रिका/खगड़िया

बरौनी- कटिहार रेलखंड के महेशखूंट केबिन ढ़ाला 25सी के पास शनिवार की सुबह ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक स्थानीय सरकारी बस स्टैंड निवासी मिथुन पासवान बताया जा रहा है। वहीं घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे मिथुन पासवान के परिजन इलाज के लिए अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार युवक के सिर में गंभीर रूप से चोट लगने के कारण उसकी मृत्यु हो गई। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि सुबह महेशखूंट से खगड़िया जा रही डीएमयू ट्रेन की ठोकर लगने से युवक की मौत हो गई। मृतक के परिजन ने बताया युवक की मौत रेलवे ट्रैक किनारे अचानक गिरने से हो गई। घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक के बूढ़े पिता ने बताया अब मेरे बुढ़ापे और उसके चार बच्चे का भरण पोषण कौन करेगा? इधर, महेशखूंट जीआरपी थानाध्यक्ष धनंजय कुमार ने बताया मामले की छानबीन की जा रही है।

स्मैक पीने के आरोप में गोगरी पुलिस ने दो युवक को किया गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका/खगड़िया

जिले के गोगरी थाने की पुलिस ने जमालपुर माली टोला स्थिर रानी पोखर के पास से संदिग्ध अवस्था मे गिरफ्तार किया। जिसे पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत भेजा गया। गोगरी थाना के दरोगा सिंटू कुमार ने बताया कि शुक्रवार की रात्रि गश्ती के दौरान जमालपुर रानी पोखर के पास दो युवक को संदिग्ध अवस्था मे देखा गया। वहीं पुलिस को अपने पास आता देख दोनो भागने लगे। सशत्र बल के सहयोग से दोनो युवक को पकड़ कर थाना लाया। पूछताछ में अपना नाम चंदन कुमार एवं दूसरा युवक आकाश कुमार बताया। इधर, गोगरी थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि दोनो युवक स्मैक पिया हुआ था। दोनों को स्मैक पीने के आरोप में कार्रवाई कर न्यायिक हिरासत भेजा गया।

श्री राम जानकी महायज्ञ को लेकर समारोह पूर्वक किया गया भूमि पूजन

दैनिक बिहार पत्रिका

फुल्लीडुमर/बांका। प्रखंड क्षेत्र के भितिया पंचायत अंतर्गत एकचट्टी गांव के झरना पहाड़ी पर दिनांक 16 जनवरी 2025 से दिनांक 24 जनवरी 2025 तक आयोजित किये जा रहे श्री राम जानकी महायज्ञ को लेकर शुक्रवार की देर शाम को समारोह पूर्वक विद्वान पंडितों के वैदिक मंत्र उच्चारण के द्वारा समारोह पूर्वक भूमि पूजन कर ध्वजारोहण किया गया। श्री श्री 108 झरना माता प्राण प्रतिष्ठात्मक सह राम जानकी महायज्ञ को लेकर भुमि पूजन एवं ध्वजारोहण कार्यक्रम परम पूज्य आचार्य जयदेव जी महाराज के द्वारा किया गया। भूमि पूजन एवं ध्वजारोहण कार्यक्रम के मौके पर एकचट्टी, दूधीझरना, बनरझोंप, गुरुरायडीह, मचना सहित अन्य गांव के दर्जनों श्रद्धालु भक्तजन उपस्थित थे। वहीं आचार्य जयदेव जी महाराज ने बताया कि यज्ञ शुरू होने से पूर्व झरना माता की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी तत्पश्चात यज्ञ का शुभारंभ किया जाएगा। यज्ञ पंडाल में कथा वाचिका किशोरी गौरी प्रिया जी, वाराणसी से यज्ञ आचार्य अजय पांडे जी एवं रासलीला संचालक वृंदावन के स्वामी लक्ष्मण जी को भी आमंत्रित किया गया है। वहीं यज्ञ को सफल बनाने में यज्ञ आयोजन कर्ता सरयुग पंडित, मणिलाल यादव, प्रदीप यादव, मनोज यादव, हरीश यादव, शैलेश यादव, राजेश राय,सत्यम उर्फ गोलू कुमार सहित आसपास के दर्जनों गांव के युवाओं द्वारा सक्रिय सहयोग किया जा रहा है।

30 दिसंबर तक राशन कार्ड में अंकित लाभुकों का ई केवाईसी नहीं हुआ, तो राशन मिलना होगा बंद : प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी

दैनिक बिहार पत्रिका

फुल्लीडुमर/बांका। प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी फुल्लीडुमर नवीन कुमार के नेतृत्व में प्रखंड क्षेत्र के सभी पंचायतों के जन वितरण प्रणाली के दुकानदारों द्वारा राशन कार्ड में अंकित लाभुकों का आधार सीडींग का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। वहीं इसकी जानकारी देते हुए प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी नवीन कुमार ने बताया कि 30 दिसंबर 2024 तक राशन कार्ड में अंकित लाभुक अपना-अपना ई केवाईसी अपने निकटतम पीडीएस दुकान पर जाकर निश्चित रूप से कर लें। जो लाभुक 30 दिसंबर तक ई केवाईसी नहीं कराएगे तो वैसे लाभुकों का नाम राशन कार्ड से हटा दिया जाएगा। साथ ही उन्हें राशन मिलना बंद हो जाएगा। जानकारी के अनुसार प्रखंड में लगभग 80% राशन कार्ड में अंकित लाभुकों का ई केवाईसी का कार्य किया जा चुका है। शेष 20% लाभुक यदि 30 दिसंबर तक ई केवाईसी नहीं कराएंगे तो वैसे लाभुकों का नाम राशन कार्ड से हटकर मिलने वाले लाभ से वंचित कर दिया जाएगा।

प्लस टू प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय में सेंटफ टेस्ट एग्जाम किया घोषित

दैनिक बिहार पत्रिका

चांदन/बांका। बिहार इंटरमीडिएट एवं मैट्रिक सेंटफ टेस्ट परीक्षा परिणाम कि घोषणा शनिवार 14 दिसंबर को प्लस टू प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय भैरोगंज परिसर में प्रधानाध्यापक अशोक कुमार यादव के नेतृत्व में विशेष आयोजन कर मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट सेंटफ टेस्ट एग्जाम का रिजल्ट जारी किया गया। तथा उच्च श्रेणी प्राप्त करने वाले बच्चों के बीच एफ एल एन कीट देकर बच्चों को उज्जवल भविष्य का कामना किए। इस संदर्भ में विद्यालय के प्रधानाध्यापक अशोक कुमार यादव ने बताया कि मैट्रिक टेस्ट परीक्षा में 344 बच्चों ने फॉर्म भरकर एग्जाम दिया जिसमें 126 बच्चों ने फर्स्ट डिवीजन से पास किया , और इंटरमीडिएट विज्ञान टेस्ट परीक्षा में 79 बच्चों में 50 बच्चों ने प्रथम श्रेणी प्राप्त किया इस प्रकार इंटरमीडिएट कला आर्स टेस्ट एग्जाम में 148 बच्चों में 50 बच्चों ने प्रथम श्रेणी हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। सर्वप्रथम इस आयोजन के मध्यांतर में बच्चों ने उपस्थित सभी शिक्षक शिक्षिकाओं को स्वागत गान से सम्मानित किए। इस मौके विद्यालय परिवार ने सभी सफल विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य का शुभकामनाएं दिए। विद्यालय से उच्च श्रेणी प्राप्त करने वाले बच्चों ने भी खुशी का इजहार करते हुए गुरु का चरण स्पर्श किया। उच्च श्रेणी हासिल करने विद्यार्थी में नेहा कुमारी 319, अनिल रजक 315 देवेंद्र यादव 315 मनोज शाह 315,अरविंद यादव 316, दिनेश कुमार यादव 314, बबलू कुमार यादव 314, मेरी हंसदा 314, सीता कुमारी हेंब्रम 314, नागेन्द्र कुमार 314, वीरेंद्र दास 312 छोटेलाल बेसरा 307 बैजनाथ यादव 305 बीरबल कुमार राय 305 उपेंद्र यादव 303 रामविलास पासवान 301, इसी तरह साइंस में अभिषेक कुमार 335 रितेश कुमार 334 दुलारी कुमारी 330 सिकंदर मुर्मू 328 रंजन कुमार 327 अर्चना कुमारी 327 मुन्ना कुमार 325 अरुण कुमार यादव 325 अमित कुमार 325 राज किशोर कुमार 325 राकेश किसको 321 आदि बच्चों ने सेंटफ टेस्ट एग्जाम में प्रथम श्रेणी प्राप्त किया। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक अशोक कुमार यादव, संजय कुमार मिश्रा, अशोक द्विवेदी, योगेश कुमार विकास, सुनील कुमार, राजेश कुमार, शिक्षिका सविता कुमारी, प्रतिभा पाठक, नित्या पांडेय सहित इंटरमीडिएट के दर्जनों सफल छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

किसान चौपाल में किसाने से जुड़े योजना की दी गई विस्तृत जानकारी

दैनिक बिहार पत्रिका/मधेपुरा

जिले के ग्वालपाड़ा प्रखंड कृषि कार्यालय ग्वालपाड़ा के सभाकक्ष में रवि किसान चौपाल का आयोजन शनिवार को किया गया ! प्रखंड कृषि पदाधिकारी ग्वालपाड़ा के द्वारा रवि फसल से संबंधित रवी वित्तीय वर्ष 2024 25 के विभिन्न विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी कृषिपदाधिकारी ने दिया मौके पर श्री बबलू कुमार , संतोष कुमार कृषि सम्यक के द्वारा कृषि आंत्रीकरण योजना की जानकारी दी गई साथ ही साथ कृषि यंत्रीकरण योजनाओं में मैन्युअल इंप्लीमेंट कुदाल, खुरपी , कचिया इत्यादि का भी ऑनलाइन व्यवस्थाओं पर विशेष जोर दिया ताकि लाभुकों को ससमय योजना का जानकारी व लाभ मिल सके वही विस्तृत जानकारी देते हुए विकास कुमार सिंह एटीम के द्वारा आत्मा योजना की जानकारी विस्तृत रूप से दी गई मौके पर मौजूद किसान चक्रधारी यादव ,रमोली यादव, अरुण कुमार ,सोनू कुमार किशोर कुमार ,पवन कुमार साह कृषि सलाहकार रविंद्र यादव समेत दर्जनों किसान उपस्थित थे !

गस्ती के दौरान पुलिस ने देशी कट्टा व जिंदा कारतूस के साथ एक बदमाश को दबोचा

दैनिक बिहार पत्रिका/रामरूप राय

समस्तीपुर । जिलें के दलसिंहसराय थाना के पुलिस अवर निरिक्षक रजीत कुमार सिंह एवं अन्य पुलिस पदाधिकारी तथा कर्मी विशेष छापामारी में प्रस्थान किये थे। उसी दौरान 29 नम्बर रेलवे गुमटी तथा 30 नम्बर रेलवे गुमटी के बीच ग्राम अजनौल की ओर से एक मोटरसाईकिल पर तीन संदिग्ध व्यक्ति सवार होकर आ रहे थे। जिसे पुलिस पार्टी के द्वारा रूकने का इशारा किया गया ।तो मोटरसाईकिल रूका,जिसमें से पिछे बैठा व्यक्ति मनीष कुमार पिता अमित कुमार चौधरी साकिन ढेपुरा वार्ड नं0-28 अन्दर नगर परिषद दलसिंहसराय उतर गया। फिर मोटरसाईकिल पर बैठे दोनों व्यक्ति मोटरसाईकिल को तेजी से चलाकर दलसिंहसराय की ओर भाग गया तथा शेष बचा मोटरसाईकिल से उत्तरा व्यक्ति मनीष कुमार भी भागने का प्रयास करने लगा ।जिसे पुलिस बल के द्वारा पकड़ लिया गया। पुलिस बल के द्वारा उक्त पकडाये व्यक्ति मनीष कुमार का तलाशी लेने पर उस व्यक्ति के पास एक लोडेड देशी पिस्टल एवं दो जिन्दा कारतूस खोसा हुआ बरामद हुआ। जिसे पुलिस के द्वारा विधिवत जप्त किया गया है ।साथ ही पकड़ाये व्यक्ति मनीष कुमार से पुलिस के द्वारा कड़ाई से पूछताछ करने पर मनीष कुमार के द्वारा बताया गया की 06.दिसंबर की रात्रि में छिनतई का प्रयास में ग्राम कमरौंव निवासी चंदन कुमार को गोली मारकर जख्मी कर देने की घटना जिसको लेकर दलसिंहसराय थाना कांड सं0-380/24 दर्ज किया गया था में अपना तथा अपने 04 साथियों की संलिप्तता स्वीकार किया गया है।

पदाधिकारी आपसी सहयोग और समन्वय से करें कार्य : डीडीसी

दैनिक बिहार पत्रिका/वैशाली

उप विकास आयुक्त कुंदन कुमार ने शनिवार को समाहरणालय सभाकक्ष में जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक की। उन्होंने कहा कि किसी भी मुद्दे को रखने और उसके निराकरण के लिए अंतर विभागीय समन्वय जरूरी है। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं की जानकारी जन- जन तक पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया के उपयोग की भी सलाह दी। कहा कि सभी पदाधिकारी जिला प्रशासन, वैशाली के फेसबुक पेज पर विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी के लिए फेसबुक लाइव पर निश्चित रूप से आए। जिला जन संपर्क कार्यालय द्वारा इसका रोस्टर तैयार कर पदाधिकारियों के बीच सकुर्लेट कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि एक निर्धारित फॉर्मेट में पीपीटी के माध्यम से समीक्षा की जाए। कहा कि सभी पदाधिकारी रिपोर्ट में एकरूपता रखें। स्टेट के रिपोर्ट तथा जिला के रिपोर्ट में समरूपता हो। डीडीसी ने कहा कि जन शिकायत, सीपी ग्राम, सीएम डैशबोर्ड से लंबित सभी मामलों को शीघ्र निष्पादित करें। उन्होंने पदाधिकारी को कहा कि वे कार्यों को निर्धारित समय से पहले डिस्पोजल करने की परंपरा स्थापित करें। सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यक्रमों की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाई जाए, ताकि लोग इसका लाभ उठा सके। उन्होंने कहा कि सभी विभागीय पदाधिकारी आपसी समन्वय और सहयोग से कार्य करें, ताकि योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके।बैठक में जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी राखी केसरी, सिविल सर्जन डॉक्टर श्याम नंदन प्रसाद, जिला शिक्षा पदाधिकारी बीरेंद्र नारायण, जिला सूचना एवं जन संपर्क पदाधिकारी नीरज सहित जिला स्तरीय पदाधिकारी मौजूद रहे।

विशेष ग्राम सभा बैठक में ग्राम पंचायत डेवलपमेंट प्रोग्राम (2025-26) की रूपरेखा तैयार

दैनिक बिहार पत्रिका

चांदन/बांका। प्रखंड के दक्षिणी बारने पंचायत भवन परिसर में पंचायती राज विभाग पटना के आदेशानुसार शनिवार 14 दिसंबर को ग्राम पंचायत दक्षिणी वारने में ग्राम पंचायत डेवलपमेंट प्रोग्राम (GPDP) 2025-26 के तहत क्रियान्वयन योजना से संबंधित विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता मुखिया तुलसी रजक द्वारा की गई। बैठक में पंचायत सचिव कल्याण कुमार सिंह ने भारत सरकार द्वारा प्रदान की गई पंद्रहवें वित्त आयोग निधि और राज्य सरकार द्वारा प्राप्त षष्ठम राज्य वित्त आयोग निधि से संचालित की जाने वाली योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही उन्होंने आरपीएस से संबंधित सेवाओं पर भी चर्चा की गई इस बैठक में टीबी अलर्ट इंडिया के प्रतिनिधि श्री धीरज कुमार मिश्रा ने भाग लिया। और टीबी जैसी खतरनाक बीमारी से बचाव के उपाय, जांच और उपचार के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने सुझाव दिया कि स्वास्थ्य जांच और जागरूकता के लिए शिविर का आयोजन किया जाए ताकि ग्रामीणों को इस बीमारी के प्रति जागरूक किया जा सके। और समय पर जांच कराई जा सके। इसके अतिरिक्त, बैठक में लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान से जुड़े सभी स्वच्छता कर्मियों और पर्यवेक्षकों को निर्देशित किया गया कि वे सभी वार्डों में स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाएं। स्वच्छता से संबंधित विभिन्न कार्यों की समीक्षा भी की गई ।ग्राम पंचायत की इस महत्वपूर्ण बैठक में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। और प्रस्तावित योजनाओं पर सहमति व्यक्त की। यह बैठक ग्राम पंचायत के विकास और ग्रामीणों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मौके पर डाटा एंट्री ऑपरेटर अभिषेक कुमार वार्ड सदस्य महेंद्र बासकी,शिकंदर दास, सहित ग्रामीण मौजूद थे।

गरीब असहाय के लिए चांदन बीडीओ व प्रमुख ने किया ब्लड डोनेट

दैनिक बिहार पत्रिका/बांका

चांदन। जिला पदाधिकारी बांका अंशुल कुमार के निर्देश पर शनिवार 14 दिसंबर को समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चांदन परिसर में प्रभारी चिकित्सक डॉक्टर आशिष कुमार के नेतृत्व में ब्लड डोनेशन शिविर आयोजित कर जरुरत मंद मरीजों के लिए आधा दर्जन लोगों का एक एक उनीट ब्लड लिया गया। इस ब्लड डोनेशन कैंप में लोग बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। ब्लड डोनेशन कैंप में चांदन बीडीओ अजेश कुमार व प्रखंड प्रमुख रवीश कुमार सहित अस्पताल कर्मी आशीष कुमार मिश्रा, जीएनएम रूपम कुमारी, डॉ दिनकर झा, एवं यादराम जाटव ने ब्लड डोनेट कर पुन्य का भागी बने। इस संदर्भ में चांदन अस्पताल प्रभारी चिकित्सक डॉक्टर आशिष कुमार ने बताया कि जिला के सदर अस्पताल बांका में बहुत ऐसे मरीज आते हैं,जिसे ब्लड कि आवश्यकता पड़ती है। लेकिन कुछ गरीब और असहाय परिवार के लोग ब्लड के आभाव में दम तोड़ देते हैं। कारण समय पर ब्लड उपलब्ध नहीं हो पाता है। जिला प्रशासन व अस्पताल द्वारा रक्त की कमी के कारण किसी मरीज की मौत ना हो, उसके लिए निरंतर रूप से रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है। बावजूद ब्लड बैंक की कमी पाई जाती है। बता दें कि रक्तदान को लेकर लोगों में मिथ्या भ्रम पैदा करते हैं कि रक्तदान करने से कमजोरी होती है। जिसके कारण ज्यादा लोग ब्लड डोनेट करने से कतराते हैं। इसका प्रमुख कारण है लोगों में जागरूकता की कमी। लेकिन मैं लोगों को बताना चाहता हूं की, लोग निसंकोच होकर ब्लड डोनेट करें, रक्तदान महादान होता है। रक्त का कोई सब्स्टीट्यूट नहीं है। ब्लड डोनेट करने से शरीर में कमजोरी नहीं होती है। बल्कि ब्लड डोनेट करने से आपकी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। और आपको बीमार होने की संभावना कम करती है। इसलिए एक स्वस्थ व्यक्ति को 3 महीने में कम से कम एक बार निश्चित रूप से ब्लड डोनेट करना चाहिए। इसलिए समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चांदन में ब्लड डोनेशन कैंप आयोजित किया गया, जिसमें कुल छः लोगों एक एक उनीट ब्लड डोनेट किया है। सभी एकत्रित ब्लड को सुरक्षित जिला अस्पताल भेज दिया जाएगा। इस मौके पर प्रभारी चिकित्सक डॉक्टर आशिष कुमार, बीसीएम संजय कुमार, प्रखंड प्रसार प्रशिक्षक संजय कुमार, बीडीओ अजेश कुमार, प्रखंड प्रमुख रवीश कुमार, लैंब टेक्नीशियन ममता कुमारी सहित अस्पताल कर्मी मौजूद थे।

जीपी डीपी के तहत ग्राम सभा आयोजित कर अरसे से चल रही रोड कि मांग पर बनी सहमति

दैनिक बिहार पत्रिका

चांदन/बांका। प्रखंड के ग्राम पंचायत असोढ़ा पंचायत भवन परिसर में शनिवार 14 दिसंबर को पंचायती राज विभाग पटना के आदेशानुसार ग्राम पंचायत डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत (GPDP) 2025-26 के रुप रेखा तैयार करने के संबंध में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता असोढ़ा पंचायत के मुखिया मोना सिंह द्वारा की गई। इस अवसर पर पंचायत सचिव युगल किशोर यादव ने इस अवसर पर भारत सरकार द्वारा प्रदान की गई पंद्रहवें वित्त आयोग निधि और राज्य सरकार द्वारा प्राप्त षष्ठम राज्य वित्त आयोग निधि से संचालित की जाने वाली योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही उन्होंने आरपीएस से संबंधित सेवाओं पर भी चर्चा की। इस्के अतिरिक्त, बैठक में लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान से जुड़े सभी स्वच्छता कर्मियों और पर्यवेक्षकों को निर्देशित किया गया कि वे सभी वार्डों में स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाएं। स्वच्छता से संबंधित विभिन्न कार्यों की समीक्षा भी की गई। ग्राम पंचायत की इस महत्वपूर्ण बैठक में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। और प्रस्तावित योजनाओं पर सहमति व्यक्त की। साथ ही इस बैठक में खासकर जीरो पहरी गांव निवासी द्वारा अरसे से चली आ रही रोड कि मांग पर मुखिया मोना सिंह ने शिघ्र रोड बनवाने का अश्वासन दिये। साथ ही असुढ़ा पंचायत में सरकार भवन, वार्ड नंबर 7 में खेल मैदान निर्माण करने का प्रस्ताव लिया गया। बैठक में शौचालय योजना में धांधली कर राशि गवन करने के मामले में विस्तृत चर्चा किया और चिन्हित कुर्मी के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्णय लिया ।मौके पर शंभूगंज के पूर्व प्रमुख सुमन सिंह, पंचायत सेवक बबलू कुमार राय, प्रखंड एलएसबीए कन्हैया कुमार, डाटा एंट्री ऑपरेटर प्रकाश कुमार बरनवाल, उप मुखिया सुनीता टुडू,वार्ड सदस्य मोहम्मद मुर्तजा अंसारी, भोला यादव, मकसूद अंसारी ,आदि ग्रामीण मौजूद थे।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

दैनिक बिहार पत्रिका/ वैशाली

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार वैशाली के तत्वावधान में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन शनिवार को सिविल कोर्ट परिसर हाजीपुर में किया गया। शिविर का उद्घाटन जिला एवं सत्र न्यायाधीश वैशाली सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार वैशाली ओम प्रकाश सिंह , प्रभारी जिला पदाधिकारी वैशाली विनोद कुमार सिंह, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश जीवनलाल, गौरव कमल ने संयुक्त रूप से किया। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए जिला जज ने कहा कि हम सभी का दायित्व है कि समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति को कानून का लाभ दिलाया जाए। इस हेतु व्यापक जन जागरूकता सभी स्तरों पर की जाए, ताकि न्यायालय पर से मुकदमों का बोझ कम किया जा सके तथा लोगों को त्वरित न्याय दिया जा सके। न्याय पाना लोगों का अधिकार है तथा समय पर लोगों को न्याय मिले यह सुनिश्चित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि लोक अदालत द्वारा मुकदमों के निष्पादन से मुकदमों का अंतिम समाधान होता है तथा समाज में अमन, चैन एवं भाईचारा का माहौल काम होता है। इस अवसर पर प्रभारी जिला पदाधिकारी वैशाली श्री विनोद कुमार सिंह ने कहा कि आप सभी अपने मुकदमों का निष्पादन शिविर के माध्यम से कराये। उन्होंने कहा कि आप सभी अपने मुकदमों का निष्पादन कराकर तथा इसका व्यापक प्रचार प्रसार करें। ताकि दूसरे लोग भी इसका लाभ ले सकें। शिविर में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश जीवन लाल एवं गौरव कमल ने लोगों से सुलह समझौता के आधार पर मुकदमों के निष्पादन करने की अपील की। कार्यक्रम में बार एसोसिएशन के अध्यक्ष शिवाकांत झा ने सभी अधिवक्ताओं से अपील की है कि लोक अदालत हेतु व्यापक प्रचार प्रसार करें तथा शिविर के माध्यम से अधिक से अधिक मुकदमा के निष्पादन में सहयोग करें कार्यक्रम का संचालन स्वर्गीय कन्हाई शुक्ला सामाजिक सेवा संस्थान के सचिव सुधीर कुमार शुक्ला ने किया। कार्यक्रम में आगत अतिथियों का स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापन अवर न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार वैशाली रितु कुमारी ने किया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि शिविर में कुल 27020 मामलों को निस्तारण हेतु रखा गया है। जिसमें 19229 पूर्व विवाद वाद तथा 7791 न्यायालय में लंबित मामलों को रखा गया है। उक्त आशय की जानकारी देते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव रितु कुमारी ने बताया कि शिविर के द्वारा कुल 2934 मामले का निस्तारण किया गया तथा 9 करोड़ 31 लाख 42 हजार 69 रुपए की राशि का सेटलमेंट किया गया। मामलों का निष्पादन हेतु कल 23 बेंच बनाए गए थे।

खास खबरे

बूढ़ी गंडक नदी में डूबने से 70 वर्षीय बुजुर्ग की मौत, परिजन में मचा कोहराम

दैनिक बिहार पत्रिका

बेगूसराय। जिले नावकोठी थाना क्षेत्र अंतर्गत डफरपुर पंचायत के टेकनपुरा बूढ़ी गंडक नदी में डूबने से एक बुजुर्ग की मौत हो गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार स्व० रामस्वरूप सहनी के पुत्र 70 वर्षीय राजपति सहनी टेकनपुरा निवासी नदी में मछली मारने का कार्य करते थे। बूढ़ी गंडक नदी में नाव भासने लगा जिसे पकड़ने के दौरान पैर फिसलने से गहरे पानी में चले जाने के कारण डूब गए।स्थानीय लोगों ने लाश को निकालने का प्रयास किया लेकिन असफल रहा।घटना शुक्रवार देर संध्या की है।शनिवार को हसनपुर बागर के स्थानीय गोताखोरों ने लाश निकालने का काफी प्रयास किया।वही प्रखंड विकास पदाधिकारी चिरंजीव पांडे के द्वारा एनडीआरएफ की टीम मंगवाई गई। एनडीआरएफ की टीम शव को निकालने के लिए हाथ-पैर मार रही है। न्यूज प्रेषण तक सफलता हाथ नहीं लगी थी।डूबे हुए बुजुर्ग भाई में अकेले थे।उन्हें दो लड़का एवं तीन लड़की है जो शादीशुदा है।मौके पर बखरी विधायक सूर्यकांत पासवान,बीडीयो चिरंजीव पांडे,प्रभारी थानाध्यक्ष अरविंद शुक्ला,राजस्व कर्मचारी संजीव कुमार,मुखिया प्रतिनिधि इं रंजीत कुमार पमपम,पूर्व मुखिया महेंद्र महतो,चंद्रभूषण चौधरी, ऋतुराज कुमार उर्फ छोटे,रामाधार सहनी, प्रवीण कुमार गुड्डू,अमर शंकर सिंह आदि गंडक नदी किनारे घटना स्थल पर मौजूद थे। पूरे परिजन में प्रणाम मचा हुआ है मृतक के घर में उनके बेटा बेटी करोड़ के बुरा हाल है वहीं प्रशासन के द्वारा मुआवजे की भी मांग किया गया है।

कोसी नदी पर निमार्णाधीन पुल का विधायक ने किया निरीक्षण

दैनिक बिहार पत्रिका

सहरसा ।जिले के पूर्वी कोसी तटबंध के खजूरदेवा चौक से डेंगराही घाट के बीच कोसी नदी पर 2680 मीटर लंबा 414 करोड़ 74 लाख की लागत से निमार्णाधीन पुल का सिमरी बख्तियारपुर विधायक युसूफ सलाहउद्दीन ने निरीक्षण किया पुल निर्माण साईट पर मौजूद रचना कंस्ट्रक्शन कंपनी के सीनियर प्रोजेक्ट इंजीनियर कमलकांत, प्रोजेक्ट डायरेक्टर कामता प्रसाद व उज्जवल राज से विधायक ने निर्माण कार्य की जानकारी ली विधायक ने बताया कि डेगराही घाट पर पुल निर्णन मेरा ड्रीम प्रोजेक्ट रहा है, जिसका निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। जिसको लेकर नदी के दोनों साईट पर प्लांट लगाया गया है। पुल निर्माण 36 महीने में पूरा करना है। हालांकि सात महीने बीत चुके हैं। कंपनी ने निर्धारित समय के अंदर कार्य पूरा कर लेने का आश्वासन दिया है। वर्षो से अलग-थलग पड़े फरकिया क्षेत्र में इस पुल का निर्माण हो जाने से कोसी इलाके में विकास होगा। इस पुल से सलखुआ, सिमरी बख्तियारपुर ही नही सहरसा के लोगों को भी खगड़िया जिला मुख्यालय आने-जाने का सुलभ रास्ता उपलब्ध हो जायेगा। सहरसा से खगड़िया की दूरी जो अभी 85 किमी है वो घटकर 50 किमी रह जायेगी। रचना कंस्ट्रक्शन कंपनी के सीनियर प्रोजेक्ट इंजीनियर कमलकांत ने बताया कि नदी में पानी आ जाने के कारण निर्माण कार्य में विलंब हुआ है। लेकिन तय सीमा में निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। निरीक्षण में पहुंचे विधायक यूसुफ सलाउद्दीन का स्थानीय लोगों ने फूलमाला पहनाकर स्वागत किया।

वार्ड में 42 स्टैंड पोस्ट के लिए निविदा पर कोई सकारात्मक सफलता अब तक नहीं : कोमल भारती

कोमल भारती
मुख्य पार्षद
नगर पंचायत, बौंसी

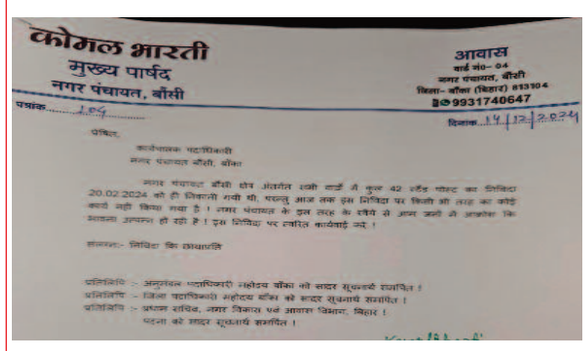

आवास
वार्ड नं०- 04
नगर पंचायत, बौंसी
जिला- बाँका (बिहार) 813104
9931740647

पत्रांक 104
दिनांक 14/12/2024

प्रेषित,
कार्यपालक पदाधिकारी
नगर पंचायत बौंसी, बाँका

नगर पंचायत बौंसी क्षेत्र अंतर्गत सभी वार्डों में कुल 42 स्टैंड पोस्ट का निविदा 20.02.2024 को ही निकाली गयी थी, परन्तु आज तक इस निविदा पर किसी भी तरह का कोई कार्य नहीं किया गया है ! नगर पंचायत के इस तरह के रवैये से आम जनों में आक्रोश कि अवस्था उत्पन्न हो रही है ! इस निविदा पर त्वरित कार्यवाई करें !

संलग्न:- निविदा कि छायाप्रति

प्रतिलिपि :- अनुमंडल पदाधिकारी महोदय बाँका को सादर सूचनार्थ समर्पित !
प्रतिलिपि :- जिला पदाधिकारी महोदय बाँका को सादर सूचनार्थ समर्पित !
प्रतिलिपि :- प्रधान सचिव, नगर विकास एवं आवास विभाग, बिहार ! पटना को सादर सूचनार्थ समर्पित !

दैनिक बिहार पत्रिका

बौंसी/बांका। नगर पंचायत में स्टैंड पोस्ट के लिए फरवरी में ही वार्ड में 42 स्टैंड पोस्ट के लिए निविदा निकाली गई थी। जिसको लेकर विभिन्न वार्ड में इस पर कोई सकारात्मक सफलता अब तक नहीं मिली है। जिस पर कोई आगे कार्य भी नहीं किया गया जिससे हम लोग भी नाराज है। इस विषय से नाराज मुख्य पार्षद कोमल भारती ने कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत को खत लिखकर इसे अवगत कराया है जिसकी प्रति जिलाधिकारी सहित अन्य विभाग के अधिकारियों को भी दी गई है। पत्र के द्वारा इस पर अभिलंब जन सुविधा को ध्यान में रखते हुए कार्रवाई की मांग की गई है।

आरपीएफ खगड़िया ने अलग-अलग मामलों में 11 को किया गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। रेलवे परिसर में शनिवार को निरीक्षक प्रभारी अरविंद कुमार राम के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक उमाशंकर सिंह, आरक्षी विक्रम कुमार आजाद, आरक्षी अर्जुन कुमार एवं आरक्षी प्रमोद कुमार के द्वारा चेकिंग अभियान चलाकर स्टेशन परिसर से 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया। जिसमें की चार व्यक्तियों को स्टेशन परिसर में अनाधिकृत रूप से प्रवेश करने के जुर्म में जबकि साथ व्यक्तियों को रेल परिक्षेत्र में अनाधिकृत रूप से पार्किंग के जुर्म में गिरफ्तार किया गया। सभी गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध आरपीएफ खगड़िया में मामला दर्ज कर माननीय रेलवे न्यायालय खगड़िया में पेश किया गया। बताते चले कि आरपीएफ खगड़िया के द्वारा आए दिन कार्रवाई की जाती है इसके बावजूद लोग अपनी आदतों से बाज नहीं आते हैं।

तेज रफ्तार पिकअप बिजली के खंभे से टकराया ,सड़क किनारे कई दुकानें क्षतिग्रस्त

दैनिक बिहार पत्रिका

भागलपुर। शहर के पटल बाबू रोड घंटाघर चौक स्थित एक तेज रफ्तार पिकअप बिजली के खंभे से टकराने के बाद बेकाबू हो गई जिसके बाद सड़क किनारे कई दवाई दुकान को क्षतिग्रस्त कर दिया। बिजली के खम्बे टूट गए जिससे की मुख्य सड़क पर हाई टेंशन तार गिर गया। घंटाघर से स्टेशन चौक जाने वाली मुख्य सड़क पर यातायात बाधित हो गई है। घटना के बाद पिकअप चालक गाड़ी छोड़कर फरार हो गया है। गनीमत रही कि जिस समय यह पिक का बेकाबू हुआ उसे समय सड़क पर ट्रैफिक नहीं थी नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था।

अवैध बालू लदे एक ट्रैक्टर को किया गया जप्त

दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। समाहर्ता, बांका, एवं पुलिस अधीक्षक, बांका के निर्देश पर दिनांक 13.12.2024 को बांका जिला अंतर्गत अमरपुर थानाक्षेत्र मे चानन नदी के मादाचक, पतवे भोरवा, लौसा, भदौरिया इत्यादि प्रतिबंधित बालूघाटो पर जिला खनन पदाधिकारी, बांका, खान निरीक्षक, बांका एवं अमरपुर थाना द्वारा संयुक्त छापेमारी करते हुए अवैध बालू लदे एक ट्रैक्टर को जप्त कर प्राथमिकी अंकित करायी गयी है। जिला अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 मे माह अप्रैल 2024 से माह दिसंबर 2024 के अधतन तिथि तक जिला अंतर्गत अवैध खनन/ परिवहन/भण्डारण पर कुल 652 छापमारी करते हुए कुल 180 प्राथमिकी दर्ज की गयी है, 315 वाहन जप्त की गयी है एवं दंड मद मे कुल 3.3 करोड़ रुपए राजस्व की वसूली की गयी है।

बिहार में हर हाल में रूल आफ लॉ लागू होगा - DGP विनय कुमार

दैनिक बिहार पत्रिका

पटना। बिहार में रूल आफ लॉ लागू होगा और कुख्यात अपराधियों के खिलाफ फिर से स्पीड ट्रायल को तेज किया जाएगा, ये बातें बिहार के नए पुलिस महानिदेशक(DGP)विनय कुमार ने पदभार लेने के बाद मीडिया कर्मियों से कहीं। शुक्रवार को सरकार के गृह विभाग द्वारा तबादले की अधिसूचना जारी किए जाने के बाद शनिवार की शाम 1991 बच के IPS अधिकारी विनय कुमार ने निवर्तमान पुलिस महानिदेशक आलोक राज से उऋद्ध का प्रभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के बाद पुराने और नए दोनों डी जी पी ने मीडिया कर्मियों से बातचीत की। पुरानी पुराने डीजीपी आलोक राज ने एक और जहां अपने 105 दिनों के कार्यकाल की उपलब्धियां का ब्योरा दिया और सरकार को इतने दिनों तक डीजीपी की जिम्मेदारी देने के लिए धन्यवाद दिया। वहीं दूसरे ओर र नए डीजीपी ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए अपने सख्त तेवर दिखाते हुए अपराधियों के खिलाफ हल्ला बोला और कहा कि बिहार में ₹रूल आफ लॉ₹ को बरकरार रखना उनका पहला उद्देश्य हो गया। डीजीपी विनय कुमार ने कहा कि अपराधियों की चतुर्दिक घेराबंदी होगी ।अपराधियों के खिलाफ₹ स्पीडी ट्रायल₹ फिर शुरू होगा। अपराधियों द्वारा अपराध के माध्यम से अर्जित संपत्तियों को जप्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शराब माफियाओं और नशीले पदार्थों के तस्करों की संपत्ति को जप्त करने का अधिकार पहले जहां पुलिस के आर्थिक अपराध कोषांग को था वहीं अब यह अधिकार स्थानीय थाना को भी मिलेगा। आर्म्स एक्ट के मामले में भी पुलिस सख्त और कारगर कार्रवाई करेगी। विनय कुमार ने कहा कि रूल ऑफ ला को स्थापित करने के लिए पुलिस को जो भी नियम ,पद , और अधिनियम है उन सभी को सशक्त रूप से लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुराने केसों का भी अनुसंधान युद्ध स्तर पर होगा और अनुसंधान के मामले में जो भी पुलिस पदाधिकारी सुस्त और पस्त पाए जाएंगे उन्हें सेवा से बर्खास्त कर दिया जाएगा ।डीजीपी विनय कुमार ने कहा कि विधि व्यवस्था से जुड़े आपराधिक मामलों में की भी समीक्षा होगी और जो भी अपराधी इसमें दोषी पाए जाएंगे उसे कीमत किसी भी कीमत पर छोड़ नहीं जाएगा ।यह डीजीपी ने कहा कि उनका उद्देश्य होगा कि पुलिस विजिबल रहे और इसके लिए रोड पेट्रोलियम ,नाइट, पेट्रोलिंग और इवनिंग पेट्रोलिंग को सशक्त तौर पर लागू किया जाएगा.पुलिस के वरीय पदाधिकारी को भी अब सड़क पर रहना होगा और आम जनता को पुलिस पर भरोसा रह सके इसके लिए ₹पुलिस इज पब्लिक पब्लिक इज पुलिस₹ को चरितार्थ किया जाएगा।

प्रखंड स्तरीय पाक कला प्रतियोगिता का हुआ आयोजन,सम्मानित किए गए रसोईया

दैनिक बिहार पत्रिका

समस्तीपुर। जिले के मोहिउद्दीन नगर प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिवैसिहपुर में रसोईया का प्रखंड स्तरीय पाक कला प्रतियोगिता शनिवार को सम्पन्न हो गया ल जिसमे दर्जनों विद्यालय से दो दो रसोईया ने भाग ली ' सभी प्रतिभागी रसोईया को तीन समूह में बांटा गया' प्रत्येक समूह में 10-10 रसोईया को रखा गया है ' समूह क, ख एवं ग में क्रमशः शुक्रवार का मेनू पोलाव व चना का छोला, शनिवार का मेनू सब्जी युक्त खिचड़ी, एवं मंगलवार का मेनू जीरा राइस एवं आलू सोयाबीन का सब्जी बनाने के लिए नामित किया गया' जिसमे निर्णायक मंडल द्वारा समुग क को प्रथम समूह ख को द्वितीय तथा समूह ग को तृतीय पुरस्कार दिया गया ' निर्णायक मंडल में एमडीएम पदाधिकारी हरेराम मिश्र, डीडीओ मधुकर कुमार, पूर्व मुखिया मनोज तिवारी, एचएम मेघन सहनी के अलावे वर्ग 6 व 8 के छात्र सुहानी, सरिता, अभिलाषा, स्नेहा, साक्षी, लक्ष्मी, अन्नू, शानू को शामिल किया गया था ' मुख्य अतिथियो द्वारा प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाले समूह को क्रमशः 2000, 1500 एवं 1000 रुपए का नकद पुरस्कार दिया गया '

प्रशांत किशोर का तेजस्वी यादव पर पलटवार, बोले - जन सुराज बिहार की जनता की इ टीम है, बिहार में भाजपा का कोई वजूद ही नहीं है

दैनिक बिहार पत्रिका

पटना। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने उन सभी लोगों को करारा जवाब दिया जो जन सुराज या उन्हें किसी न किसी दल का बी टीम कहते हैं। उन्होंने कहा कि राजद के लोग हमें भाजपा की बी टीम कहते हैं, जबकि भाजपा को पिछले विधानसभा चुनाव में मात्र 19 प्रतिशत वोट ही मिले हैं। बिहार में भाजपा का अपना कोई वजूद नहीं हैं, तभी तो उन्होंने केवल 42 सीटें जीतने वाले नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बना रखा है जबकि हाल ही के दिनों में भाजपा दूसरे राज्यों में दलों को तोड़ कर अपनी सरकार बनाने के लिए जानी जाती है। बी टीम उसका बना जाता है जो मजबूत होती है और बिहार में तो भाजपा खुद ही कमजोर है। भाजपा का यहाँ पर न तो कोई नेता है और न ही उनकी बिहार के लिए कोई नीति है। जबकि भाजपा के नेता हमें राजद की बी टीम कहते हैं। ये दोनों पार्टियां हमें बी टीम कह रही हैं क्योंकि दोनों ही बिहार में मुफ्त वोट लेने के आदी हैं। उन्होंने कहा जन सुराज जनता की बी टीम है। उन्होंने भाजपा और कांग्रेस दोनों पर आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ सांसदों के लिए बिहार में पहले लालू के समय जंगल राज को और अब नीतीश के समय अफसर राज को दोनों ही दलों ने पनपने दिया। क्या उन्हें नहीं पता की बिहार देश का सबसे गरीब राज्य है, क्या उन्हें नहीं पता बिहार में पलायन सबसे बड़ी समस्या है? उन्होंने अपनी सरकार बचाने के लिए बिहार को लालू और नीतीश के हवाले छोड़ दिया। बिहार की बदहाली के लिए सीधे तौर पर लालू और नीतीश जिम्मेदार है। लेकिन आज जो बिहार की दुर्दसा है उसके गुनाहगार भाजपा और कांग्रेस हैं।

थप्पड़ मारने वाले पटना DM के खिलाफ मानवाधिकार आयोग में शिकायत

दैनिक बिहार पत्रिका

पटना। डीएम थप्पड़कांड की गूंज दिल्ली तक सुनाई पड़ रही है। शुक्रवार को बीपीएससी प्रीलिम्स परीक्षा के दौरान डीएम चंद्रशेखर सिंह ने एक अभ्यर्थी को थप्पड़ मारा था। इस मामले में अधिवक्ता ब्रजेश सिंह ने डीएम के खिलाफ राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (ठलफ्ठ) में शिकायत दर्ज करायी है। ब्रजेश सिंह सुप्रीम कोर्ट में अधिवक्ता हैं. उन्होंने आयोग से शिकायत की है कि ह्लएक आईएएस से इस तरह की घटना उम्मीद नहीं की जा सकती। डीएम चंद्रशेखर ने छात्रों के साथ गाली-गलौज की और एक छात्र को थप्पड़ से मारा। यह घटना डीएम का कुख्यात व्यवहार दशार्ता है। अधिवक्ता ने इस मामले में आयोग से कार्रवाई की मांग की है। थप्पड़कांड पर डीएम चंद्रशेखर ने कहा कि किसी परीक्षार्थी को थप्पड़ मारने की मंशा नहीं थी। उन्होंने कहा कि केंद्राधीक्षक राम इकबाल सिंह को हार्ट अटैक आया था। उन्हें अस्पताल ले जाना था, इसी दौरान छात्र प्रदर्शन करने लगे, जिससे यातायात बाधित हो गया था। छात्रों को शांत करने के लिए हल्का बल का प्रयोग किया गया था। दरअसल, शुक्रवार को परीक्षा के दौरान कुम्हरार स्थित बापू परीक्षा केंद्र पर छात्रों ने प्रदर्शन किया। छात्रों का आरोप था कि प्रश्न पत्र समय से नहीं पहुंचा था। इसी को लेकर कुछ छात्र परीक्षा का बहिष्कार कर केंद्र से बाहर आ गए और प्रदर्शन करने लगे। इसी दौरान केंद्राधीक्षक को हार्ट अटैक आ गया था। छात्रों के प्रदर्शन की सूचना पर डीएम चंद्रशेखर पहुंचे थे। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें दिख रहा है कि डीएम छात्रों को शांत करने का प्रयास कर रहे हैं। इसी दौरान एक छात्र को थप्पड़ मारते हैं। इसके बाद उस छात्र को पुलिस साथ ले गयी। दूसरी ओर इस मामले में अगमकुआं थाने में ब्लॉक कोऑपरेटिव अफसर ने सरकारी काम में बाधा पहुंचाने सहित सड़क जाम कर हंगामा करने को लेकर 60 अज्ञात लोगों पर मामला दर्ज कराया है। अधिकारी ने कहा कि ह्लसुनियोजित ढंग से अफवाह फैलाकर पूरी व्यवस्था को भंग करने वालों को चिन्हित कर सख्त कार्यवाई की जाएगी।

एनएसएस बना रहा विश्वविद्यालय का राष्ट्रीय पहचान : कुलपति

दैनिक बिहार पत्रिका

भागलपुर। राष्ट्रीय सेवा योजना तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय के लिए एक बार फिर गौरव का क्षण आया है। टी एन बी महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक आनंद कुमार का चयन आगामी 26 जनवरी 2025 के रिपब्लिक डे पैरेड में हुआ है। जिसके लिए आनंद कुमार को एक माह के लिए नई दिल्ली में ट्रेनिंग के लिए जाना होगा। बिहार राज्य से दो स्वयंसेवकों का चयन हुआ है। जिसमें भागलपुर से आनंद कुमार का चयन हुआ और दूसरा स्वयंसेवक बेगूसराय से चयनित हुआ है। आनंद कुमार दामोदरपुर के निवासी प्रवीण कुमार और संध्या भारती के पुत्र हैं। वह टी एन बी महाविद्यालय के बीएससी पार्ट थर्ड के भौतिक शास्त्र विभाग का छात्र है। आनंद की सफलता से संपूर्ण महाविद्यालय हर्षोल्लास से पूर्ण है और कुलपति ने भी एन एस एस समन्वयक और कार्यक्रम पदाधिकारी के साथ मिलकर आनंद को शुभकामनाएं दी। कुलपति ने एन एस एस के समन्वयक डॉ राहुल कुमार और महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ अजीत कुमार, डॉ चंदन कुमार और डॉ स्वेता पाठक को ढेरों शुभकामनाएं दी और और कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय पहचान को बनाने का कार्य कर रहा है साथ ही उन्होंने निरंतर श्रेष्ठ कार्य करने को कहा।

सीमेंट फैक्ट्री मे मजदूर के मौत के बाद तोड़फोड़ मामले मे 6 को पुलिस ने दबोचा

दैनिक बिहार पत्रिका

समस्तीपुर ! जिलें के बंगरा थाना क्षेत्र स्थित अल्ट्राटेक सिमेंट फैक्ट्री में कार्य करने वाले मजदुर सूर्यकांत कुमार उम्र करीब 20 वर्ष पिता-भोला राम ग्राम-चचेरिया कला थाना-हैदर नगर जिला-पलामू (झारखण्ड) को रात्रि में ट्रिपलर लोडिंग के दौरान फैक्ट्री के अंदर ट्रक से जख्मी होकर मृत्यु हो गयी। फैक्ट्री में कार्य करने वाले मृतक के परिजन एवं ग्रामीण शव को फैक्ट्री के मुख्य गेट पर रखकर विरोध प्रदर्शन एवं मुआवजे की मांग करने लगे। इसी बीच मुआवजे को लेकर उग्र होकर प्रदर्शन कर रहे लोग उत्तेजित होकर फैक्ट्री के कार्यालय का शीशा, सीसीटीवी कैमरा एवं अन्य को तोड़फोड़ कर छतिग्रस्त कर दिया गया था जिससे फैक्ट्री के 10-15 कर्मी जख्मी हुए एव 50 लाख का नुकसान हुआ। फैक्ट्री में तोड़ फोड़ करने वाले असामाजिक तत्वों के बिरुद्ध बंगरा थाना कांड स0-153/24, दि०-13.12.2024 दर्ज कर सभी विन्दुओं पर अनुसंधान किया जा रहा है। घटना की सूचना प्राप्त होते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंचकर उग्र लोगों को समझाने बुझाने लगी। लेकिन उपद्रवी लोगों द्वारा पुलिस के कार्यों में बाँधा उत्पन्न कर पुलिस टीम पर जान लेवा हमला करते हुए पथराव किया गया, जिसमें लगभग 10-15 पुलिस कर्मी जख्मी हुए है। जिनका इलाज कराया जा रहा है। दुर्घटना में मृत मजदुर सूर्यकांत कुमार के शव का अन्त्य परीक्षण सदर अस्पताल समस्तीपुर से कराकर शव को मृतक के परिजन को सौंपा गया है। मृतक मजदुर की मृत्यु के संबंध में बंगरा थाना कांड सं0-152/24, दि0-13.12.2024 दर्ज कर सभी विन्दुओं पर गहराई से अनुसंधान किया जा रहा है। पुलिस टीम पर हमला करने वाले उपद्रवियों के विरूद्ध बंगरा थाना कांड सं0-154/24, दि0-13.12.2024 दर्ज कर त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तारी की कारवाई की गई है। गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से कांड स0-153/24 का प्रर्दश जप्ती सूची के अनुसार फैक्ट्री से चुराई गई समान की बरामदगी भी की गई है।गिरफ्तार अपराधकर्मी मो० गुलाब, उम्र 39 वर्ष, पिता मो० इसाहक 2-रंजन कुमार, उम्र-30 वर्ष, पिता-श्री रामबाबु राय 3 मो० रोजिद. उम्र 20 वर्ष, पिता मो० सज्जाद 4-राहुल कुमार, उम्र 22 वर्ष, पिता-दिनेश महतो 5-चन्द्रदीप साह उर्फ छोटू उर्फ खतरा, उम्र-21 वर्ष, सभी सा०-रहीमाबाद टोला मुर्गियाचक 6-संतोष कुमार उम्र 23 वर्ष, पिता-रामजतन पासवान सा० गौसपुर सरसौना सभी थाना-बंगरा, जिला-समस्तीपुर बताया जाता है ! पुलिस के द्वारा बरामद सामान 1-लेनेवो कंपनी का एक लैपटॉप 2-लैपटॉप का चार्जर 3-एक काला रंग का ऊ छक्व्ठ लिखा हुआ हार्ड डिस्क 4-एक उज्ला रंग का रडढलडर लिखा हुआ हार्ड डिस्क 5-एक केवल (सभी तोड़फोड़ करते हुए चुराई गयी फैक्ट्री की सम्पति) छापेमारी दल में शामिल पुलिस पदाधिकारी,मनीषा कुमारी, थानाध्यक्ष बंगरा,प्रिति कुमारी, अपर थानाध्यक्ष बंगरा,रागअवधेश सिंह,अफताब अहमद खॉ एवं वैनी थाना के पुलिस बल शामिल थे

बहला फुसलाकर कर औरत बेचने के मामले में दो गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका / रेशु रंजन पसराहा/खगड़िया ।थाना क्षेत्र अंतर्गत सोनडीहा गांव से बीते दिन दो बच्चो की मां को बेचने की नियत से अपहरण करने के मामले में एक पुरुष और एक महिला को गिरफ्तार किया गया। मिली जानकारी के मुताबिक पीड़ित की सास व दो सहयोगी की मिलीभगत से लड़की को लेकर राजस्थान बेचने की नियत से ले जाया गया था। किसी कारण बस लड़की को लेकर वापस सुल्तांगज आ गया। जहां रानी कुमारी को किसी लड़के से तीसरी शादी करा दिया गया। बताते चलें कि सोनडीहा निवाशी पीड़ित शंभू तांती की पत्नी रानी कुमारी को एक पुत्र है। शंभू तांती के साथ चार साल वैवाहिक जीवन बिता रही थी। सोनडीहा वार्ड 19 निवाशी शंभू तांती ने पसराहा थाना में आवेदन देकर आरोप लगाते हुए कहा है कि बीते दिन मेरी पत्नी रानी कुमारी और बेटा ऋषव कुमार दोनो घर से गायब था। अपने स्तर से बहुत खोजबीन किया। उसी दौरान पता चला

कि मेरी सास सुगनी देवी व बाबू चकला निवाशी स्व सहदेव सिंह के पुत्र मुरारी सिंह, बबिता देवी पति मुरारी सिंह तीनो मिलकर मेरी पत्नी एवं बेटा को लेकर भाग गया था। वहीं पीड़ित शंभू तांती ने बताया कि सभी मिलकर लगता है। मेरी पत्नी को बहला फुसलाकर कहीं बेच दिया है। थानाध्यक्ष संजय कुमार विश्वास ने बताया कि बहला फुसला कर औरत बेचने कांड के दो अभियुक्त की गिरफ्तारी हुई है ।पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया है।

कटोरिया विधायक ने पदाधिकारियों के साथ की प्रखंड स्तरीय समीक्षात्मक बैठक

दैनिक बिहार पत्रिका

बौंसी/बांका। प्रखंड मुख्यालय स्थित प्रखंड सभागार में कटोरिया विधायक निक्की हेम्ब्रम शनिवार को पदाधिकारियों के साथ एक समीक्षात्मक बैठक की। बैठक में प्रखंड स्तरीय सभी विभाग के कर्मी मौजूद रहे। वहीं अंचल से संबंधित सी आई मुन्ना राम ने जमीन संबंधी दाखिल खारिज, पंचायत सरकार भवन की भूमि उपलब्धता के अलावा आपदा से पीड़ित लोगों को आपदा प्रबंधन की ओर से मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी ली गई। वहीं प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी से छात्र छात्राओं को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली गई। वहीं विद्धुत विभाग के जूनियर इंजीनियर से स्मार्ट मीटर को लेकर बताया गया कि स्मार्ट मीटर से काफी लोग परेशान हैं। बताया गया कि कई उपभोक्ताओं की शिकायत है कि लाइट नहीं जलने की स्थिति में भी बिजली बिल आ रहा है। वहीं विद्धुत विभाग के जूनियर इंजीनियर के द्वारा दोनों मीटर से सम्बन्धित जानकारी विधायक को दी गई। इसके अलावा कई अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की गई। मौके पर नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी नेहा रानी, सांख्यिकी पदाधिकारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

सड़क दुर्घटना में एक बाइक सवार युवक गंभीर रूप जख्मी

दैनिक बिहार पत्रिका

बौंसी/बांका। बौंसी थाना क्षेत्र के महाराणा समीप शुक्रवार मध्य रात्रि सड़क दुर्घटना में एक बाइक सवार युवक गंभीर रूप जख्मी हो गया। जख्मी युवक की पहचान बगडुम्बा निवासी लालु यादव के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय पुलिस के द्वारा जख्मी युवक को इलाज के रेफरल अस्पताल पहुंचा गया। जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर के द्वारा जख्मी युवक का प्राथमिक उपचार कराया गया। जिसके बाद जख्मी व्यक्ति को देर रात ही बांका सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। सदर अस्पताल में शनिवार सुबह करीब 10 बजे जख्मी का एक्स-रे सहित अन्य जांच कराया गया। जिसमें उनका एक हाथ फ्रैक्चर बताया गया है। जख्मी के भाई चंदन यादव ने बताया कि उनका भाई लालू यादव रात में घर लौट रहे थे। इसी दौरान सड़क दुर्घटना में वह जख्मी हो गये। हालांकि अभी भी जख्मी युवक का इलाज सदर अस्पताल में किया जा रहा है।

खास खबरे

लोक अदालत में 11349 मामलों में से 9188 मामलों का किया गया निपटारा, कुल 8.9 करोड़ की राशि का किया गया सेटलमेंट

दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। नालसा तथा बी एल एस ए के निर्देशन में शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा लोक अदालत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश निखिलेश कुमार त्रिपाठी एवं जिला पदाधिकारी, बांका अंशुल कुमार द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला पदाधिकारी द्वारा आपने संबोधन में लोक अदालत की महत्ता बताई गई। लोक अदालत में बेंच का गठन किया गया तथा विभिन्न विभाग तथा इकाई के लंबित मामले सुलझायें गये। लोक अदालत में बीएसएनएल, विद्युत, बैंकिंग, खनिज , वन आदि से संबंधित विवाद का निपटारा किया गया। लोक अदालत में 11349 मामलों को लिया गया, जिसमें से 9188 मामलों का निपटारा किया गया। इससे कुल 8.9 करोड़ की राशि का सेटलमेंट किया गया। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार राजेश कुमार, पुलिस अधीक्षक, बांका सहित अन्य उपस्थित थे।

बैद्यनाथ प्रसाद मेमोरियल अंडर-13 स्कूल क्रिकेट टूनार्मेंट में वाईसीसी जूनियर के चंदू व अंकुश का जलवा

पटना। स्थानीय क्रिकेट एकेडमी ऑफ बिहार ग्राउंड पर चल रहे बैद्यनाथ प्रसाद मेमोरियल अंडर-13 स्कूल क्रिकेट टूनामेंट में वाईसीसी जूनियर के चंदू और अंकुश राज का जलवा रहा। इन दोनों खिलाड़ियों ने बल्ले और गेंद से कमाल दिखाते हुए अपनी टीम को टर्फ एरिना ब्लू पर 83 रन की शानदार जीत दिलाई। बैद्यनाथ प्रसाद फाउंडेशन के तत्वावधान में खेले जा रहे इस टूनामेंट में टॉस वाईसीसी जूनियर ने जीता और पहले बैटिंग करने का फैसला किया। चंदू के 49 और अंकुश राज के 35 रन की मदद से 21.4 ओवर में सभी विकेट खोकर 175 रन बनाये। जवाब में खेलने उतरी टर्फ एरिना ब्लू टीम पर चंदू और अंकुश राज का कहर बरपा और पूरी टीम 16.2 ओवर में 92 रन पर ऑल आउट हो गई। चंदू ने 8 रन देकर 5 और अंकुश राज ने 19 रन देकर 4 विकेट चटकाये। इस मैच में टर्फ एरिना के करण ने 32 रन देकर 5 विकेट झटके। विजेता टीम के चंदू को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार सुमित एंड शर्मा स्पोर्ट्स के सीएमडी सुमित शर्मा ने प्रदान किया।

राज्य सीनियर बॉल बैडमिंटन कल से मधेपुरा में

पटना। बिहार बॉल बैडमिंटन संघ के तत्वावधान में मधेपुरा जिला बॉल बैडमिंटन संघ 31वीं बिहार राज्य सीनियर बॉल बैडमिंटन चैंपियनशिप (पुरुष व महिला) का आयोजन कल से (15 दिसंबर) से कामेश्वर मध्य विद्यालय परमानंदपुर, मधेपुरा में किया जायेगा। चैंपियनशिप के सफल आयोजनार्थ मर्चेंट नेवी अधिकारी -सह- आयोजन अध्यक्ष नरेंद्र चन्द्र नवीन के देखरेख में सारी तैयारियां पूरी कर ली गयी है। इस बात की जानकारी देते हुए बिहार बॉल बैडमिंटन संघ के सचिव गौरी शंकर ने बताया कि चैंपियनशिप का उदघाटन भारतीय बॉल बैडमिंटन महासंघ के अध्यक्ष -सह- सदस्य, बिहार विधान परिषद प्रो.नवल किशोर यादव करेंगे। जबकि विशिष्ट अतिथि संघ की उपाध्यक्ष-सह- भाजपा प्रवक्ता प्रो.सुहेली मेहता, प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ.सुनील कुमार सिंह होंगे। चैंपियनशिप में भाग लेने वाली पटना जिला बॉल बैडमिंटन टीम की घोषणा कर दी गयी है। चैंपियनशिप में भाग लेने वाली पटना जिला बॉल बैडमिंटन टीम को बिहार बॉल बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष प्रो.नवल किशोर यादव, राज्य बॉल बैडमिंटन संघ के निदेशक-सह-समाजसेवी पवन केजरीवाल,पटना जिला बॉल बैडमिंटन संघ के सचिव डॉ.अरुण दयाल ने खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

छठे चरण के 5 संगठन जिलों में हुआ जदयू जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन

पटना। शनिवार को प्रदेश जनता दल यू द्वारा वैशाली, मधुबनी, पटना महानगर, सहरसा एवं शिवहर में जिलास्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। बिहार सरकार के मंत्री विजय कुमार चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, मंत्री श्रवण कुमार, बिजेंद्र प्रसाद यादव एवं ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी की अध्यक्षता में प्रत्येक टीम में पार्टी के नौ-नौ नेतागण इसमें शामिल हुए। मधुबनी में आयोजित जिलास्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह माननीय राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा मौजूद रहे। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि पार्टी के तमाम कार्यकर्ता साथी मिशन 2025-लक्ष्य 225 को सकार करने हेतु पूरी तरह से कृतसंकल्पित और समर्पित हैं। कार्यकर्ता सम्मेलनो में उमड़ रहा जनसैलाब हमारी पार्टी के लिए अच्छे संकेत है और निश्चित ही इसका सकारात्मक असर आने वाले दिनों में दिखाई देगा। साथ ही उन्होंने कहा कि निष्ठवान कार्यकर्ता हमारी सबसे बड़ी ताकत है और कार्यकताओं के बदौलत 2025 में विकास-विरोधी ताकतों को हम परास्त करेंगे।

बिहार के उत्थान में लगे हुए नीतीश कुमार ने 10 लाख 63 हजार महिलाओं का जीविका समूह बनाया : श्रवण

पटना। शनिवार को पटना महानगर जदयू कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन राम लखन सिंह यादव कॉलेज, अनिशाबाद में पटना महानगर के जिलाध्यक्ष आसिफ कमाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इसका उद्घाटन करते हुए ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पूरे बिहार के उत्थान में लगे हुए हैं 10 लाख 63 हजार महिलाओं का जीविका समूह बनाया गया है1 लाख 2 हजार महिलाओं को विशेष सहायता दी जा रही है और उनको सरकार की ओर से जीविकोपार्जन के लिए 2-2 लख रुपए की सहायता राशि दी गई है। तालाब के रख-रखाव के लिए के लिए एवं बकरी पालन के लिए आर्थिक सहायता सरकार की ओर से प्रदान की जा रही है। सरस मेला में पहली बार बिहार के महिला उद्यमियों को स्टॉल लगाने में प्राथमिकता दी गई है ताकि महिला उद्यमियों के सामानों की बिक्री हो सके।सभा को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव पूर्व मंत्री श्याम रजक ने कहा कि डॉ. बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर ने दलितों के सामाजिक आर्थिक एवं राजनीतिक उत्थान के लिए अनेकों काम किया। आजादी मिलने के उपरांत दलितों के वोट लेकर कुछ लोग सिर्फ सरकार बनाने के लिए वोट बैंक के रूप में दलितों का इस्तेमाल करती थी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने शासनकाल के 20 वर्षों में सामाजिक आर्थिक एवं राजनीतिक रूप से स्थान के लिए पंचायत में आरक्षण दिया पढ़ाई के लिए अंबेडकर छात्रावास का निर्माण कर शैक्षणिक उत्थान का कार्य किया आर्थिक उत्थान के लिए उद्यमी योजना बनाकर सशक्त बनाया। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के 20 वर्षों के शासनकाल में समाज के कमजोर वर्ग के लोगों के उत्थान के लिए अद्वितीय काम हुआ है। खासकर महिलाओं के उत्थान हेतु के लिए नीतीश कुमार ने देश स्तर पर मॉडल स्थापित किया है समाज के वंचित तबके अत्यंत पिछड़ा, दलित और महादलित के सशक्तिकरण हेतु बिहार सरकार अनेक कल्याणकारी कार्यक्रम चलाए हैं। आजादी के बाद का ीतीश कुमार का यह सर्वश्रेष्ठ कार्यकाल है। पार्टी के प्रदेश के उपाध्यक्ष सह विधान पार्षद रविंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि पार्टी की प्राथमिक इकाई पंचायत और वार्ड को सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं के साथ समाज के वंचित, पीड़ित, अनुसूचित जाति, अति पिछड़ा के सात अकलियत भाइयों के घरों एवं टोलों के बीच जाना होगा ताकि सरकार की योजनाओं का लाभ राज्य के तमाम लाभुकों को मिले आने वाले दिनों में पार्टी अपने लक्ष्य को प्राप्त करेगी जिस पार्टी की प्राथमिक इकाई संगठन जिला मजबूत हो सके। इस मौके पर मुख्य रूप से पूर्व सांसद चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी, पूर्व मंत्री जय कुमार सिंह, कहकंश परवीन, रामसेवक सिंह, ललित नारायण मंडल, अरुण मांझी, निहोरा प्रसाद यादव, अरविन्द निषाद, रणविज कुमार, डॉ धर्मेन्द्र चंद्रवंशी, जितेंद्र पटेल, धीरज कुशवाहा, अनिल कुमार सिंह, रविंद्र पटेल, शत्रुध्न पासवान, आफताब आलम, बंटी चंद्रवंशी, कमल नोपानी मौजूद रहे।

झारखंड और महाराष्ट्र की तरह बिहार की महिलाओं को मिलेगा 2500 नगद: तेजस्वी

दैनिक बिहार पत्रिका

पटना। झारखंड में मइया सम्मान योजना और महाराष्ट्र में लाडली बहन योजना से चुनाव में मिले अपार बहुमत को अब राजनीतिक दल के नेता हर राज्य में लागू करने की योजना बना रहे हैं। बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव अपने यात्रा में इस तरह की कई योजनाओं की घोषणा कर रहे हैं। यात्रा की शुरूआत में उन्होंने 2025 मैं सरकार बनने पर 200 यूनिट बिजली फ्री देने का वादा किया था और अब हुए हर महिलाओं के लिए माई-बहिन मान योजना शुरू करने का वादा कर रहे हैं। कार्यकर्ता संवाद योजना के तहत बिहार के दरभंगा पहुंचे नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव दरभंगा में मीडिया कर्मियों से बात करते हुए कहा कि बिहार में महागठबंधन की सरकार बनने पर ᷺माई-बहिन मान योजना᷻ के तहत महिलाओं के उत्थान के लिए प्रति माह 25 सौ रुपया मिलेंगे। वही उन्होंने कहा कि ᷺माई-बहिन मान योजना᷻ के तहत जो महंगाई के कारण जो गरीब महिलाये अपनी पसंद का खाना- कपड़ा नही पहन पा रही है। अपने बच्चों का इलाज नही करा पा रही है। उनके लिए इस योजना के तहत सीधे उनके खाते में 25 सौ रुपया हमलोगों की सरकार बनते ही एक महीने के भीतर देने का काम करेगी वहीं तेजस्वी ने बिहार सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि पूरे बिहार में अफसर शाही सर चढ़कर बोल रहा है। यहां के अफसर नौजवानों पर हाथ पैर जूता लाठी सब चल रहा है। इसका हम लोगों ने कड़ा विरोध किया है। वहीं उन्होंने कहा कि बिहार में सरकार नाम की कोई चीज नहीं रह गई है। मुख्यमंत्री कहां गायब हैं, कुछ पता नहीं है। अपनी यात्रा पर इतना खर्च कर रहे हैं जो आज तक बिहार के किसी मुख्यमंत्री ने खर्च नहीं किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार महिला संवाद यात्रा में 2 अरब 25 करोड़ 78 लाख खर्च करने जा रहे हैं। वही तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार के नवनिर्माण की नींव महिलाओं की समृद्धि के बिना अधूरी है। हमारा मानना है कि जब महिलाओं को नकद हस्तांतरण मिलता है तो वे अपने परिवार की भलाई में अधिक पैसा निवेश करती हैं, जैसे पूरे परिवार के लिए पौष्टिक भोजन, स्वास्थ्य सेवा, और बच्चों की शिक्षा। महिलाओं को सीधे लक्षित करके, हमारा ये कार्यक्रम घरेलू और सामुदायिक विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करता है। इन नकद हस्तांतरणों का गुणक प्रभाव महत्वपूर्ण है। महिलाओं की बेहतर आर्थिक स्थिति पूरे परिवार और समुदाय के लिए लाभदायक हैं।

बेलदौर बाजार को अतिक्रमण मुक्त करने का दिया गया निर्देश

दैनिक बिहार पत्रिका

बेलदौर/खगड़िया । सीओ अमित कुमार के उपस्थिति में नगर पंचायत एवं अंचल कार्यालय के टीम शनिवार को बेलदौर बाजार के प्रमुख अतिक्रमित सड़कों का स्थलीय निरीक्षण कर चौबीस घंटे के अंदर स्वेच्छा से इसे खाली कर देने का अनुरोध किया। जानकारी के मुताबिक सीओ अमित कुमार काली स्थान चौक से थाना चौक, पीडब्ल्यूडी सड़क शिवमंदिर चौक से पूर्वी सत्संग मंदिर तक जाने वाली सड़क के साथ पीडब्ल्यूडी सड़क मोहन भगत के घर से मछली बाजार होते हुए सत्संग भवन जाने वाली सड़क में घुम घुम कर दूकानदार एवं फूटपाथी दूकानदार के द्वारा सड़क के जमीन पर की जा रही दूकानदारी नहीं करने की सलाह दी। इसका उल्लंघन करने वाले पर कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई। सीओ के साथ नगर पंचायत के कार्यपालक अधिकारी सोनी कुमारी, चेयरपर्सन ममता कुमारी, जेई सुनील कुमार, भाजपा नेता रंजन कुमार राज, आरओ सत्यनारायण झा, अपर थाना अध्यक्ष पवन कुमार, रणवीर कुमार राजन, पीएसआई राहुल, आनंद कुमार, हल्का कर्मचारी विनोद, आलोक, सन्नी कुमार, अंचल अमीन प्रणव देव, मोनिका कुमारी के साथ ही पुलिस बल के जवान उपस्थित थे।

यू डी आई डी कार्ड बनवाने हेतु 17 से 31 दिसम्बर 2024 तक अभियान चलाने का दिया गया निर्देश

दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। अपर मुख्य सचिव, समाज कल्याण विभाग, बिहार, के द्वारा सूचित गया है कि राज्य के प्रत्येक दिव्यांगजनो को विशिष्ट पहचान पत्र᷺ यू डी आई डी कार्ड प्रदान करने के उद्देश्य से यू डी आई डी परियोजना का कार्यान्वयन दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया जा रहा है। जिसका संचालन बिहार राज्य में स्वास्थ्य विभाग एवं समाज कल्याण विभाग, बिहार सरकार के सहयोग से किया जा रहा है। यह विदित है कि केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओ को लाभ प्राप्त करने हेतु यू डी आई डी कार्ड एकल दस्तावेज के रूप में मान्य है। बांका जिला अंतर्गत कुल 43 प्रतिशत दिव्यांग जनों का यू डी आई डी कार्ड बनाया गया है जिला पदाधिकारी द्वारा शत प्रतिशत यू डी आई डी कार्ड बनवाने हेतु 17 दिसम्बर 2024 से 31 दिसम्बर 2024 तक अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है। बांका जिला अंतर्गत सभी प्रखंडों में इसके लिए शिविर का आयोजन किया जाएगा। बाँका सदर में दिनांक 17.12.2024 को सदर अस्पताल में, बाराहाट प्रखंड में दिनांक 18.12.2024 को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बाराहाट, बेलहर प्रखंड में दिनांक 19.12.2024 को सी एच सी, बेलहर में, बाँसी प्रखंड में दिनांक 20.12.2024 को आर एच, बौंसी , चांदन प्रखंड में दिनांक 21.12.2024 को सी एच सी, चांदन , धोरैया प्रखंड में दिनांक 23.12.2024 को सी एच सी, धोरैया , बाँका सदर में दिनांक 24.12.2024 को डी एच, बांका (सदर अस्पताल), फुल्लीडुमर प्रखंड में दिनांक 26.12.2024 को पी एच सी फुल्लीडुमर, कटोरिया प्रखंड में दिनांक 27.12.2024 को रेफरल अस्पताल, कटोरियां , रजौन प्रखंड में दिनांक 28.12.2024 को सी एच सी, रजौन, शंभुगंज प्रखंड में दिनांक 30.12.2024 को सी एच सी, शंभूगंज, अमरपुर प्रखंड में दिनांक 31.12.2024 को रेफरल अस्पताल, अमरपुर में आयोजित किया जाएगा। जिला पदाधिकारी, बांका द्वारा जिला वासियों से अनुरोध किया गया है कि सभी योग्य लाभुक अपना यू डी आई डी कार्ड अवश्य बनाएं और ताकि वे सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ उठा सकें। विशेष शिविर प्रमाणीकृत दिव्यांगजनों का यू डी आई डी कार्ड बनाने एवं वैसे दिव्यांगजनों जिनका अबतक प्रमाणीकरण नहीं हो पाया है उनका प्रमाणीकरण उपरांत यू डी आई डी कार्ड निर्गत किये जाने हेतु आवश्यक दस्तावेज यथा-दिव्यांगता प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड/आवासीय प्रमाण-पत्र, पहचान-पत्र, फोटो एवं उनकी विवरणी दिव्यांगजनों से प्राप्त किये जायेंगे। आवासीय एवं पहचान से संबंधित भारत सरकार/बिहार सरकार द्वारा निर्गत प्रमाण-पत्र यथा- मतदाता पहचान पत्र/ बैंक पासबुक इत्यादि अथवा किसी सक्षम प्राधिकार द्वारा निर्गत प्रमाण-पत्र मान्य होंगे।

रामपुर ग्राम कचहरी में जनता दरबार का किया गया आयोजन

दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। जिले के गोगरी प्रखंड के रामपुर ग्राम कचहरी में शनिवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता सरपंच मो० नूर आलम ने की। जनता दरबार में कुल चार मामले की सुनवाई हुई जिसमें सभी मामले में चार दिवानी मामले थे ।वही सरपंच नूर आलम ने बताया कि गोगरी थाना क्षेत्र के रामपुर निवासी दहुरी तांती के पुत्र महेश्वर तांती ने अपने परोशी श्रवण तांती, शंकर तांती, अशोक तांती, अमित कुमार,लुखो तांती के विरूद्ध खरीदगी जमीन में जबरण मकान निर्माण कार्य से संबंधित शिकायत दर्ज कराया था जिसमें दोनों पक्षों के दलीलें सुनने के बाद समझौता हेतु प्रयासरत किया गया था लेकिन वादी अनुपस्थिति रहे जिसके कारण वाद को खारिज कर दिया गया। मोहम्मद शहनवाज आलम ने अपने पिता मो० शहाब उद्दीन पर हम चारों भाईयों के रहने वाले घर को 7 लाख रुपए लेकर जरबियाना बनाकर किसी दूसरे व्यक्ति के पास बिक्री किये जाने व हिस्से बेदखल करने से संबंधित शिकायत दर्ज कराया था जिसे सुनवाई करते हुए आपसी सहमति से अगली तिथि तक समझौता करने का समय दिया गया था लेकिन शनिवार दोनों पिता पुत्र अपने अपने दावे पर अड़े रहे पिता द्वारा पुत्र से सिर्फ एक घर बनाने का प्रस्ताव दिया गया लेकिन पुत्र ने घर बनाने से इंकार कर गए जिसके कारण वाद को खारिज करते हुए सक्षम न्यायालय जाने की सलाह दी। वही रामपुर के स्वः मोहम्मद शमसुद्दीन के पुत्र मोहम्मद अब्दुल जब्बार ने अपने परोशी मोहम्मद डॉ कलाम के विरूद्ध अपने जमीन से 4 फीट छतदार छज्जी मेरे जमीन में दाबकर देने से संबंधित शिकायत दर्ज कराया था जिसे आपसी सहमति से जमीन मापी करा दिया गया और अमीन के मापी रिर्पोट के अनुसार दोनों पक्ष अपने अपने दखल कब्जा पर कायम है ।जिसे निष्पादन कर दिया गया। वही एक नये मामले आए जिसमें रामपुर वार्ड नं 04 निवासी रंजीत कुमार साह की पत्नी द्रोपती देवी ने अपने देवर दिलीप साह,गोतनी रीना देवी के विरूद्ध जमीन बंटवारा में रास्ता घेरने व शिक्षा कार्य को बंद करने से संबंधित शिकायत दर्ज कराई है। जिससे अग्रसर कार्रवाई हेतु जांच पड़ताल कर सुनवाई हेतु अगली तिथि निर्धारित की गई है ।वही सरपंच नूर आलम ने कहा कि हमारा प्रयास है कि आम जनमानस ग्राम कचहरी में न्याय हेतु एक बार जरूर पधारे ताकि थाना व वरीय न्यायालय में मुकदमा की बोझ कम पड़े ।इसके लिए मैं कांफी प्रयासरत रहते हैं ।इस मौके पर उप सरपंच आसमां खातून ग्राम कचहरी सचिव सोनी प्रियंका,न्याय मित्र प्रेमलता कुमारी,पंच,निरंजन पंडित,दीपनारायण ठाकुर, मोबिना खातून ,जयगीता देवी रूबी देवी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

औद्योगिक नव प्रवर्तन योजना अंतर्गत संचालित इकाइयों कि की गई समीक्षात्मक बैठक

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

बांका। जिला पदाधिकारी बांका अंशुल कुमार के अध्यक्षता में समाहरणालय के मिनी सभागार बांका में जिला औद्योगिक नव प्रवर्तन योजना अंतर्गत संचालित इकाइयों का समीक्षात्मक बैठक की गई। समीक्षा के क्रम में जिला पदाधिकारी द्वारा जिला औद्योगिक नव प्रवर्तन योजना अंतर्गत संचालित इकाइयों की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त किया गया। बैठक में औद्योगिक इकाइयों द्वारा उत्पादित वस्तुओं एवं उसके बाजार के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। साथ ही इकाईयों में कार्यरत कर्मियों एवं उसके वार्षिक टर्न ओवर की जानकारी ली गई। के जी एन सिल्क, सुभानपुर कटोरियां द्वारा जानकारी दी गई कि उनका वार्षिक टर्न ओवर 15 से 20 लाख है। वहीं बांका एंब्रॉयडरी के द्वारा बताया गया कि उनके यहां 25 से 30 कर्मी है तथा हमारा टर्नओवर 30 से 35 लाख है। इसके साथ-साथ वहां उपस्थित इकाइयों द्वारा भी जानकारी साझा की गई ।जिला पदाधिकारी द्वारा सभी को अपने इकाई के कार्यस्थल को स्वच्छ रखने का निर्देश दिया गया ताकि राष्ट्रीय स्तर पर उत्पाद का ब्रांडिंग हो सके ।इसके साथ-साथ उनके द्वारा उत्पादित वस्तुओं के गुणवत्ता बनाए रखने हेतु निर्देशित किया गया जिससे कि इकाई से उत्पादित वस्तुओं का राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई जा सके। बैठक में महाप्रबंधक, जिला केंद्र, बांका के साथ साथ जिला औद्योगिक नव प्रवर्तन के कलस्टर के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

19 करोड़ की लागत से शुरू की गयी अत्याधुनिक प्रयोगशाला: मंगल पांडेय

पटना। पटना के अगमकुंआ में सूबे के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने केंद्र सरकार के सहयोग से राज्य के पहले संयुक्त खाद्य एवं औषधि प्रयोगशाला में माइक्रोबायोलॉजी लैब और उच्चस्तरीय उपकरण अनुभाग का विधिवत शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में यह ऐतिहासिक कदम राज्य सरकार के उस संकल्प को साकार करता है, जिसमें बिहार के आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण, मानक स्तर के खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जेपी नड्डा जी के प्रयासों से यह राज्य का पहला और देश का 13वां लैब है। जिसमें 6 करोड़ की लागत से तीन उच्च कोटि के उपकरणों को लगाया गया है। जिनके अगले पांच वर्षों में रख रखाव और मानव बल पर 5 करोड़ खर्च होगा। यह पूरी योजना लगभग 19 करोड़ की लागत से शुरू की गई है। श्री पांडेय ने कहा कि स्वस्थ आहार ही सुरक्षित जीवन का आधार है और इसी सोच के साथ राज्य सरकार खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रही है। संयुक्त खाद्य एवं औषधि प्रयोगशाला, अगमकुआं 1980 से खाद्य पदार्थों के रासायनिक परीक्षण में सक्रिय है। अब माइक्रोबायोलॉजी लैब और आधुनिक उपकरणों के जुड़ने से यह प्रयोगशाला विश्वस्तरीय बन गई है। यह राज्य की एकमात्र एनएबीएल और भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला है। इस प्रयोगशाला में अब तीन प्रमुख प्रकार की जांच रासायनिक परीक्षण, उच्चस्तरीय उपकरणों द्वारा परीक्षण और सूक्ष्मजीवाणु परीक्षण उच्चस्तरीय उपकरणों के द्वारा किया जा रहा है। इस अत्याधुनिक लैब में खाद्य पदार्थों में पेस्टीसाइड और वसा की मात्रा जांच, एंटीबायोटिक, माइकोटॉक्सिन, और रंजकों की पहचान की जांच और भारी धातुओं (जैसे लेड, कैडमियम) की जांच हो रही है। श्री पांडेय ने कहा कि नई माइक्रोबायोलॉजी लैब की मदद से दूध, दूध उत्पाद, मांस, मछली और बोतलबंद पानी आदि की जांच की जा रही हैं। राज्य के पटना समेत सभी 9 कमिश्नरी में ऐसे और लैब खोलें जाएंगे। उन्होंने कहा कि राज्य के पांच प्रमंडलों (पटना, मगध, तिरहुत, भागलपुर और पूर्णिया) में पहले से चल रहे चलंत खाद्य प्रयोगशाला वाहन के दायरे को बढ़ाने का प्रस्ताव भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण को भेजा गया है। जल्द ही प्रत्येक जिले में इन वाहनों की तैनाती होगी, जिससे खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जाँच और सख्ती से हो सकेगी। राज्य सरकार न केवल खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में बल्कि दूषित खाद्य पदार्थों से बचाव के लिए जन-जागरूकता अभियान चलाने में भी सक्रिय है। भविष्य में राज्य के अन्य जिलों में भी नई खाद्य प्रयोगशालाओं की स्थापना की जाएगी। यह प्रयोगशाला राज्य सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जो गुणवत्तापूर्ण, शुद्ध, और पोषक खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के प्रति समर्पित है। इस कार्यक्रम के दौरान माननीय स्वास्थ्य मंत्री ने 10 फूड सेफ्टी ऑफिसर को डेस्कटॉप का भी वितरण किया। इस कार्यक्रम में श्रीमती सीता साहू, मेयर, पटना, श्री संजय सिंह, सचिव, स्वास्थ्य विभाग, डॉ. अजय प्रकाश गुप्ता, निदेशक, गुणवत्ता आश्वासन प्रभाग, एफएसएसएआई, नई दिल्ली, श्री अमिताभ सिंह, स्वास्थ्य मंत्री के आप्त सचिव, श्री सुरेन्द्र राय, विशेष कार्य पदाधिकारी, स्वास्थ्य विभाग, डॉ. ऊषा कुमारी, प्राचार्य एनएमसीएच, डॉ विनोद कुमार, अधीक्षक, एनएमसीएच के साथ अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

व्यवहार न्यायालय गोगरी में लोक अदालत का हुआ आयोजन

दैनिक बिहार पत्रिका/ रेशु रंजन

गोगरी व्यवहार न्यायालय में शनिवार को लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न मामलों से संबंधित कुल 532 मामले का निष्पादन किया गया। जिसमें 1 करोड़ 32 लाख 87 हजार 4 सौ 66 रुपए वसूली बैक ऋण भुगतान से हुआ। लोक आदालत का उद्घाटन अवर न्यायाधीश सह एसीजेएम गोगरी गौतम कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष शिवशंकर सिह, महासचिव प्रियबर्त सिह, सुबोध साह आदि मौजूद थे। इस अवसर पर अपर न्यायाधीश सह एसीजेएम गोगरी गौतम कुमार ने कहा लोक अदालत लोक कल्याणकारी राज से बना है। लोक अदालत में एक पक्ष दूसरे पक्ष से समझौता कर निपटारा किया जाता है। इसी आधार पर इस तरह कि समस्या पंचायत स्तर पर निपटारा किया जाएगा। लोक आदालत में बैंच नंबर 11 का नेतृत्व अपर न्यायाधीश सह एसीजेएम गौतम कुमार कर रहे थे। अदालत में विभिन्न मामलों को लेकर भीड़ लगी रही। इस मौके पर 532 मामले का निष्पादन किया गया। पैनल अधिवक्ता के रूप में विपिन कुमार थे। इस मौके पर न्यायिक सदस्य के रुप में सुबोध कुमार साह, अनिमेष कुमार अनल, श्रृषि कुमार पंकज, मो ईमरान, विनय कुमार पासवान, प्रमोद कुमार उपस्थित थे।

सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बांका को जोड़ा गया सात निश्चय योजना से

दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। जिला पदाधिकारी, बांका अंशुल कुमार के निदेर्शानुसार डीआरसीसी प्रबंधक रजनीश राज के द्वारा सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बांका को साथ निश्चय योजना से जोड़ा गया। प्रबंधक ने बताया कि आर्थिक हल युवाओं के बल के अंतर्गत आईटीआई करने वाले 2 साल कोर्स के बच्चे को बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड के तहत 2 लाख तक का ऋण प्रदान करती है जिसमें इलेक्ट्रीशियन, फीटर, आईसीटीएसएम एवर रेफ्रिजरेशन और एसी टेक्नीशियन जैसे कोर्स सम्मिलित है। काउंसलिंग में 200 बच्चों ने भाग लिया एवं बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड लेने के लिए तत्परता दिखाएं। काउंसलिंग के दौरान बताया गया कि बच्चों को कोर्स फीस के अलावा रहने खाने एवं किताबों का भी पैसा बहुत ही कम ब्याज दर पर दिया जाता है जो की कोर्स ड्यूरेशन में लौटने की जरूरत नहीं है। बच्चों को कोर्स के बाद भी 1 साल का समय पैसा लौटाने के लिए दिया जाता है। प्रबंधक ने औद्योगिक प्रशिक्षण कैंपस में टाटा टेक द्वारा स्थापित केंद्र का भी निरीक्षण किया जिसमें बच्चों को प्रशिक्षण दिया जाता है। टाटा टेक सेंटर में आधुनिक तरीके से प्रशिक्षण जैसे प्लंबिंग का कार्य, आधुनिक लेथ मशीन ,रोबोटिक आदि की भी जानकारी दी जाती है। आईटीआई के प्राचार्य शाश्वत एवं ग्रुप इंस्ट्रक्टर धनंजय कुमार ,गोपाल श्रीवास्तव एवं एमडी शहजाद अख्तर मौजूद थे। सिंगल विंडो ऑपरेटर डीआरसीसी मनीष कुमार भी काउंसलिंग कार्य में सम्मिलित थे।

कृषि कर्मियों एवं पदाधिकारी का एक दिवसीय डिजिटल फसल सर्वेक्षण का प्रशिक्षण किया गया आयोजित

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

बांका ।जिला कृषि कार्यालय के द्वारा आज जिले के सभी कृषि कर्मियों एवं पदाधिकारी का एक दिवसीय डिजिटल फसल सर्वेक्षण का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। बताते चलें कि डिजिटल क्रॉप सर्वे कृषि विभाग बिहार सरकार एवं भारत सरकार का एक महत्वाकांक्षी योजना है। जिसके अंतर्गत हर मौसम में उगाए जाने वाले वास्तविक फसल एवं सिंचाई संसाधन के बारे में जानकारी के लिए डिजिटल फसल सर्वेक्षण किया जाता है। पायलट प्रोजेक्ट के रूप में खरीफ इस सर्वेक्षण में सभी प्रखंडों के नगर पंचायत को छोड़कर सभी पंचायत के गांव को सम्मिलित किया गया है। जिसमें रबी मौसम में उगाए गए फसलो का प्लॉट वार डाटा एवं जियोटैग फोटो सहित भौतिक सत्यापन करते हुए किसान सलाहकार, कृषि समन्वयक, सहायक तकनीकी प्रबंधक, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक, प्रखंड उद्यान पदाधिकारी के द्वारा सर्वेक्षण का कार्य संपादित किया जाएगा। यह कार्यक्रम 45 दिनों के निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किया जाना है एवं 31 जनवरी 2025 इसकी अंतिम तिथि है। आज इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला कृषि पदाधिकारी बांका दीपक कुमार के द्वारा एवं सहायक निदेशक कृषि अभियंत्रण रजनीश रंजन के द्वारा सभी कर्मियों को सर्वेक्षण से संबंधित तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराई गई है। इस मौके पर सहायक निदेशक कृषि अभियंत्रण रजनीश रंजन, सहायक निदेशक शस्य भूमि संरक्षण स्वेता भारती, उपपरियोजना निदेशक आत्मा बांका विपुल विपलव, सहायक निदेशक उद्यान निरंजन कुणार, अनुमंडल कृषि पदाधिकारी पंकज कुमार, सहायक निदेशक प्रेषेत्र विकाश कुमार सहित जिला कृषि कार्यालय के साथ सभी कर्मी उपस्थित रहे।

ब्रिसबेन टेस्टः बारिश की भेंट चढ़ा पहले दिन का खेल, केवल 13.2 ओवर का हुआ खेल

एजेंसी, ब्रिसबेन

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत यहां खेले जा रहे तीसरे टेस्ट के पहले दिन का खेल बारिश की भेंट चढ़ गया। पहले दिन केवल 13.2 ओवर का खेल हो सका, जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने बिना किसी नुकसान के 28 रन बनाए। उस्मान ख्वाजा 19 और नाथन मेकस्विनी 4 रन बनाकर खेल रहे हैं।

इस मैच में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। मैच में केवल 5.3 ओवर फेंके गए थे, तभी बारिश शुरु हो गई, जिसके कारण 25 मिनट तक खेल रूका रहा। बारिश रूकने के बाद फिर से खेल शुरु हुआ और ख्वाजा और मेकस्विनी ने संभलकर खेलना जारी रखा, 13.2 ओवर के बाद फिर से बारिश शुरु हो गई और फिर रूकी ही नहीं, जिसके बाद मैच अधिकारियों ने दिन का खेल समाप्त घोषित कर दिया।

इस मैच के लिए भारत ने अपनी टीम में दो बदलाव किये। हर्षित राणा और रविचंद्रन अश्विन को बाहर किया गया और उनकी जगह दाएं हाथ के तेज गेंदबाज आकाश दीप और अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को शामिल

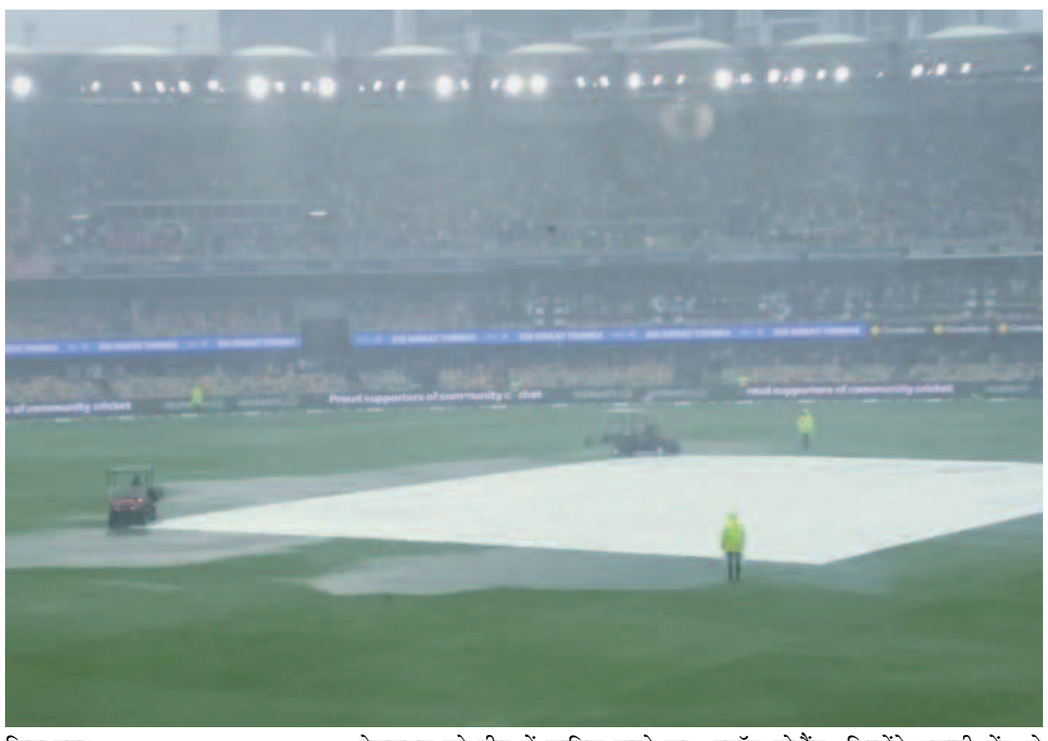

किया गया।

ऑस्ट्रेलियाई टीम में हेजलवुड की वापसी : वहीं, ऑस्ट्रेलिया ने जोश हेजलवुड को टीम में शामिल करने का फैसला किया, जो साइड स्ट्रेन के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए थे। टीम ने स्कॉट बोलैंड, जिन्होंने गुलाबी गेंद से ऑस्ट्रेलिया के लिए प्रभावशाली भूमिका निभाई थी, को बाहर किया।

शाकिब को ईसीबी प्रतियोगिताओं में गेंदबाजी करने से किया गया निलंबित

एजेंसी, नई दिल्ली

इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन को ईसीबी द्वारा आयोजित सभी प्रतियोगिताओं में गेंदबाजी करने से निलंबित कर दिया है, क्योंकि लॉफबोरो विश्वविद्यालय में एक स्वतंत्र परीक्षण सुविधा द्वारा उनके गेंदबाजी एक्शन को अवैध पाया गया था। बाएं हाथ के इस स्पिनर को सितंबर में टॉन्टन में समरसेट के खिलाफ काउंटी मैच में सरे के लिए खेलने के दौरान संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के लिए रिपोर्ट किया गया था। मैदानी अंपायर स्टीव ओ'शॉघनेसी और डेविड मिल्न्स ने शाकिब के गेंदबाजी एक्शन में खामी पाई, जिन्होंने उस खेल में नौ विकेट लिए थे, और बाद में उन्हें अपने गेंदबाजी एक्शन की जांच करवाने के लिए कहा गया। ईसीबी की विज्ञप्ति में कहा गया, "शाकिब ने इस महीने की शुरुआत में लॉफ़बोरो विश्वविद्यालय में एक स्वतंत्र मूल्यांकन पूरा किया, जिसमें पाया गया कि उनके गेंदबाजी एक्शन में कोहनी का विस्तार विनियमों में परिभाषित 15 डिग्री की सीमा से अधिक है। यह

निलंबन 10 दिसंबर 2024 को स्वतंत्र मूल्यांकन की प्राप्ति से प्रभावी होगा, और संदिग्ध अवैध गेंदबाजी एक्शन के साथ रिपोर्ट किए गए गेंदबाजों की समीक्षा के लिए ईसीबी के विनियमों में निर्धारित प्रक्रिया का पालन करेगा।" अपने 17 साल के करियर में यह पहली बार है, जब शाकिब की गेंदबाजी पर सवाल उठाए गए हैं। उन्होंने 447 मैचों में 712 अंतरराष्ट्रीय विकेट लिए हैं। बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने सितंबर-अक्टूबर में भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलने के बाद से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूरी बना रखी है। वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान अपने टेस्ट करियर को अलविदा कहना चाहते थे, लेकिन सुरक्षा चिंताओं के कारण वह बांग्लादेश टीम का हिस्सा नहीं बन पाए। शाकिब यूएई में अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज और बांग्लादेश के वेस्टइंडीज दौरे से भी चूक गए, जबकि उन्होंने अबू धाबी टी10 प्रतियोगिता में हिस्सा लिया।

गिलेस्पी का पाकिस्तान टेस्ट क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के पद से इस्तीफा

एजेंसी, लाहौर। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज जेसन गिलेस्पी ने पाकिस्तान टेस्ट क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्हें साल 2024 अप्रैल में पाकिस्तान टेस्ट टीम का मुख्य कोच बनाया गया था। गिलेस्पी के इस्तीफे के बाद, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आकिब जावेद को टेस्ट टीम का अंतरिम मुख्य कोच नियुक्त किया है। गिलेस्पी की आखिरी कोचिंग सीरीज में, पाकिस्तान ने इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी कर जीत हासिल की थी। फिलहाल, पाकिस्तान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेल रहा है। इसके बाद तीन वनडे और फिर बॉक्सिंग डे (26 दिसंबर) से सेंचुरियन में दो टेस्ट मैचों की सीरीज शुरू होगी। अब जावेद का पहला काम इस दौरे के तहत द.अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज की कोचिंग होगा। पहला टेस्ट मैच 26 से 30 दिसंबर के बीच सुपरस्पोर्ट पार्क, सेंचुरियन में खेला जाएगा, जबकि दूसरा टेस्ट 3 से 7 जनवरी तक न्यूलैंड्स क्रिकेट ग्राउंड, केपटाउन में होगा। पाकिस्तान फिलहाल आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के प्वाइंट्स टेबल में सातवें स्थान पर है और अगले साल के फाइनल की दौड़ से बाहर हो चुका है। इस साइकिल में उनके पास चार टेस्ट मैच बाकी हैं। दूसरी ओर, दक्षिण अफ्रीका प्वाइंट्स टेबल में पहले स्थान पर है और हाल ही में श्रीलंका को 2-0 से हराने के बाद फाइनल में जगह बनाने की प्रबल दावेदार बन गया है। जावेद पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज हैं जिन्होंने 22 टेस्ट मैचों में देश का प्रतिनिधित्व किया है। टेस्ट मैचों में 54 विकेट लेने के अलावा जावेद ने 163 वनडे मैचों में 182 विकेट भी हासिल किए हैं। उन्हें एक शानदार तेज गेंदबाज माना जाता था जिनके पास बढ़िया यॉर्कर गेंद थी।

इमाद वसीम के बाद पाकिस्तान तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कहा अलविदा

एजेंसी, नई दिल्ली

इमाद वसीम के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से फिर से संन्यास लेने की घोषणा के एक दिन बाद, पाकिस्तान के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। 32 वर्षीय तेज गेंदबाज आमिर ने सोशल मीडिया पर अपने फैसले की घोषणा की। आमिर का मानना है कि पाकिस्तान क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए अगली पीढ़ी को कमान सौंपने का यह सही समय है।

आमिर ने एक्स पर लिखा, "सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद, मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का कठिन निर्णय लिया है। ये निर्णय कभी आसान नहीं होते, लेकिन अपरिहार्य होते हैं।

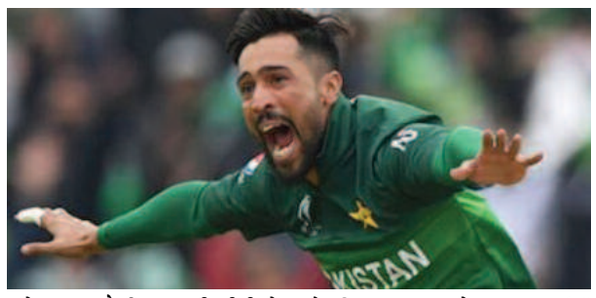

मुझे लगता है कि अगली पीढ़ी के लिए यह सही समय है कि वे कमान संभालें और पाकिस्तान क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं! अपने देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है और हमेशा रहेगा। मैं ईमानदारी से पीसीबी, अपने परिवार और दोस्तों और सबसे बढ़कर अपने प्रशंसकों को उनके निरंतर प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।" आमिर ने 2021 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया था, लेकिन इस साल की शुरुआत में उन्होंने अपना फैसला बदल दिया और खुद को 2024 टी20 विश्व कप के लिए उपलब्ध कराया। अनुभवी तेज गेंदबाज का करियर विवादों से भरा रहा, खासकर जब उन्हें स्पॉट फिक्सिंग के आरोपों के कारण 2010 और 2015 के बीच पांच साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया था। अपने करियर के दौरान, आमिर ने 36 टेस्ट, 61 वनडे और 62 टी20 मैच खेले। लाल गेंद वाले क्रिकेट में, आमिर ने 30.47 की औसत से 119 विकेट चटकाए। 50 ओवर के प्रारूप में, बाएं हाथ के इस गेंदबाज ने 29.62 की औसत से 81 विकेट हासिल किए। क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में, आमिर 21.94 की औसत से 71 विकेट लेने में सफल रहे। कुल मिलाकर, आमिर ने सभी प्रारूपों में 159 मैचों में 271 अंतरराष्ट्रीय विकेट लिए। आमिर ने पाकिस्तान के लिए अपना आखिरी मैच टी20 विश्व कप में आयरलैंड के खिलाफ ग्रुप स्टेज के अंतिम गेम में खेला था।

संजीव गोयनका ने केएल राहुल को नहीं किया रिटेन, अब बताया राहुल वाकई में टैलेंटेड

एजेंसी, नई दिल्ली।

आईपीएल 2025 के लिए लखनऊ सुपरजायंट्स के मालिक संजीव गोयनका ने केएल राहुल को रिटेन नहीं किया था। संजीव ने न ही उन्हें ऑक्शन में टीम में शामिल करने की कोशिश की थी। पिछली बार राहुल की कप्तानी में टीम का प्रदर्शन खराब था, इसकारण संजीव ने उन्हें फटकार भी लगा दी थी। हालांकि, ऑक्शन के कुछ दिन बाद संजीव ने कहा है कि राहुल टैलेंटेड हैं।

लखनऊ सुपरजायंट्स के मालिक संजीव गोयनका ने कहा, राहुल हमेशा से मेरी फैमिली की तरह रहे हैं और हमेशा रहने वाले है। उन्होंने लखनऊ सुपरजायंट्स की सिर्फ कप्तानी ही नहीं की है बल्कि उन्होंने परफॉर्म भी अच्छा किया है। मैं उनके लिए अच्छे फॉर्म के लिए शुभकामनाएं देता हूं। वह एक अच्छा इंसान है और अच्छी चीजें अच्छे इंसान के साथ होती है। उन्होंने कहा कि राहुल सच में टैलेंटेड है। मुझे उम्मीद है कि उनका टैलेंट टीम इंडिया के लिए जरूर काम आएगा। बता दें कि आईपीएल 2025 के लिए केएल राहुल को दिल्ली कैपिटल्स ने टीम में शामिल किया है। षभ पंत के बाहर होने के कारण वह टीम की कमान भी संभाल सकते हैं। आईपीएल 2025 के लिए दिल्ली कैपिटल्स की टीमः अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, ट्रिस्टन स्टब्स, अविषेक पोरेल, मिशेल स्टार्क, केएल राहुल, हैरी ब्रूक, जैक फ्रेजर-मैकगर्क, टी नटराजन, करुण नायर, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, मोहित शर्मा का नाम शामिल है।

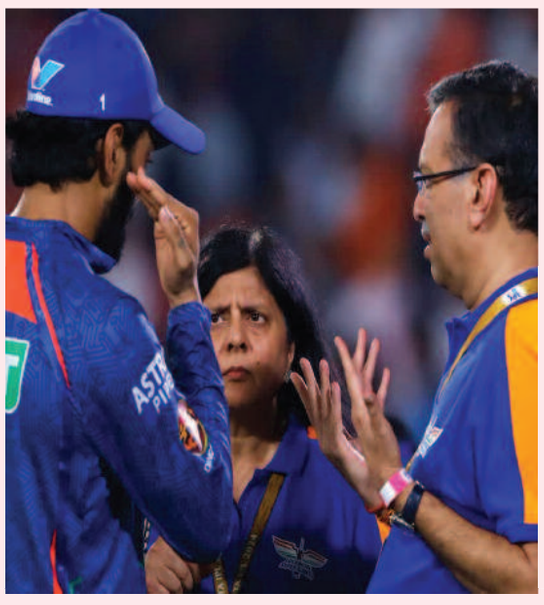

सोफी मोलिनक्स घुटने की चोट के कारण न्यूजीलैंड दौरे से बाहर

एजेंसी, मेलबर्न

एशेज से पहले ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम को एक और बड़ा झटका लगा है, स्पिनर सोफी मोलिनक्स घुटने की चोट के कारण न्यूजीलैंड के वनडे दौरे से बाहर हो गई हैं। कप्तान एलिसा हीली की फिटनेस और उनके घुटने में दर्द की वजह से पहले से ही जूझ रही ऑस्ट्रेलियाई टीम को शनिवार को मोलिनक्स की चोट के रूप में एक और बुरी खबर मिली।

इस गर्मी में मोलिनक्स घुटने की समस्या से जूझना पड़ा, जोड़ों में दर्द के कारण वे मेलबर्न रेनेगेड्स के साथ डब्ल्यूबीबीएल के कुछ मैच नहीं खेल पाई। वह ऑस्ट्रेलिया की भारत पर 3-0 की सीरीज के आखिरी दो

मैचों में खेली थी, लेकिन बुधवार को पर्थ में पिछली जीत के बाद उन्हें फिर से दर्द शुरु हो गया। इसका मतलब है कि अब वह इस महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीनों वनडे मैचों में नहीं खेल पाएंगी, जबकि गेंदबाजी-ऑलराउंडर हीथर ग्राहम एशेज से चार हफ्ते पहले उनकी जगह लेंगी। न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला अगले महीने होने वाली बहु-प्रारूप एशेज श्रृंखला से पहले टीम के आखिरी मैच हैं, जिसमें ऑस्ट्रेलिया लगातार पांचवीं बार ट्रॉफी बरकरार रखने का लक्ष्य रखेगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक बयान में कहा, "सोफी मोलिनक्स को घुटने में दर्द के कारण न्यूजीलैंड श्रृंखला से हटा दिया गया है। हीथर ग्राहम होबार्ट में न्यू साउथ वेल्स के खिलाफ तस्मानिया की महिला राष्ट्रीय क्रिकेट लीग के मैचों के बाद मंगलवार को न्यूजीलैंड में टीम से जुड़ेंगी।" जॉर्जिया वेयरहम गुरुवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे के लिए ऑस्ट्रेलिया की एकादश में शामिल होने वाली सबसे संभावित खिलाड़ी होंगी, क्योंकि उन्हें भारत के खिलाफ अंतिम दो मैचों से बाहर रखा गया था। ऑस्ट्रेलिया के लिए अच्छी खबर यह है कि हीली न्यूजीलैंड दौरे पर जा सकती हैं। ऑस्ट्रेलिया की कप्तान घुटने की चोट के कारण भारत के खिलाफ तीन वनडे मैचों में नहीं खेल पाई थीं, इसके बाद वे पैर की समस्या के कारण टी20 विश्व कप के अंत में भी नहीं खेल पाई थीं।

ओलंपिक चैंपियन एन से-यंग बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स के सेमीफाइनल में पहुंची

एजेंसी, हांग्जो

पेरिस ओलंपिक चैंपियन दक्षिण कोरिया की एन से-यंग ने शुक्रवार को यहां 2024 बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स में महिला एकल के अंतिम चार में जगह पक्की कर ली। गुरुवार को ग्रुप बी में जापानी दिग्गज अकाने यामागुची से हारने के बाद, एन ने चीन की हान यू पर 21-11, 21-15 से आसान जीत हासिल की और आगे बढ़ी। बाद में भी दो जीत के साथ सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

जापान की अया ओहोरी और चीन की वांग झीयी भी ग्रुप ए से अंतिम चार में पहुंची। पुरुष एकल में, डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन और चीनी ताइपे के चोउ टीएन चेन ग्रुप ए से सेमीफाइनल में पहुंचे, जबकि घरेलू पसंदीदा शि यूकी और इंडोनेशिया के जोनाथन

क्रिस्टी ग्रुप बी से अंतिम चार में पहुंचे। वहीं, ओलंपिक चैंपियन चीन के झेंग सिवेई और हुआंग याकियोंग ने मिश्रित युगल स्पर्धा में सेमीफाइनल में जगह बनाई, जबकि चेन किंगचेन और जिया यिफान महिला युगल सेमीफाइनल में पहुंच गईं। झेंग ने कहा, "मैंने सेमीफाइनल में पहुंचने का अपना वादा निभाया है। मुझे उम्मीद है कि मेरे सभी प्रशंसक 'हमारे अंतिम नृत्य' का आनंद ले सकेंगे।" झेंग ने नवंबर में घोषणा की थी कि वह बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स के बाद अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता से संन्यास ले लेंगे।

कार्ल हॉपकिंसन को मुंबई इंडियंस का नया फील्डिंग कोच बनाया गया

एजेंसी, मुंबई। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस ने कहा कि टीम ने आईपीएल 2025 से पहले कार्ल हॉपकिंसन को अपना नया फील्डिंग कोच नियुक्त किया है। हॉपकिंसन ने जेम्स पैमेंट की जगह ली है, जो सात साल तक मुंबई इंडियंस के फील्डिंग कोच रहे थे। न्यूजीलैंड के मूल निवासी पैमेंट 2019 और 2020 में मुंबई इंडियंस की लगातार खिताबी जीत का हिस्सा थे। मुंबई इंडियंस फ्रेंचाइजी ने कहा, हम उन्हें धन्यवाद देते हैं और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देना चाहते हैं। हॉपकिंसन ने हाल ही में इंग्लैंड के लंबे समय से चले आ रहे फील्डिंग कोच के रूप में अपना कार्यकाल समाप्त किया है, यह भूमिका उन्होंने 2018 में संभाली थी। वे 2019 में घरेलू धरती पर इंग्लैंड के वनडे विश्व कप और नवंबर 2022 में ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप जीत में शामिल थे। हॉपकिंसन वेस्टइंडीज में 2022 में अंडर19 विश्व कप में इंग्लैंड अंडर19 टीम के मुख्य फील्डिंग कोच भी थे, जहां वे 1998 के बाद पहली बार फाइनल में पहुंचने के बाद भारत के बाद उपविजेता रहे। हॉपकिंसन ने 64 प्रथम श्रेणी मैच खेले, जिसमें 2,705 रन बनाए और 27.60 की औसत से रन बनाए, जिसमें तीन शतक भी शामिल हैं। उन्होंने 92 लिस्ट ए मैचों में 1,400 रन और 28 टी20 मैचों में 165 रन बनाए, इसके अलावा 2007 में काउंटी चैंपियनशिप जीतने वाली ससेक्स के अहम सदस्य भी रहे। फील्डिंग कोच के रूप में उनका काम अब बंद हो चुकी चैंपियंस लीग टी20 में ससेक्स टीम के साथ शुरू हुआ, 2010 से टीम के कोचिंग स्टाफ के साथ जुड़े रहे।

सीएवीए मध्य एशिया में वॉलीबॉल को बढ़ावा देने के लिए करेगा नेशंस कप का आयोजन

एजेंसी, नई दिल्ली

सेंट्रल एशियन वॉलीबॉल एसोसिएशन (सीएवीए) ने बेसलाइन वेंचर्स के साथ मिलकर मध्य एशियाई क्षेत्र में वॉलीबॉल के खेल को बढ़ावा देने के लिए नेशंस कप टूर्नामेंट के आयोजन की घोषणा की। इस टूर्नामेंट में मध्य एशिया की शीर्ष टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी। सीएवीए एशियाई वॉलीबॉल परिसंघ (एवीसी) का सहायक क्षेत्रीय संघ है और यह क्षेत्र में इनडोर, बीच, ग्रास और स्नो वॉलीबॉल को बढ़ावा देने और विकसित करने के लिए मध्य एशिया और दक्षिण एशिया में अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल महासंघ (एफआईवीबी) और एवीसी का प्रतिनिधित्व करता है। मध्य एशियाई वॉलीबॉल संघ (सीएवीए) अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, भारत, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, मालदीव, नेपाल,

पाकिस्तान, श्रीलंका, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उजबेकिस्तान से संबद्ध है। सीएवीए के अध्यक्ष मोहम्मद लतीफ ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, "हम बेसलाइन वेंचर्स के साथ साझेदारी करके उत्साहित हैं, जो भारत में बेहद लोकप्रिय प्राइम वॉलीबॉल लीग के पीछे दिमाग की उपज रहे हैं। हम बेसलाइन के साथ सीएवीए नेशंस कप पर काम करने के लिए उत्साहित हैं क्योंकि हमने पिछले एशियाई खेलों के दौरान भारत के शानदार प्रदर्शन को देखा था जो प्राइम वॉलीबॉल लीग की सफलता का प्रत्यक्ष परिणाम था।" सीएवीए नेशंस कप में भाग लेने वाले टीमों की संख्या, योग्यता मानदंड, आयोजन स्थल और उद्घाटन संस्करण की तिथियों के बारे में अभी अंतिम रूप से जानकारी नहीं दी गई है। इस अभूतपूर्व साझेदारी को लेकर बेसलाइन वेंचर्स के सह-संस्थापक और एमडी, तुहिन मिश्रा ने कहा, "हमें सीएवीए नेशंस कप पर सेंट्रल एशियन वॉलीबॉल एसोसिएशन के साथ सहयोग करने पर गर्व है, जो मध्य एशिया में वॉलीबॉल के लिए एक गेम-चेंजर साबित होने का वादा करता है।

चिंतन मनन

बाहरी विकार

एक व्यक्ति संन्यासी के पास पहुंचा और बोला, बाबाजी ! मुझे परमात्मा से मिला दो। संन्यासी ने बात टालनी चाही। लेकिन वह अपनी बात पर अड़ा रहा। संन्यासी ने उसकी भावना परखने की दृष्टि से कहा, भगवान से मिलना है तो कल आना होगा। दूसरे दिन फिर यही उत्तर मिला। लेकिन वह निराश नहीं हुआ, निरन्तर आता रहा। संन्यासी ने देखा,इसे शब्दों से समझाना कठिन है। आखिर उसे एक युक्ति सूझी। कहा, परमात्मा से मिलने के लिए तो ऊपर चढ़ना होगा। उसने स्वीकृति दे दी। संन्यासी ने उसके सिर पर पांच बड़े-बड़े पत्थर रखे और पहाड़ की चढ़ाई पर चढ़ने के लिए कहा। दो चार कदम चला होगा कि उसकी सांस फूलने लगी और वह वहीं रूक गया।

संन्यासी बोले, यहां बैठने से भगवान नहीं मिलेंगे। वह साहस बटोरकर चला, लेकिन असफल रहा। संन्यासी ने उसके सिर पर से एक पत्थर उतार दिया। वह कुछ दूर चला फिर रूक गया। चलते-चलते पांचों पत्थर नीचे गिरा दिए गए। वह पहाड़ की चोटी पर पहुंच गया। संन्यासी बोला- समझे या नहीं। उसने उत्तर दिया- मैं कुछ नहीं समझा। आप समझा दीजिए। संन्यासी- जब तक तुम्हारे सिर पर पत्थर थे, तुम चल नहीं सके और हल्के होकर चोटी तक पहुंच गए। इन बाहरी पत्थरों में भी इतनी शक्ति है तो हमारे भीतर काम, प्रोध, मद, लोभ और भय रूप जो पांच बड़े-बड़े पत्थर हैं, उनको उतारे बिना भगवान तक कैसे पहुंचोगे ? इसलिए इन पाषाणों से हल्का बनने के लिए साधुओं का सान्निध्य पाना आवश्यक है।

भारत के डी गुकेश ने चीन की यंगेस्ट 22 वर्षीय बादशाहत को खत्म कर,18.6 वर्षीय यंगेस्ट वर्ल्ड चेस चैंपियन बने

वैश्विक स्तरपर भारत की बौद्धिक क्षमता का हर क्षेत्र में लोहा पूरी दुनियाँ ने देखा है, जो कुछ वर्षों से पूरे दम खम से आगे बढ़कर उच्चस्तर पर रिकॉर्ड बना रहा है, नए-नए अध्याय जुड़तें जा रहे हैं,चाहे वह प्रौद्योगिकी, संचार, विज्ञान, स्वास्थ्य, स्पेस सहित सभी क्षेत्र हो या फिर शिक्षा व खेल क्षेत्र हो, अनेक नवाचार नवोन्मेश से हैरत अंगेश सफलताएं मिल रही है, उसी क्रम में दिनांक 12 दिसंबर 2024 को देर शाम सिंगापुर में हो रही 18 वीं वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप में मात्र 18.6 वर्ष के डोम्माराजू गुकेश ने यह चैंपियनशिप जीतकर शतरंज की दुनियाँ में तूफान मचा दिया है, इतनी कम उम्र में यह जीत दर्ज कर उन्होंने दिखा दिया है कि कैसे एक बच्चा भी बड़ों बड़ों को हराकर भारत की झोली में यह जीत का तमगा डालकर अविस्मरणीय नया अध्याय जोड़ सकता है,जो पूरी दुनियाँ के लिए चौकाने वाला हैरत अंगेज कारनामा है,इतनी कम उम्र में जो जीत का रिकार्ड है,यह मेरा मानना है कि आने वाले 100 वर्षों में भी शायद इस रिकॉर्ड को कोई तोड़ नहीं पाएगा, क्योंकि अभी तक रूस के दिग्गज गैरी कास्पारोव सबसे कम उम्र के शतरंज चैंपियन थे जिन्होंने आज से 39 वर्ष पूर्व 1985 में भारत 22 वर्ष की उम्र में यह खिताब उन्होंने जीता था परंतु भारतीय सपूत डी गुकेश ने मात्र 18.6 वर्ष की उम्र में खिताब जीतकर करीब 3.5 वर्ष आगे बढ़ गए हैं जिसे तोड़ना शायद बहुत मुश्किल काम है। चूंकि भारत नें चीन की यंगेस्ट 22 वर्षबादशाहत को खत्म कर 18.6 वर्ष यंगेस्ट वर्ल्ड चेस चैंपियन बने हैं, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, शाबाश डोम्माराजू गुकेश 18 वर्ष की उम्र में 18 वीं वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप की जीत कर शतरंज की दुनियाँ में तूफान मचा दिया है। साथियों बातअगर हम 18 वीं विश्व शतरंज चैंपियनशिप प्रतियोगिता सिंगापुर में भारत के 18 वर्षीय डी गुकेश के इतिहास रचने की करें तो,उन्होंने अपने शानदार खेल से 18 वें वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप को जीतकर इतिहास रच दिया है। डी गुकेश ने सिर्फ 18 साल की उम्र में यह कारनामा कर दिखाया है। ऐसा करने वाले गुकेश दुनियाँ के सबसे युवा ग्रैंडमास्टर बने हैं। गुकेश ने खिताबी मुकाबले में चीन के डिंग लिरेन को हराकर यह उपलब्धि हासिल की है। डी गुकेश ने चैंपियनशिप मुकाबले के 14 वें और आखिरी राउंड में चीन के चैंपियन डिंग लिरेन को कड़ी टक्कर दी, लेकिन अंतिम बाजी भारत के डी गुकेश ने जीतकर खिताब को अपने नाम कर लिया।गुकेश ने 14 बाजी के इस मुकाबले की आखिरी क्लासिकल बाजी जीतकर लिरेन के 6.5 के मुकाबले जरूरी 7.5 अंक के साथ खिताब जीता। यह बाजी हालांकि अधिकांश समय ड्रॉ की ओर जाती दिख रही थी। गुकेश की खिताबी जीत से पहले रूस के दिग्गज गैरी कास्पारोव सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन थे जिन्होंने 1985 में अनातोली कार्पोव को हराकर 22 साल की उम्र में खिताब जीता था।12 साल के बाद किसी भारतीय ने इस खिताब को अपने नाम करने में कामयाबी हासिल की है। इससे पहले दिग्गज विश्वनाथन आनंद ने 2012 में चेस वर्ल्ड चैंपियनशिप का खिताब जीता था। गुकेश यह खिताब जीतने वाले दूसरे भारतीय हैं।बुधवार को वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप की 13 वीं बाजी में 68 चाल के बाद गुकेश को गेम ड्रॉ खेलना पड़ा था। तब स्कोर 6.5-6.5 से बराबरी पर था। गुकेश ने तीसरा, 11वां और 14वां गेम जीता। वहीं लिरेन ने पहला और 12 वां गेम जीता। बाकी सभी गेम ड्रॉ रहे। उन्होंने लिरेन को 14वें गेम में से हराया। इसी के साथ स्कोर 7.5-6.5 हो गया और गुकेश चैंपियन बन गए। गुकेश की वर्ल्ड चैंपियनशिप मैच की यात्रा पिछले साल दिसंबर में शुरू हुई जब उन्होंने चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स टूर्नामेंट जीतकर कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह बनाई थी। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में फाबियानो कारूआना और हिकारू नाकामुरा की अमेरिकी जोड़ी को प्रबल दावेदार माना जा रहा था, लेकिन गुकेश ने सभी को पछाड़ते हुए कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतकर शतरंज की दुनियाँ में तूफान मचा दिया था और इनमें आर प्रज्ञाना नंदा भी शामिल थे। तब गुकेश की उम्र मात्र 17 साल थी। वह कैंडिडेट्स चेस टूर्नामेंट जीतने वाले सबसे युवा प्लेयर थे। शतरंज की दुनियाँ में नया इतिहास रचने वाले डी गुकेश चैंपियन बनते ही फूट-फूट कर रो पड़े,जो खिलाड़ी हमेशा शांत दिखता रहा है, वह विश्व चैंपियन बनने के बाद अपनी भावनाओं पर नियंत्रण नहीं रख सका। डी गुकेश ने कहा भी कि यह ऐसी उपलब्धि थी, जिसका सपना तो सभी देखते हैं, उन्होंने भी देखा था लेकिन वे इतनी जल्दी चैंपियन बन जाएंगे, इसकी उम्मीद नहीं की थी, शायद यही वजह है कि वे आंसू नहीं रोक पाए।भारत के डी गुकेश ने गुरुवार को फीडे वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप के फाइनल में गत चैंपियन डिंग लिरेन को हराया। दोनों खिलाड़ी एक दिन पहले तक 6.5-6.5 से बराबरी पर थे। गुरुवार को 14वीं बाजी खेली गई, जिसमें डिंग लिरेन ने सफेद मोहरों से शुरूआत की, गुकेश ने इस निर्णायक बाजी में दबाव पर नियंत्रण रखा और गत चैंपियन को हराकर ट्रॉफी अपने नाम कर ली है। साथियों बात अगर हम भारत चीन के खिलाड़ियों के बीच टफ शतरंज चालों की करें तो, यह बाजी अधिकांश समय ड्रॉ की ओर जाती दिख रही थी। विश्लेषकों ने मैच के टाईब्रेकर में जाने की पूरी संभावना जता दी थी लेकिन गुकेश धीरे-धीरे अपनी स्थिति मजबूत कर रहे थे। यह लिरेन की एकाग्रता में क्षणिक चूक थी जिससे ड्रॉ की ओर बढ़ रही बाजी का नतीजा निकला और जब ऐसा हुआ तो पूरा शतरंज जगत हैरान हो गया।55 वीं चाल में गलती कर बैठे लिरेनइन,दोनों खिलाड़ियों के पास आखिरी समय में बस एक रूक (हाथी) और एक बिशप (ऊंट) बचा था, जिसे उन्होंने एक दूसरे को गंवाया, अंत में गुकेश के दो प्यादों के मुकाबले लिरेन के पास सिर्फ एक प्यादा बचा था और चीन के खिलाड़ी ने हार मानकर खिताब भारतीय खिलाड़ी की झोली में डाल दिया।डिंग लिरेन ने 55 वीं चाल में गलती की जब उन्होंने हाथी की अदला-बदली की और गुकेश ने तुरंत इसका फायदा उठाया और अगली तीन बाजी में मुकाबला खत्म हो गया।गुकेश ने गुरुवार को निर्णायक बाजी से पहले तीसरे और 11वें दौर में जीत हासिल की थी।32 वर्षीय लिरेन ने शुरूआती बाजी के अलावा 12 वीं बाजी अपने नाम की थी। अन्य सभी बाजियां ड्रॉ रही साथियों बात अगर हम डी गुकेश के जीवन व उन्हें मिले पुरस्कारों के बारे में जानने की करें तो, गुकेश डी का पूरा नाम डोम्माराजू गुकेश है। वह चेन्नई के रहने वाले हैं। गुकेश का जन्म चेन्नई में 7 मई 2006 को हुआ था।उन्होंने 7 साल की उम्र में ही शतरंज खेलना शुरू कर दिया था। उन्हें शुरू में भास्कर नागैया ने कोचिंग दी थी। नागैया इंटरनेशनल चेस खिलाड़ी रहे हैं और चेन्नई में चेस के होम ट्यूटर हैं। इसके बाद विश्वनाथन आनंद ने गुकेश को खेल की जानकारी देने के साथ कोचिंग दी। गुकेश के पिता डॉक्टर हैं और मां पेशे से माइक्रोबायोलॉजिस्टट हैं।

सुशासन के संकल्प को साकार करती मोहन सरकार

शासन की संपूर्ण व्यवस्थाओं में जनता के प्रति जवाबदेही,पारदर्शिता और सेवा-भाव से सभी को समर्पित कार्यप्रणाली सुनिश्चित करना सुशासन का मूलमंत्र है। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए डॉ. मोहन यादव के दूरदर्शी नेतृत्व में मध्य प्रदेश भी हर दिन सुशासन के नए अध्याय लिख रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 13 दिसम्बर 2023 को प्रदेश की बागडोर संभाली। उनके बागडोर संभालते ही प्रदेश में सुशासन का सूर्यादय हुआ है। प्रदेश सरकार सबका साथ-सबका विकास, सबका प्रयास और सबका विश्वास के मूलमंत्र को लेकर आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में एक साल की अल्पावधि में कई जनहितकारी फैसलों से समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए प्रदेश सरकार ने अनेक कदम उठाए हैं। मोहन सरकार की मजबूत इच्छाशक्ति का प्रतिफल है कि आज प्रदेश के हर कोने में सरकार की लोकप्रियता का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है। इसका मुख्य कारण स्वच्छ और ईमानदार प्रशासन और सरकारी काम-काज में पारदर्शिता लाना रहा है। आम आदमी की जिंदगी में बदलाव लाना मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मुख्य उद्देश्य है। एक साल के छोटे से कार्यकाल में मोहन सरकार ने जनता से किए गए वादे पूर्ण करने की दिशा में कई ठोस कदम उठाए हैं जिसके कारण प्रदेश में विकास का नया दौर शुरू हुआ है। सेवा, सुशासन, सुरक्षा एवं विकास के संकल्प को लेकर प्रदेश सरकार जनता की सेवा में दिन-रात लगी हुई है। मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव ने अपने एक के छोटे से कार्यकाल में अपने काम से न केवल जनता का दिल जीता है बल्कि अपने सख्त निर्णयों के माध्यम से राष्ट्रीय नेतृत्व के सामने भी अपनी अलहदा पहचान बनाने में सफलता पाई है। उन्होनें योग्य अफसरों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देकर अपने बुलंद इरादों को सभी के सामने जताया है ।इस एक साल के छोटे से कार्यकाल में उन्होनें अपनी खुद की नई टीम बनाई और सीएम आवास से लेकर मंत्रालय, संभाग और जिलों में बड़ी प्रशासनिक सर्जरी करने से भी परहेज नहीं किया। हर समय एक्शन में रहने वाले डा. मोहन यादव के तेवरों को देखकर आज प्रदेश में नौकरशाही के चेहरा पूरी तरह से बदल चुका है। सीएम की कमान संभालने के साथ ही उन्होंने हर किसी अधिकारी के ट्रैक रिकार्ड को न केवल खंगाला बल्कि कार्यक्षमताओं के अनुरूप सभी को नए कार्यों का प्रभार सौंपा। खास बात ये है मोहन सरकार में बेलगाम नौकरशाही पर भी नकेल कसी गई है जिस कारण मध्यप्रदेश का डबल इंजन विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। नए मुखिया की तीव्र गति से निर्णय लेने की क्षमताओं से मध्यप्रदेश में एक बदलाव की नई बयार चली है। नई विकेन्द्रीकरण की व्यवस्था होने से अब प्रदेश के विकास कार्यों में न केवल तेजी आयी है बल्कि समय -समय पर मॉनीटरिंग किये जाने से जनता के हित में तेजी से निर्णय लिये जा रहे हैं। यही कारण है आज प्रदेश में देश और विदेश के निवेशक भी अपनी रूचि दिखा रहे हैं। साइबर तहसील डिजिटल इंडिया की दिशा में प्रदेश के नागरिकों को सुविधा प्रदान करने की दिशा में की गई बड़ी पहल है। इसके जरिए लोगों को कई कामों को करने में आसानी हुई है। भूमि खरीदी और बिक्री के बाद आने वाली कठिनाइयों को साइबर तहसील के जरिये काफी आसान कर दिया गया है। संपदा 2.0 के तहत सॉफ्टवेयर सिस्टम का डिजिटलाइजेशन किया गया है। डिजिटलाइजेशन के माध्यम से राजस्व प्रक्रिया का सरलीकरण हुआ है। साइबर तहसील परियोजना को प्रदेश के सभी 55 जिलों में लागू किया गया है। इससे लोगों को अनावश्यक भागदौड़ से निजात मिल रही है और समय की भी बचत हो रही है। साइबर तहसील खोले जाने का सबसे प्रमुख उद्देश्य सरकारी कामकाज में पारदर्शिता और लोगों को सुविधा पहुंचाना है। साइबर तहसील में सार्वजनिक नोटिस की प्रक्रिया को भी सरल किया गया है। विभिन्न राजस्व प्रकरणों का ऑनलाइन निराकरण साइबर तहसील के माध्यम से प्रदेश में अब संभव हो रहा है। ऐसी पहल करने वाला देश का पहला राज्य

मध्यप्रदेश बना है। मध्यप्रदेश में राजस्व प्रकरणों का समाधान करने राजस्व महाअभयिान बड़े स्तर पर सरकार ने शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम में राज्य स्तर पर विभिन्न कामों को तत्काल प्रभाव से पूरा किया गया जिसमें भू-अभिलेखों का शुद्धीकरण, लंबित राजस्व मामलों का निपटाना और डिजिटल क्रॉप सर्वे, पीएम किसान योजना का लाभ, फॉर्मर आईडी आदि भी शामिल रहा। राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण और राजस्व अभिलेख त्रुटियों को ठीक करने के लिए राजस्व महाअभियान-2.0 18 जुलाई से 31 अगस्त तक चलाया गया जिसमें बहुत कम समय में ही 50 लाख से अधिक राजस्व प्रकरणों का निराकरण हुआ है जो प्रदेश में एक बड़ा कीर्तिमान है। राजस्व महा-अभियान 3.0 को 15 नवम्बर से 26 जनवरी तक चलाने के निर्देश दिये हैं जिसमें अभी तक 80 हजार से अधिक राजस्व प्रकरणों का निराकरण हो गया है। मध्यप्रदेश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्य योजना के हितग्राहियों को लाभ पहुंचाने की दिशा में सरकार ने स्मार्ट पीडीएस राशन योजना शुरू की है। इस योजना के प्रदेश में करीब 5 करोड़ से अधिक हितग्राहियों को निशुल्क खाद्यान्न दिया जा रहा है। स्मार्ट-पीडीएस स्कीम के तहत लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत 8.35 करोड़ रुपए 3 वर्ष में खर्च किए जाएंगे। इससे सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन के क्रियान्वयन, विस्तार एवं संधारण, डेटाबेस में भिन्नता, डेटा रिकवरी एवं साइबर सुरक्षा संबंधी कठिनाइयों का निराकरण होगा। प्रदेश में सरकार ने अपने कड़े फैसले में विस्तारक यंत्रों के अनियंत्रित और अनियमित प्रयोग को प्रतिबंधित किया है साथ ही खुले में मांस बेचने को भी प्रतिबंधित किया है। डिजिटल इंडिया के बढ़ते कदम के तहत प्रदेश सरकार ने एक बड़ा निर्णय लिया। पहले क्लाउड सेवाओं के लिए निजी व अन्य सरकारी कंपनियों को भारी भरकम राशि अदा की जाती थी लेकिन इस नीति को मंजूरी मिलने के बाद क्लाउड सेवाओं के लिए बाहर की किसी कंपनी को अलग से धन नहीं देना होगा। प्रदेश सरकार ने अपनी क्लाउड पॉलिसी-2024 के तहत डेटा सेंटर स्थापित करने का निर्णय लिया है जिसमें सभी का सरकारी डेटा रखा जा सकेगा। इस निर्णय से म.प्र. राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम के माध्यम से केंद्रीयकृत रूप से विभागों को क्लाउड सेवाएं उपलब्ध कराई जायेंगी एवं क्लाउड सेवाओं के भुगतान के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग को बजट उपलब्ध कराया जाएगा। प्रदेश सरकार के प्रयासों से प्रदेश में लगातार निवेश बढ़ रहा है। आज उद्योग, व्यापार, व्यवसाय की दृष्टि से मध्यप्रदेश में निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बना है। एनर्जी, टूरिज्म, हेल्थ, माइनिंग, फिल्म, तकनीक जैसे सभी सेक्टर में देश और दुनिया के निवेशक प्रदेश में रूचि दिखा रहे हैं। राज्य सरकार ने बजट में भी उद्योग-व्यापार को प्रोत्साहन देने के लिए पहली बार उचित प्रावधान किए हैं जिसके चलते एमपी की तरफ निवेशक तेजी से आकर्षित हो रहे हैं पिछले दिनों मुख्यमंत्री डॉ. यादव की लंदन, जर्मनी की विदेश यात्रा भी निवेश की दृष्टि से अहम रही। इन सभी यात्राओं से सेमीकंडक्टर और सौर ऊर्जा में 25,150 करोड़ का निवेश आया है। सौर ऊर्जा सेक्टर में 150 करोड़ रुपए, मॉड्यूलर हाउसिंग प्रोजेक्ट में 1 हजार करोड़ , आईटी सेक्टर में 1100 करोड़ का प्रस्ताव सरकार को मिले हैं। हेल्थ सेक्टर में इस्पात इंटरनेशनल और इंडोरामा कंपनियों से 3,000 करोड़ का बड़ा निवेश आने के प्रस्ताव मिले हैं। अगर यह निवेश परवान चढ़ता है तो इससे मध्यप्रदेश आर्थिक दृष्टि से समर्थ होगा और विभिन्न क्षेत्रों में लोगों को बड़ा रोजगार भी मिलेगा। पीएम मोदी का विजन मोहन का मिशन बन गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के विजन को आगे बढ़ाने के लिए मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अभी तक महाकाल की नगरी उज्जैन, जबलपुर, ग्वालियर, सागर, रीव , नर्मदापुरम में ह्यरीजनल इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेवह्न के सफल आयोजन किये हैं जिसके माध्यम से प्रदेश में निवेश की अनंत संभावनाएं बन रही हैं। अब तक राज्य में हुई 6 रीजनल इंवेस्टर्स समिट में प्रदेश को दो लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। राज्य सरकार की औद्योगिक नीतियां न केवल निवेशकों को आकर्षित कर रही हैं, बल्कि प्रदेश के सभी जिलों में युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर उपलब्ध करा रही है। इस आयोजनों के माध्यम से प्रदेश में होने जा रहे निवेश के माध्यम से मुख्यमंत्री प्रदेश के युवाओं को रोजगार दिलाने की दिशा में प्रयत्नशील हैं। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा साढ़े आठ करोड़ लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2024-25 के लिए 3 लाख 65 हजार करोड़ से अधिक का बजट प्रस्तुत हुआ है। सरकार का लक्ष्य है कि 5 साल में बजट को दोगुना किया जाएगा, इसलिए लगभग 16 प्रतिशत बजट का आकार बढ़ा है। खास बात यह है कि इस बजट में किसी तरह का कोई कर नहीं बढ़ाया गया है। यह बजट सभी वर्गों के समावेशी विकास की अवधारणा और पीएम मोदी के विजन को साकार करने वाला बजट है। मोहन सरकार के एक वर्ष के कार्यकाल को देखकर स्पष्ट नजर आता है कि वह पार्टी के संकल्प पत्र में किये गए वायदों को पूरा करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। अपने सुशासन से मध्यप्रदेश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लक्ष्य को हासिल करने में अग्रणी भूमिका निभाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संचालित योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन और मोदी की हर गारंटी पूरा करने के लिए डॉ. मोहन यादव ने सीएम की कुर्सी सँभालने के साथ ही अपनी पूरी ऊर्जा के साथ दिन- रात सतत रूप से कार्य कर रहे हैं। अपनी सतत कार्यशीलता से मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव ने अपने बेहतर सुशासन के मॉडल को सभी के सामने पेश किया है जिसमें जनता के हित में तेजी से निर्णय लिए जा रहे हैं। विपक्ष भी उनकी नीतियों और काम करने के अलहदा अंदाज का तोड़ नहीं निकाल पा रहा है। हालाँकि किसी भी सरकार के लिए एक साल का कार्यकाल बहुत छोटा होता है लेकिन मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने अपने एक वर्ष के छोटे से कार्यकाल में सुशासन की नई लकीर खींचकर खुद को प्रदेश में एक मजबूत नेता के तौर पर स्थापित कर दिया है।

सत्ता और पद के नशे से लड़खड़ाता सिस्टम

जब भी समाज घातक घटनाओं को नजरअंदाज करता है और उन पर कोई स्टैंड नहीं लेता तो वे नजीर बन जातीं हैं। अठारह साल पहले स्व जुगलकिशोर बागरी ने माध्यमिक शिक्षा मंडल के एक बाबू का कालर पकड़ लिया था वे तब जल संसाधन मंत्री थे।उसी काल में एक और मंत्री उमाशंकर गुप्ता ने भी एक डाक्टर को थप्पड़ जड़ दिया था।घटनायें तो भुला दीं गईं किंतु विकृति बढ़ती गई है। देश आज जिस राह पर है वह निश्चित ही चौंकाने वाला है।प्रतिक्रियायें हिंसक और उन्मादी होती जा रहीं हैं।सीमायें अपने आप टूट रहीं हैं।ऐसा क्यों हो रहा है। पूर्व में.हुईं तीन घटनाओं की तरह एक ही सप्ताह में फिर से वैसी ही नई घटनायें सामने आ गई हैं।जो झकझोरतीं हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक जज ने अपने सार्वजनिक भाषण में अल्पसंख्यकों को कठमुल्ला कहते हुए उन्हें देश के लिये खतरनाक बताया है।वे कथित रूप से बहुसंख्यकों के अनुसार देश चलाने की बात भी कहते हैं। उनके विरुद्ध महाअभियोग लाने की बात हो रही है।यह रेडिकिलाईजेशन (कट्टरता) की नई नजीर है। इससे भी खतरनाक घटना गाजियाबाद के जिला जज द्वारा छोटी सी बात पर वकीलों से हुए वाद विवाद में जिला न्यायाधीश और वकीलों के बीच में कथित झूमा झटकी की है, जहां पुलिस द्वारा वकीलों की जबरदस्त पिटाई के बाद वकीलों द्वारा अदालत के बाहर पुलिस चौकी में आग लगा देने की है।यह दोनों घटनायें न्यायपालिका के आचरण पर रोशनी डालती हैं अगर न्यायाधीश इतने ही प्रतिक्रियावादी हो जायेंगे तब निष्पक्ष न्याय की परिकल्पना ही व्यर्थ है।कल तक तो न्याय की मूर्ति की आंखों पर पट्टी थी लेकिन आज तो पट्टी हटा दी गई है ,तब जजों और वकीलों का यह कथित व्यवहार स्पष्ट संकेत है कि प्रतिक्रिया का उत्तेजक जहर पूरे कुंए में घुल चुका है। एक राष्ट्रीय दल के बड़े नेता के विरुद्ध विदिशा में शर्मनाक मामले में एफआईआर दर्ज हुई है।उसकी भतीजी ने ही उस पर यौन शोषण और रेप के आरोप लगाये हैं।हालांकि भाजपा ने उसे पार्टी से निष्कासित कर दिया है किंतु यह वासनागत उन्माद की पराकाष्ठा है जिसमें रिश्ते तार तार हो गये हैं।पारिवारिकता के रिश्तों को भी अब संशय की नजर से देखा जायेगा।इसके पूर्व भी पन्ना में रिश्तों को कलंकित करने

वाला मामला दर्ज हुआ था।संयोग से वे भी इसी दल के नेता थे।क्या रसूख और सत्ता का गुमान दैहिक शोषण की आजादी का कारण बन रहा है,या यह केवल समाज को निरंतर उत्तेजक बनाये रखने के राजनीतिक तमाशों का अनिवार्य परिणाम है। रतलाम में मध्यप्रदेश की एक नवजात पार्टी के इकलौते विधायक और एक शासकीय डाक्टर के बीच खुल्ले गाली गलौज का वीडियो भी अपनी अपनी भूमिका में मगरूरियत का प्रमाण है।जो डाक्टर विधायक को अशोभनीय गालीयां दे रहा हो उसका व्यवहार मरीजों से कैसा होगा ?दूसरी तरफ क्या विधायक को भी नियमित कार्यों में इतना अतिक्रमण करना चाहिये कि सरकारी कर्मचारी भी आक्रामक प्रतिक्रिया करने लगें।यह परिस्थिति खतरनाक है। जब सत्ता और पद का नशा सर चढ़ कर बोलता है तो सिस्टम टूटता है और विकृतियां पनपने लगतीं हैं। प्रदेश में घर से भागकर कथावाचक अघोरी और साधु बनने के लिये 13 नावालिग बच्चे उज्जैन में पकड़े गये हैं।उनमें से लगभग सभी ने बताया है कि वे रीलें देख देखकर भक्ति और लोकप्रियता के लिये घर छोड़ आये हैं।रील का नशा और झूठी चमक दमक किस तरह से समाज में तात्कालिक सफलता और अवसरों की तरफ भागने के लिये प्रेरित कर रही है ।तय है कि हमारा सामाजिक ताना-बाना इन मासूम महत्वाकांक्षाओं को समाधान देने मे असफल है। मजदूरों के खाते खुलवाकर साइबर अपराधियों को खाते बेचने वाले गिरोह पकड़े जा रहे है।जल्दी अरबपति बनने की ख्वाहिश,अभावों से जूझने की बजाय गरीबों की मजबूरी और अशिक्षा को लूट का साधन बना लेने की कलाकारियां खतरनाक हो रहीं हैं।पोस्ट आफिस में एक बुजुर्ग पेशनर महिला कज खाते से लाखों रुपया उड़ा लेने वाले पोस्ट आफिस कर्मचारी को भी क्या लालच की गिनीज बुक का रिकार्ड बना रहा है।ये विकृतियां एक जगह नहीं वल्कि समाज के हर हिस्से में दिखाई दे रहीं हैं। हमें एक ऐसे समाज में धकेला जा रहा है जहां थाट और एक्शन के बीच कोई टाईम डिस्टेंस नहीं है।क्रिया के बाद सोचा जा रहा है कि ऐसा क्यों किया गया ?ऐसे काल प्रवाह में जब समाज फंसता है तो पछताने का भी अवसर नहीं मिलता,क्या पछतावे के पहले इस आक्रामकता को रोका जा सकता है।समाज सुधारक,लोकप्रिय कथावाचक ,राजनीतिक नेतृत्व और कार्यपालिका इस पर विचार करें,हालांकि देर तो हो ही चुकी है।

वाक्पटु एवं कुशल वक्ता थे -सरदार वल्लभ भाई पटेल

सरदार वल्लभभाई पटेल एक ऐसी शख्सियत थे। जिन्होंने सिर्फ संकल्प शक्ति और मेहनत के बलबूते पर वो मुकाम बनाया जिसे किसी के लिए भी छू पाना मुमकिन नहीं है। उनकी असाधारण काबिलियत ही थी कि एक साथ 562 रियासतों का एकीकरण करके उन्होंने मिसाल कायम की। इस वजह से ही उन्हें आधुनिक भारत का चाणक्य माना जाता है। सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के नाडियाद ग्राम में हुआ था। इनके पिता का नाम झवेर भाई और मां का नाम लाड बाई था । झबेर भाई मूलत बोरसद इलाके के करमसद गांव के र थे और खेती किसानी किया करते थे ।बल्लभ भाई सहित झवेर भाई के छ संताने थी। वल्लभभाई का बचपन माता पिता के साथ गांव में ही बीता यही पर इनकी प्रारंभिक शिक्षा हुई। इसके पश्चात माध्यमिक स्तर की शिक्षा उन्होंने नडियाद वह बड़ौदा से पूर्ण की । वल्लभभाई का बाल्यकाल माता - पिता के साथ गांव में ही गुजरा तथा यही पर इनकी प्रारंभिक शिक्षा हुई। इसके पश्चात माध्यमिक स्तर की शिक्षा इन्होने नडियाद व बडौदा से पूरी की। वल्लभभाई के पिता झबेर भाई बड़े साहसी। संयमी और साहसी पुरुष थे। 1857 की क्रांति के समय घर वालों को बिना बताए तीन बताए तीन वर्ष तक घर से नदारद रहे। वही झांसी की महारानी लक्ष्मीबाई और नाना साहिब घोड़ोंपंत की सेना में भर्ती हुए। उन्होंने समस्त उत्तरी भारत का भ्रमण किया तथा स्वतंत्रता के लिए अनेक मर्तबा ब्रिटिश सेना के साथ युद्ध किया। पिता के संयम। साहस,वीरता और राष्ट्र भक्ति के गुण वल्लभभाई को संस्कार में प्राप्त हुए थे। वे बाल्यकाल से ही वक्त के अधिकतम उपयोग तथा अपने दायित्व के प्रति हर पल समर्पित रहते थे। राजनीति में दाखिल होने के पश्चात इन गुणों ने ही वल्लभभाई को हिन्दुस्तान के बिखरे हुए स्वरूप को एक सूत्र में पिरोने के लिए प्रेरित किया। उनकी दृढ निर्णय की प्रवृत्ति ने ही उन्हें लौह पुरुष कहलाने का सम्मान प्रदान किया तथा योग्य नेतृत्व के गुणों ने सरदार की पदवी से विभूषित करवाया। वल्लभभाई का विधार्थी जीवन अत्यंत परिश्रमी। उज्जवल एवं नैतिकता से पूर्ण रहा। इस स्तर पर ही उनमें भावी जीवन के शुभ लक्षण दिखाई देने लगे थे। वे नाडियाद में अध्ययनरत थे तभी उन्होंने विधालय की अव्यवस्थाओं के लिए आंदोलन किया। यहां स्कूल का एक शिक्षक पुस्तकों का व्यापार करता था तथा सभी शिक्षक उससे ही पुस्तक खरीदने के लिए विधार्थियों को बाध्य करते थे। बल्लभ भाई को शिक्षकों की यह बात उचित नहीं लगी। पटेल ने इसे नैतिकता का हनन मानकर विरोध स्वरूप आंदोलन प्रारंभ कर दिया। अंततः शिक्षकों को झुकना पड़ा। यह उनकी नैतिक सदप्रवृति का बेहतरीन उदाहरण था। अन्याय के प्रति संगठित विरोध की यह शुरूआत थी। बडौदा में आकर वल्लभभाई ने गुजराती विषय लिया। यहां छोटे लाल गुजराती पढ़ाते थे। मगर वे संस्कृत के प्रति अधिक समर्पत थे। हालांकि संस्कृत नं पढ़ने वाले विधार्थियों को छोटे लाल कतई पसंद

नहीं करते थे। पटेल जी ने भी संस्कृत नहीं ली थी अतः वे उनसे नाराज रहने लगे थे। वल्लभभाई का अडिग व्यक्तित्व गलत बातों को कभी भी स्वीकार नहीं कर सका। अल्प समय बाद ही एक अन्य अध्यापक से उनका विवाद हो गया अतः, पटेल को स्कूल से निकाल दिया गया। पटेल पुन नाडियाद आ गए। सत्य पर अडिग रहने तथा अन्याय का हर हाल में विरोध करने की उनकी बचपन की प्रवृत्ति ही भविष्य में हिंदुस्तान को एकजुट करने का पूर्वाभ्यास सिद्ध हुई। 1911मे उनके एक पैर में नाहरूआ निकल आया। दो बार के आपरेशन के बाद भी नाहरूआ पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ और शरीर के अन्य हिस्सों में फैलने लगा। तो डॉक्टर ने पैर को काटने की बात कही। मगर इसके लिए पटेल तैयार नही हुए। उन्होंने तीसरी बार आपरेशन करवाया वह भी बिना क्लोरोफॉर्म के। आपरेशन करने वाला डॉक्टर यह देखकर भौंचक रह गया कि उन्होंने आपरेशन के दौरान एक मतवा भी सिसकारी तक नहीं निकली। हालांकि इस आपरेशन के बाद नाहरुआ निकल गया तथा वल्लभभाई पूरी तरह स्वस्थ हो गए। अगस्त 1922मे जब सविनय अवज्ञा समिति जबलपुर गई। तब वहां की नगर पालिका ने एक प्रस्ताव पारित किया। हकीम अजमल खां को मान पत्र भेंट किया गया और नगर पालिका के हाल पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। इसे बिटिश शासन ने अपना अपमान माना इसके बाद यहां गांधी जीके कारावास की वर्षगांठ पर राष्ट्रीय ध्वज के साथ विशाल जुलूस निकाला पुलिस ने जुलूस के अगुवा 10-12लोगो को हिरासत में ले लिया और ध्वज को जब्त कर लिया। यद्यपि दूसरे दिन सभी लोगों को रिहा कर दिया। मगर ध्वज वापस नहीं लौटाया। इस बात की जानकारी मिलने पर मध्य प्रदेश की तात्कालिक राजधानी नागपुर में पुनः विशाल जुलूस निकाल गया। इस पर पुलिस व स्थानीय मजिस्ट्रेट ने जुलूस को रोकने का प्रयास किया। जब लोग नहीं रुके तो पुलिस उनपर लाठियां लेकर टूट पड़ी। ऐसी स्थिति में भला वल्लभभाई कैसे मौन रहते । उन्होंने गुजरात से नागपुर जाने के लिए खेड़ा जिले में 75लोगो की एक टोली रवाना कर दी। तथा अन्य स्थानों से भी निरंतर टोलियां रवाना करना शुरू कर दिया। सरकार ने इस झंडा सत्याग्रह को असफल करने के अनेक प्रयास किए। ऐसी स्थिति में वल्लभभाई को झंडा सत्याग्रह का नेतृत्व प्रदान कर कार्यक्रम को गतिशील किया गया। पटेल की मेहनत रंग लाई। नागपुर में झंडा सत्याग्रह सफलतापूर्वक जीतने के पश्चात सरकार ने उन्हें बोरसद ताल्लुका भाई के घर में ही छोड़ दिया ।इस क्षेत्र जनता को अनियंत्रित व सरकार विरोधी होने का करार देकर उन पर अतिरिक्त पुलिस व्यवस्था आयुक्त द्वारा लगा दी गई तथा इस्के साथ यहां तैनात पुलिस बल का समस्त व्यय कोई 2लाख रुपए बोरसद की जनता पर डाल दिया गया इस तरह की घटना पर वल्लभभाई ने सरकार से आरोप सिद्ध करने के लिए कहकर चुनौती दे दी ।इसके साथ ही क्षेत्र में जनता को टेक्स न देने के लिए कह दिया। सरकार इस प्रकार जनता की भावना देखकर परेशान हो गई। एक दो महीने में ही गवर्नर ने अपना प्रतिनिधि भेजकर कर मामले की जांच करवाई। जांच में हकीकत कि जानकारी मिलते ही जनता से नहीं वसूल किया जाने वाला खर्च जनता से नहीं लिया गया ।इस प्रकार गुजरात की जनता ने सरकार की योजना विफल कर अपना स्वाभिमान ऊंचा कर लिया। इस युद्ध में भी वल्लभभाई ने गांधी जी से मिले साहस और अनुशासन के महान गुणों के कारण ही विजयश्री हासिल की तथा गांधीजी की गैरमौजूदगी मैं भी उनके हथियार को सफलतापूर्वक प्रयुक्त कर सच्चा सत्याग्रही व अनुयाई होना सिद्ध कर दिया। बोरसद के सफल सत्याग्रह के लिए गांधी जी ने वल्लभभाई को बोरसद का राजा कहा कर संबोधित किया। अंग्रेजो ने कूटनीति से भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947 में लैंप्स ऑफ पैरामाउसी विकल्प अनुसार यह स्वतंत्रता दे कि वे चाहे तो आजाद रह सकते हैं अथवा भारत पाकिस्तान किसी भी देश में अपना विलय कर सकते हैं। निःसंदेह अंग्रेजों का यह षड्यंत्र अखंड भारत के निर्माण में ला इलाज नासूर के रूप में कार्य करता यदि सरदार पटेल वल्लभभाई पटेल ने दृढ़ता पूर्वक अपनी बुद्धिमत्ता और साम दाम दण्ड भेद की नीति तथा अंतिम विकल्प के रूप में बल प्रयोग कर जूनागढ़। हैदराबाद और कश्मीर जैसी रियासतो को भारत में सम्मिलित नहीं किया होता। वस्तुत भारत की आजादी की घोषणा के साथ ही अधिकांश रियासतों ने यह अर्थ लगा लिया कि अब वे संप्रभुता संपन्न राज्य हो जाएंगे। 12जून 1947को त्रावनकोर राज्य ने बाद में हैदराबाद निजाम ने बिना किसी हिचकिचाहट के अपने स्वतंत्र अस्तित्व की घोषणा कर दी। आधुनिक भारत के शिल्पकार वल्लभभाई भाई पटेल ने15 दिसंबर 1950 को मुंबई मे अपनी अंतिम सांस ली। भारत सरकार ने वल्लभभाई पटेल को 1991 में मरणोपरांत भारत रतन सम्मान से सम्मानित किया था।

बर्फबारी का मजा लूटना चाहते हैं तो, पटनीटॉप हैं आपके लिए पर्फेक्ट

पटनीटॉप-सनासर (जम्मू कश्मीर)। चारों ओर बिछी हुई बर्फ की सफेद चादर, देवदार तथा चीड़ के पेड़ों से गिरते बर्फ के टुकड़े सच में यहां आने वालों को नई दुनिया का आभास देते हैं। जिधर नजर दौड़ाएं, बस बर्फ ही बर्फ दिखती है और उस पर दिखते हैं बर्फ के खेलों का आनंद उठाते हुए लोग, जो देश के विभिन्न भागों से आए थे। यह है पटनीटॉप का प्रसिद्ध और मनमोहक पर्यटन स्थल जहां सिर्फ गर्मियां ही नहीं बल्कि सर्दियां भी मनोहारी होती हैं।

जम्मू से 108 किमी दूर पटनीटॉप का रमणीय और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर स्थल समुद्रतल से 6400 फुट की ऊंचाई पर है। लंबे लंबे चीड़ और देवदार के पेड़ हर उस शख्स को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं जो प्रकृतिप्रेमी हैं। साल भर इसकी खूबसूरत ढलानों पर जमी रहने वाली बर्फ भी पर्यटकों को अपनी ओर खींच लेने की शक्ति रखती है।

जम्मू पर्यटन विभाग पटनीटॉप में बर्फ के खेलों का मजा आने वाले पर्यटकों को देने के लिए अगले कुछ दिनों में 'स्कीइंग फैस्टिवल' आयोजित करने जा रहा है। जम्मू क्षेत्र में यह अपने किस्म का वार्षिक स्कीइंग फेस्टिवल होता है जिसमें पर्यटकों को स्कीइंग तो सिखाई ही जाती है और साथ ही पर्यटक बर्फ के खेलों का आनंद भी लूटते हैं।

जब कश्मीर में आतंकी घटनाओं ने देश-विदेश के पर्यटकों को गुलमर्ग के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल से मुख मोड़ने पर विवश किया तो उत्तर प्रदेश व हिमाचल प्रदेश के बर्फीले क्षेत्र बर्फ के खेलों के विकल्प के रूप में उभर कर सामने आए थे। अब जम्मू क्षेत्र के 'पहलगाम' के रूप में जाने जाना वाला पटनीटॉप नए और महत्वपूर्ण बर्फ के पर्यटन स्थल के रूप में पूरी तरह से उभर चुका है।

पहलगाम के उपरांत पटनीटॉप को स्कीइंग स्थल के रूप में ख्याति प्राप्त करवाने में पर्यटन विभाग के जम्मू विंग का अच्छा खासा सहयोग रहा है। विभाग की मेहनत ही है कि आज पटनीटॉप में स्कीइंग और पैराग्लाइडिंग करने वालों की भीड़ लगी रहती है। स्कीइंग के लिए तो पटनीटॉप की सबसे ऊंची पहाड़ी पर बनी छोटी और बड़ी स्लोपों के साथ ही पटनीटॉप के साथ लगते नथाटाप क्षेत्र को भी इस्तेमाल में लाया जा रहा है। जो आप ही खूबसूरती की एक मिसाल है। पर्यटन विभाग की ओर से अन्य स्लोपों की तलाश तथा उनका विकास किया जा रहा है ताकि स्कीइंग के लिए आने वालों की भीड़ से निपटा जा सके।

आने वाले सभी लोगों को बर्फ के खेलों का आनंद उठाने का अवसर उपलब्ध नहीं हो पाता क्योंकि स्कीइंग साल में सिर्फ सर्दियों के अढ़ाई महीनों में ही होती है। हिमाचल में यह सिर्फ दो महीने होती है पर पटनीटॉप व नत्थाटाप में यह कभी-कभी 3 महीनों तक होती रहती है क्योंकि बर्फ पिघलती नहीं है।

ऐसा भी नहीं है कि स्कीइंग न कर पाने वालों को पटनीटॉप आकर निराश होना पड़ता हो बल्कि कई बार लोग बर्फ पर फिसलने वाली लकड़ी की स्लेज का मजा लूटते हैं। कुछ लोग बर्फ के पुतले बना बर्फ के अन्य खेलों में लिप्त होते हैं। यह सब कुछ साल के सिर्फ अढ़ाई महीनों के दौरान ही इसलिए होता है क्योंकि बर्फ इसी दौरान रहती है और गर्मियों में पटनीटॉप आने वाले इन नजारों तथा अनुभवों से वंचित रहते हैं।

गर्मियों में आने वालों को निराशा होती हो ऐसा भी नहीं है क्योंकि गर्मियों में पटनीटॉप आने का अपना ही अलग लुत्फ है जो कश्मीर के मुकाबले का है। ऐसा इसलिए है क्योंकि समुद्रतल से जितनी ऊंचाई पर पटनीटॉप स्थित है उससे कम ऊंचाई पर श्रीनगर शहर है।

कश्मीर का मुकाबला करने वाले इस अनछुए पर्यटनस्थल पटनीटॉप में बर्फ के खेलों का एक रोचक पहलू यह है कि इसका आनंद उठाने वालों में अधिकतर वे लोग हैं जो पटनीटॉप से करीब अढ़ाई घंटों की यात्रा की दूरी पर स्थित प्रसिद्ध तीर्थस्थल माता वैष्णो देवी की गुफा के दर्शनार्थ आते हैं। आधिकारिक रिकार्ड के अनुसार पटनीटॉप आने वाले पर्यटकों में 80 प्रतिशत वैष्णो देवी के तीर्थयात्री ही हैं।

सबसे आकर्षक और बेहद खूबसूरत होती हैं इन जगहों की शाम

सुबह और शाम दिन के दो ऐसे प्रहर होते हैं, जब हमें जिंदगी के प्रति एक अलग सा लगाव महसूस होता है। हम में से कई लोग अपनी शाम पहाड़ो के बीच तो कोई नदी किनारे बीताना पसंद करता हैं। हममें से ज्यादातर लोग इन पलों को सुकून से प्रकृति के बीच महसूस करना चाहते हैं। आइए, आज उन चुनिंदा जगहों के बारे में जानते हैं, जहां की शाम बेइंतहा खूबसूरत होती है। हैं कुछ ऐसी जगहों के बारे में जहां पर आप अपनी शाम बीता सकते हैं और वाकइ में इन जगहों की शाम का नाज़ारा काफी सुंदर और देखने लायक होता हैं। तो आई जानते हैं इन जगहों के बारे में -

बनारस - वाराणसी शहर में लोग आध्यात्मिक उपचार की तलाश में आते हैं और गंगा यहां सबसे सुंदर अनुभव प्रदान करती है। गंगा नदी के किनारे बैठे उगते सूरज का नजारा आपको गदगद कर देगा। अगर आप सुबह जल्दी उठ सकते हैं तो नाव की सवारी भी कर सकते हैं। वैसे वाराणसी को महाकाल की नगरी भी कहा जाता है। यहां विश्व प्रसिद्ध काशी विश्वनाथ मंदिर स्थित है।

राधानगर बीच, अंडमान - अंडमान में स्थित हैवलॉक द्वीप की शाम बहुत ही खूबसूरत होती है। यह सनसेट प्वाइंट प्राकृतिक सौंदर्य के कारण दुनियाभर में लोकप्रिय है। हैवलॉक द्वीप हनीमून के लिए बेस्ट डेस्टिनेशन है। पूरे एशिया में सबसे बेस्ट सनसेट प्वाइंट माना जाता है। यहां पर जाने का सही समय अक्टूबर से अप्रेल के बीच का हैं।

टाइगर हिल - यह सूर्योदय देखने के लिए सबसे अच्छे स्थानों में से एक है। दार्जिलिंग आने वाले पर्यटकों के लिए सबसे बड़ा आकर्षण रहता है। टाइगर हिल राजसी माउंट कंचनजंगा, और प्रतिष्ठित माउंट एवरेस्ट के मनोहारी दृश्य भी दिखाती है। अपनी शाम को यादगार बनाने के लिए यहां से अच्छी जगह और कोई नहीं हैं। दार्जलिंग जाने वाले पर्यटकों के लिए यह एक बहुत बड़ा आकर्षण हैं।

नंदी हिल्स - यहां पर आप वादियों के बीच लाल रंग के आसमान का लुत्फ उठा सकते हैं। अगर आपको एकांत पसंद करने वाले व्यक्ति हैं तो यह जगह आपके लिए एकदम सही हैं। अगर आप यहां जाना चाहते हैं तो आप उसके लिए अक्टूबर से जून में जा सकते हैं।

उमियम लेक - भारत के उत्तर पूर्व में स्थित यह झील सबसे शानदार स्थानों में से एक है। यह शिलांग से लगभग 15 किमी दूर स्थित है। जैसे ही सूरज उगता है और पहली किरणें झील के पानी को छूती हैं, आपको एहसास होगा कि आप किसी और दुनिया में आ गए हों।

नए साल पर इन जगहों पर घूमें, बजट भी नहीं बिगड़ेगा

नए साल का स्वागत करने के लिए अधिकतर लोग घूमने का प्लान बनाते हैं। लेकिन साथ ही उनके मन में यह भी होता है कि नए साल का स्वागत करने के चक्कर में कहीं उनका बजट ना बिगड़ जाए। कई बार तो लोग इस वजह से अपने घूमने का प्लान भी कैंसिल कर देते हैं। अगर आपको भी लगता है कि नए साल में घूमने पर आपका बजट बिगड़ जाएगा तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आज हम आपको ऐसी कुछ जगहों के बारे में बता रहे हैं, जहां आप बजट में रहते हुए नए साल का स्वागत कर सकते हैं...

गोवा

नए साल पर घूमने की बात हो और गोवा का नाम ना आए, ऐसा तो हो ही नहीं सकता। वैसे तो आप गोवा कभी भी घूमने जा सकते हैं, लेकिन नए साल का जश्न गोवा में एक बेहद ही अलग तरह से मनाया जाता है। अगर आप यहां गए हैं तो बोहेमियन बीच पार्टी से लेकर नाइट क्लब इवेंट्स में जाएं। दिसंबर के आखिरी दिनों में गोवा में पार्टी का दौर चालू रहता है, ऐसे में आप यहां जमकर मस्ती कर सकते हैं। अगर आप गोवा में न्यू ईयर सेलिब्रेशन करने का मन बना रहे हैं, तो टीटो क्लब, मैम्बो कैफे व बोट क्रूज पार्टी को एन्जॉय करें। अगर आप पहले से ही पैकेज बुक करवाते हैं तो आपको हर व्यक्ति का लगभग पांच से सात हजार रूपए खर्च आएगा।

ऊटी

अगर आप शोर-शराबे से दूर एक शांत जगह पर रहकर नए साल का स्वागत करना चाहते हैं तो आपको ऊटी जाना चाहिए। आप यहां पर आकर टी फैक्टी और म्यूजियम, बोटिंग, बोटेनिकल गार्डन में जाएं। साथ ही नए साल की फील लेने के लिए आप सड़कों पर निकल जाएं। वहां पर आतिशबाजी का माहौल देखकर आपके मन को यकीनन काफी अच्छा लगेगा। अगर आप यहां जा रहे हैं तो आपका खर्च सात से आठ हजार रूपए प्रति व्यक्ति आएगा।

पांडिचेरी

समुद्र तटों पर बाइक चलाने से लेकर छत पर बने कैफे में घूमने तक पॉन्डिचेरी आपको नए साल में एक अलग ही अनुभव महसूस कराएगा। खासतौर से, अगर आपका बजट काफी कम है और आप किसी बेहतरीन जगह पर घूमना चाहते हैं तो पांडिचेरी यकीनन आपकी जरूरत को पूरा करेगा। अगर आप वहां जा रहे हैं तो श्री अरबिंदो आश्रम, प्रोमेनेड बीच, हेरिटेज वॉक, विइट फ्रेंच कॉलोनी जाएं। यहां पर आपका प्रति व्यक्ति खर्च लगभग चार से पांच हजार आएगा।

आप भी हैं कैंपिंग के शौकीन तो जरूर जाएं इन बेहतरीन जगहों पर

क्या आपको हैं कैंपिंग करने का शौक और आप खोज रहे हैं कोई ऐसी जगह जगहां पर आप आराम से और शांत वातावरण में कैंपिंग कर पाएं तो आज हम आपके लिए लाएं है कुछ ऐसी जगहों के बारे में जहां पर आप आराम से और शांत वातावरण में कैंपिंग कर सकते हैं। नेशनल पार्क से प्राइवेट ग्राउंड तक यह हैं कुछ बहुत ही बेहतर जगह कैंपिंग करने के लिए। तो आईए जानते हैं इन जगहों के बारे में -

अलास्का-यह सबसे मशहूर और सबसे बेहतरीन कैंपिंग ग्राउंड्स में से एक हैं। यह जगह अलास्का के कूपर लैंडिंग में स्थित हैं। यह तीन कैंपसाइट लूप प्रदान करता है, जिनमें से एक झील पर है। यह वन्यजीवों के अवलोकन के लिए एक आदर्श स्थल है, जिसमें लायनक्स, भालू, गिलहरी और लॉन शामिल हैं। यहां पर जाने का सही समय मई से सितंबर का हैं।

अरिज़ोना-ग्रैंड कैन्यन-यह एक ऐसी कैंपिंग साइट हैं जो कि यहां के पर्यटकों के बीच काफी मशहूर हैं। यहां पर हर साल कई पर्यटक कैंपिंग करने आते हैं। रात के समय यहां का नज़ारा देखने लायक होता हैं। अगर आप यहां पर कैंपिंग का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो मार्च से मई और सितंबर से नवंबर आपके लिए एकदम सही समय हैं।

अर्कांसस-पेटिट जीन स्टेट पार्क-यह पार्क अर्कांसस का पहला स्टेट पार्क हैं। यह जगह अपने पर्यटकों के 125 कैंपिंग साइट्स प्रदान करती हैं। यह जगह परिवार के साथ जाने के लिए काफी अच्छी हैं। यहां पर आपको मछली पकड़ना, स्विमिंग पूल, प्लेगाउंड, टेनिस और बास्केटबॉल कोर्ट और वॉटर स्पोर्ट्स जैसी गतिविधियां उपलब्ध कराई जाती हैं। यहां पर और भी कई खूबसूरत जगह भी हैं। यहां पर जाने का सही समय अक्टूबर से नवंबर क बीच का हैं।

कैलिफोर्निया-योसेमाइट नेशनल पार्क-वैसे तो कैलिफोर्निया में घूमने के लिए कई सारे नेशनल पार्क्सहैं लेकिन यह पार्क कैलिफोर्निया का सबसे मशहूर पीर्क हैं। बता दें कि इस पार्क को यूनेस्कों की सूची में भी शामिल किया गया हैं। यहां पर आपकोसिकोइया के पेड़ और झरनों क बीच अपना समय बीताने का मौका मिलेगा। आपको यहां पर कैंपिंग करने के लिए पहले से ही रिसर्वेशन करना हेगा। अगर आप यहां पर कैंपिंग करने जाना चाहते हैं तो आपको मई से अक्टूबर और नवंबर से दिसंबर क बीच जाना चाहिए।

मिनेसोटा-स्प्लिट रॉक लाइटहाउस स्टेट पार्क-यहां पर आपको काफी सारे पर्यटक मिल जाएंगे यह कैंपिंग करने वाले पर्यटकों के लिए एक बहुत ही पसंदीदा स्थल हैं। इसलिए अगर आप यहां पर कैंपिंग के लिए जाना चाहते हैं तो आप अपने लिए पहले से ही रिसर्वेशन कर लें। यहां कई पर्यटक कैंपिंग के साथ साथ हाइकिंग और फिशिंग भी करने आते हैं। यहां पर जाने का सही समय जून से अगस्त के बीच का हैं।

पुष्पा 2 को लेकर की गई जेसीबी वाली टिप्पणी पर सिद्धार्थ का यू-टर्न

5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद से ही पुष्पा 2: द रूल ने कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। फिल्म की भारी सफलता के बीच सिद्धार्थ को अल्लू अर्जुन अभिनीत फिल्म के पटना इवेंट में एकत्रित भीड़ का मजाक उड़ाने के लिए आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। हालांकि, अब उन्होंने विवाद के बारे में बात की और एक स्पष्टीकरण जारी किया है।

सिद्धार्थ ने ट्रोलिंग पर तोड़ी चुप्पी

चेन्नई में अपनी फिल्म मिस यू के लिए आयोजित एक प्रेस मीट के दौरान सिद्धार्थ ने पुष्पा 2 पर अपनी टिप्पणियों और अल्लू अर्जुन के साथ किसी भी तरह की समस्या के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब दिया। अभिनेता ने स्पष्टीकरण की आवश्यकता को खारिज कर दिया और फिल्म की टीम को इसकी सफलता के लिए बधाई दी। उन्होंने पहले भाग की भारी लोकप्रियता को स्वीकार किया और कहा कि दर्शकों का सीक्वल के लिए सिनेमाघरों में आना स्वाभाविक था।

अपनी टिप्पणी पर क्या बोले सिद्धार्थ

सिद्धार्थ ने फिल्मों का समर्थन करने वाली बड़ी भीड़ के महत्व के बारे में भी बात की। उन्होंने उम्मीद जताई कि दर्शक सिनेमाघरों में आना जारी रखेंगे और सिनेमा के फलने-फूलने की जरूरत के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि किसी फिल्म का हिट होना कितना दुर्लभ है और कहा कि निर्माता और कलाकार अपनी कड़ी मेहनत का फायदा उठाने के हकदार हैं।

सिद्धार्थ ने पेश की सफाई

उन्होंने कहा, मुझे समस्या शब्द से ही दिक्कत है और मुझे नहीं लगता कि मुझे इस पर स्पष्टीकरण देने की जरूरत है। सफलता के लिए पुष्पा 2 की टीम को बधाई। जितनी अधिक भीड़ जुटेगी, उतना अच्छा होगा। आशा है कि भीड़ सिनेमाघरों में भी आएगी। सिनेमा को स्वस्थ होना चाहिए। इससे पहले पुष्पा 2 पर की गई अपनी टिप्पणी पर सिद्धार्थ को काफी ट्रोल भी किया गया था।

क्या था सिद्धार्थ का बयान

इससे पहले सिद्धार्थ ने पुष्पा 2 कार्यक्रम के लिए पटना में उमड़ी भारी भीड़ पर अपने विचार साझा किए । उन्होंने कथित तौर पर इसे एक प्रचार रणनीति बताया और कहा कि भारत में बड़ी भीड़ एक आम बात है। उन्होंने तर्क दिया कि ऐसी भीड़ हमेशा गुणवत्ता को नहीं दर्शाती। अभिनेता ने कथित तौर पर इस आयोजन की तुलना जेसीबी से खुदाई करने वाली जगह से की और दावा किया कि आयोजन करने से स्वाभाविक रूप से लोग आते हैं और उन्होंने बिहार में लोगों के एकत्र होने को सामान्य बताया।

आलिया भट्ट ने ऑल वी इमेजिन एज लाइट के लिए दी पायल कपाड़िया को बधाई

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने फिल्म निर्माता पायल कपाड़िया को फिल्म ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट के लिए गोल्डन ग्लोब अवार्ड के लिए नामित होने पर बधाई दी। उन्हें 82वें गोल्डन ग्लोब अवार्ड्स 2025 में सर्वश्रेष्ठ निर्देशक (मोशन पिक्चर श्रेणी) के लिए नामित किया गया है। ये फिल्म प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में इसे सर्वश्रेष्ठ मोशन पिक्चर नॉन इंग्लिश कैटेगरी में भी नामांकित किया गया है।

पायल कपाड़िया ने कही ये बात

पायल कपाड़िया ने कहा, मैं इस नामांकन से बहुत सम्मानित महसूस कर रही हूं और इस मान्यता के लिए [illegible] की आभारी हूं। यह उन सभी का जश्न है जिन्होंने इस फिल्म पर इतनी लगन से काम किया है। भारत में सभी के लिए, ऑल वी इमेजिन एज लाइट अभी भी सिनेमाघरों में है - कृपया इसे देखें और हमारा समर्थन करें।

राजकुमार राव ने भी दी बधाई

बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव ने भी फिल्म निर्माता पायल कपाड़िया को इस नामांकन की बधाई दी है। उन्होंने लिखा, बधाई हो... यह बहुत बढ़िया है। बहुत-बहुत शुभकामनाएं। आपके लिए प्रार्थना करता हूं। वहीं, आलिया भट्ट ने भी पायल कपाड़िया को बधाई दी और कहा कि इतिहास बस आपका ही है।

फिल्म को मिला कान्स में ग्रैंड प्रिक्स

ऑल वी इमेजिन एज लाइट फिल्म को दुनियाभर में लोगों ने सराहा है। इस फिल्म को इंटरनेशनल लेवल पर लोगों ने बहुत पसंद किया है। फिल्म भारत में 22 नवंबर को भारत में सिनेमाघरों में रिलीज हुई ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट ने पहले अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा हासिल की थी। यह फिल्म कान्स 2024 में प्रतिष्ठित ग्रैंड प्रिक्स जीतने वाली पहली भारतीय फिल्म बन गई।

प्रेग्नेंसी की खबरों पर सोनाक्षी ने तोड़ी चुप्पी

सोनाक्षी सिन्हा ने इस साल जून में अपने बॉयफ्रेंड जहीर इकबाल के साथ शादी रचाई। निजी समारोह में हुई रजिस्टर मैरिज और फिर रिसेप्शन पार्टी में करीबी दोस्त और परिवार के सदस्य शामिल हुए। शादी के बाद सोनाक्षी सिन्हा की प्रेग्नेंसी को लेकर अटकलें लग रही हैं। उनकी हालिया तस्वीरें देख नेटिजन्स अक्सर अभिनेत्री से सवाल पूछते हैं कि क्या वे खुशखबरी देने वाली हैं? इस तरह की अफवाहों पर सोनाक्षी ने चुप्पी तोड़ी है।

मजाकिया अंदाज में किया खंडन

सोनाक्षी सिन्हा ने अपनी प्रेग्नेंसी की अफवाहों पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस तरह की अकटलों का खंडन अपने चिर-परिचित मजाकिया अंदाज में किया और इसे अपने बढ़ते वजन से जोड़ा। सोनाक्षी ने कहा, मैं बस मोटी हो चुकी हूं। अपने इस बेबाक अंदाज और जवाब के जरिए उन्होंने अफवाहों को विराम दे दिया है। सोनाक्षी ने कर्ली टेल्स के साथ इंटरव्यू के दौरान यह बात कही। सोनाक्षी सिन्हा ने अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर चल रहीं अफवाहों को विराम लगाते हुए कहा, दोस्तों, मैं यहां पर कहना चाहती हूं कि मैं प्रेग्नेंट नहीं हूं। मैं बस मोटी हो चुकी हूं। सोनाक्षी सिन्हा ने मजाक में यह भी खुलासा किया कि इस तरह की खबरों को लेकर किसी ने तो उनके पति जहीर इकबाल को बधाई तक दे डाली। सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल ने बातचीत के दौरान हंसते हुए कहा कि शादी के बाद से वे लगातार यात्राओं में व्यस्त हैं।

इस पोस्ट के बाद शुरू हुई अफवाहें

सोनाक्षी सिन्हा की अफवाहें तब शुरू हुई, जब कपल ने अपने पालतू कुत्ते के साथ एक तस्वीर साझा की। सोनाक्षी सिन्हा ने भी माना की इस तस्वीर के बाद इस तरह के कयास लगने लगे। आगे उन्होंने माना कि इंटरनेट पर यूजर्स की कल्पनाओं की कोई सीमा नहीं। सोनाक्षी सिन्हा और जहीर ने एक-दूसरे को करीब सात साल डेट किया। 23 जून 2024 में इन्होंने शादी रचाकर जिंदगी के नए अध्याय में प्रवेश किया।

पहली फिल्म की असफलता ने तोड़ा श्रद्धा का दिल, इंडस्ट्री में नहीं दिया किसी ने काम

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर ने हाल ही में रिलीज हुई अपनी हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'स्त्री 2' का आनंद उठाया। यह फिल्म साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक बन गई। इस बीच श्रद्धा ने 2010 में रिलीज हुई उनकी फिल्म 'तीन पत्ती' की असफलता के बारे में खुलकर बात की और बताया कि कैसे फिल्म की असफलता ने उनका दिल तोड़ दिया था, क्योंकि उन्होंने इसके असफल होने की उम्मीद नहीं थी। श्रद्धा कपूर ने बताया कि फिल्म की असफलता के बाद उन्हें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। रिपोर्ट्स के मुताबिक जीक्यू इंडिया से बात करते हुए कहा कि लोगों को उन्हें कास्ट करने के लिए मनाना बहुत मुश्किल था, जब तक कि आदित्य रॉय कपूर के साथ आशिकी 2 नहीं आई, एक ऐसी फिल्म जिसने उन्हें बहुत शोहरत दिलाई। अभिनेत्री ने कहा कि आशिकी 2 के बाद और उससे पहले, वह कठिन दौर से गुजर रही थीं।

पिता ने नहीं की मदद

श्रद्धा ने आगे कहा, इंडस्ट्री से होने के बावजूद, मेरे पिता मुझे काम दिलाने के लिए कोई कॉल नहीं कर रहे थे। उन्होंने (शक्ति कपूर) कहा, मैंने खुद को अपने दम पर बनाया है, तुम्हें भी यह करना होगा। अपनी लड़ाई का सामना करो। मुझ पर निर्भर मत रहो। इससे मुझे बहुत ही अस्वीकृति और असफलता का अनुभव हुआ। 'आशिकी' होने तक लोगों को मुझे कास्ट करने के लिए मनाना बहुत मुश्किल था।

खुद को पति के रूप में राजकुमार राव ने दी इतनी रेटिंग, बोले- हमेशा सुधार की गुंजाइश रहती है

बॉलीवुड के पावर कपल राजकुमार राव और पत्रलेखा एक दूसरे के प्रति अपने प्यार का इजहार अक्सर करते हैं। दोनों की मीडिया हाउस से बातचीत में राजकुमार राव ने बताया कि वे पति के तौर पर 10 में से 9 ही नंबर ले सकते हैं। राजकुमार राव ने कहा, मैं खुद को एक पति के तौर पर नौ नंबर दूंगा। वाह, यह बिल्कुल भी बुरा नहीं है, है ना? मैं दस कहने वाला था, लेकिन फिर मैंने सोचा कि कुछ तो गड़बड़ होगी मुझमें। सुधार की हमेशा गुंजाइश रहती है।

एक दूसरे के सबसे बड़े आलोचक हैं

इस बातचीत में राजकुमार राव ने बताया कि वे और पत्रलेखा एक दूसरे का समर्थन करते हैं लेकिन वे एक दूसरे के सबसे बड़े आलोचक भी हैं। वे अक्सर उनके काम की पहली दर्शक रही हैं। पत्रलेखा जिस काम की तारीफ करती हैं, उसे वाकई सम्मान मिलता है। उन्होंने पत्रलेखा के लिए कहा कि वे मेरे काम को समझती हैं मेरे लिए ये भी बहुत बड़ी बात है।

राजकुमार राव ने की पत्रलेखा की तारीफ

राजकुमार राव ने आईसी 814 में पत्रलेखा के अभिनय की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ये सीरीज उनके लिए एक अध्ययन के तौर पर खास रहा। बता दें राजकुमार राव और पत्रलेखा ने 2010 में अपने रिश्ते की शुरुआत की और 15 नवंबर, 2024 को चंडीगढ़ में एक अंतरंग समारोह में शादी कर ली।

इस साल दिखाया अभिनय का जादू

वर्कफ्रंट की बात करें तो राजकुमार राव को हाल ही में विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में नजर आए थे। इस फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों की खास प्रतिक्रिया नहीं मिली। वहीं, राजकुमार राव ने इस साल स्त्री 2 के जरिए भी काफी सुर्खियां बटोरीं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर काफी हिट रही।

रामायण के लिए शाकाहारी बनने की अफवाहों का साई पल्लवी ने किया खंडन

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की खूबसूरत और मुखर अभिनेत्री साई पल्लवी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर रामायण के लिए शाकाहारी बनने की अफवाहों का खंडन किया। अभिनेत्री ने अफवाहों को मनगढ़ंत करार देते हुए कानूनी कार्रवाई की भी चेतावनी दी। अफवाहों को लेकर गुस्से में आई अभिनेत्री साई पल्लवी ने आधिकारिक एक्स हैंडल पर अपनी एक तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, अधिकांश समय, लगभग हर बार, जब भी मैं निराधार अफवाहों या मनगढ़ंत झूठ, गलत बयानों को मकसद या बेमकसद फैलते देखती हूं (भगवान जाने) तो मैं चुप रहना ज्यादा पसंद करती हूं और ऐसे मौकों पर कुछ नहीं बोलती। मैं खास तौर पर फिल्मों की रिलीज, घोषणा या मेरे करियर के यादगार पलों के समय किसी तरह की अफवाहों पर आमतौर पर चुप ही रहती हूं। (ऐसा हर बार नहीं होगा) अगली बार जब मैं किसी पेज, मीडिया या व्यक्ति को समाचार या गपशप के नाम पर कोई मनगढ़ंत घटिया कहानी चलाते हुए देखूंगी तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करूंगी। कानूनी कार्रवाई करूंगी! बस!

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की सफल अभिनेत्री साई पल्लवी जल्द ही नितेश तिवारी के निर्देशन में तैयार रामायण में माता सीता की भूमिका में नजर आएंगी। 'रामायण' में माता सीता की भूमिका निभा रहीं साई पल्लवी के साथ रणबीर कपूर राम की भूमिका में तो 'केजीएफ' स्टार यश लंकापति रावण की भूमिका में और लारा दत्ता कैकेयी की और सनी देओल वीर हनुमान की भूमिका में नजर आएंगे। साई पल्लवी अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं। हाल ही में अभिनेत्री का एक पुराना वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें अभिनेत्री भारतीय सेना को लेकर विवादित बयान देती नजर आई थीं। वायरल वीडियो में अभिनेत्री कहते नजर आई थीं, पाकिस्तान में लोग सोचते हैं हमारी सेना एक आतंकवादी समूह है, लेकिन हमारे लिए उनकी सेना ऐसी है। इसलिए, नजरिया बदल जाता है।

सुजॉय घोष ने की पुष्पा 2 की तारीफ

अल्लू अर्जुन की साल की बहुप्रतीक्षित फिल्म पुष्पा 2: द रूल बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। फिल्म को दर्शकों से जबर्दस्त प्रतिक्रिया मिली और इसने पहले ही दुनिया भर में बॉक्स ऑफिस पर 800 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर ली है। फिल्म समीक्षकों, दर्शकों और कई मशहूर हस्तियों से भी प्रशंसा अर्जित कर रही है। हाल ही में, फिल्म निर्माता सुजॉय घोष ने भी फिल्म की अपनी समीक्षा साझा की और अल्लू अर्जुन को महानतम जादूगर कहा। वहीं, इस पर अल्लू अर्जुन ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है और लोगों का खासा ध्यान आकर्षित किया है।

सुजॉय घोष ने की पुष्पा की समीक्षा

सुजॉय घोष ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पुष्पा 2: द रूल की अपनी समीक्षा साझा की। बदला, कहानी और जाने जां जैसी फिल्मों के लिए जाने जाने वाले फिल्म निर्माता ने कहा, मैंने सुकुमार की फिल्म पुष्पा 2 देखी। क्या खूबसूरती से तैयार किया गया मैजिक शो और हर डिपार्टमेंट में बेहतरीन डिटेलिंग। मन चकित रह गया। देखने में बहुत मजा आया और सबसे महान जादूगर अल्लू अर्जुन ने मुझे सम्मोहित कर लिया।

अल्लू अर्जुन ने जताया आभार

इसके बाद अल्लू अर्जुन ने फिल्म निर्माता का आभार व्यक्त किया और जवाब दिया, सुजॉय जी, बहुत-बहुत धन्यवाद। खुशी है कि आपको फिल्म और मेरा काम पसंद आया। आपके प्यार से अभिभूत हूं। धन्यवाद। सुजॉय घोष ने फिल्म की तारीफ की है और अल्लू अर्जुन उनका आभार व्यक्त करते नजर आए हैं। वहीं, सुजॉय और अल्लू की पोस्ट पर नेटिजन्स भी दिल खोलकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। नेटिजन्स ने सुजॉय घोष द्वारा अल्लू अर्जुन और पुष्पा 2 की प्रशंसा करने पर प्रतिक्रिया व्यक्त की और उनसे शाहरुख खान के साथ ऐसा ही सिनेमा बनाने का अनुरोध किया। एक एक्स यूजर ने लिखा, एसआरके की विशाल प्रस्तुति के साथ-साथ किंग को भी पूरी तरह तैयार करें। दूसरे ने लिखा, अपनी खुद की विशिष्टता के साथ किंग बनाएं और उन सभी को आश्चर्यचकित करें जो किंग-द मूवी को कम आंक रहे हैं।

किंग में नजर आएंगे शाहरुख-सुहाना

एक अन्य एक्स यूजर ने टिप्पणी की, सुजॉय दादा हम और अधिक खूबसूरती से तैयार किया गया जादू शो चाहते हैं। बता दें, सुजॉय घोष एक एक्शन ड्रामा किंग का निर्देशन करने जा रहे हैं, जिसमें शाहरुख खान और उनकी बेटी सुहाना खान मुख्य भूमिका में हैं। चर्चा है कि फिल्म में अभिषेक बच्चन खलनायक की भूमिका निभा सकते हैं। किंग के बारे में बात करते हुए, शाहरुख ने एक इंटरव्यू में कहा, यह दिलचस्प होगा। मैं कुछ समय से ऐसी फिल्म करना चाहता था, और मैं वास्तव में सात, आठ साल से ऐसी फिल्म करना चाहता था। हमने बस महसूस किया सुजॉय सही विकल्प होंगे, क्योंकि हम चाहते थे कि यह भावनात्मक रूप से बहुत सही हो। हम सभी एक अच्छी, व्यापक, एक्शन, भावनात्मक फिल्म बनाने के लिए एक साथ आ रहे हैं।

लोकेश कनगराज के एलसीयू में हुई माधवन की एंट्री

राघव लॉरेंस अपनी शानदार अदाकारी के लिए मशहूर हैं। वह आगामी फिल्म बेंज में मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे, जिसका निर्देशन बक्कियाराज कन्नन करेंगे। फिल्म की पटकथा लोकेश कनगराज लिख रहे हैं। यह फिल्म लोकेश कनगराज के सिनेमैटिक यूनिवर्स (एलसीयू) का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनने जा रही है।

एलसीयू में हुई माधवन की एंट्री

रिपोर्ट के अनुसार राघव लॉरेंस की इस फिल्म में अब आर माधवन की विलेन की के रूप में एंट्री हो गई है। माधवन के एलसीयू में प्रवेश ने दर्शकों के साथ फिल्म इंडस्ट्री में काफी उत्साह पैदा कर दिया है। माधवन ने आखिरी बार मणिरत्नम की फिल्म आयुथा एझुथु (2004) में और 2024 में हिंदी फिल्म शैतान में भी वह नकारात्मक भूमिका में नजर आए थे। फिल्म बेंज की शूटिंग जल्द शुरू होगी। इसमें संगीत देने के लिए हाल ही में उभरते हुए संगीतकार साई अभ्यंकर को साइन किया गया है। राघव लॉरेंस की आगामी फिल्में, जैसे काला भैरव और बुलेट ने भी काफी हलचल मचाई है। 2025 में इन फिल्मों की रिलीज को लेकर फैंस में खासा उत्साह है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णा टेकरीवाल के द्वारा कदम कुआं पटना से प्रकाशित। खबरों एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें 9801716267